सोनिया गांधी ने महिला आरक्षण... 12

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

धुरंधर 2 पर चुप्पी को लेकर... 11

वर्ष - 02, अंक - 10 | गाजियाबाद / मंगलवार 14 अप्रैल 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

होर्मुज में अब ईरानी पोर्ट से आने वाले जहाजों को ब्लॉक करेगा अमेरिका

- पाकिस्तान में विफल वार्ता के बाद लिया फैसला

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान के बीच न्यूक्लियर प्रोग्राम समेत अन्य जरूरी मुद्दों पर बात नहीं बनी, जिसकी वजह से तनाव और बढ़ गया है। ऐसे में ईरान पर दबाव बनाने के लिए अमेरिका ने ईरानी पोर्ट्स में आने-जाने वाले जहाजों पर पूरी तरह से समुद्री नाकाबंदी लागू करना शुरू कर दिया। यूएस सेंट्रल कमांड (सीईएनटीसीओएम) ने यह कदम राष्ट्रपति के आदेश के बाद उठाया और यह ईरानी पोर्ट्स में आने-जाने वाले सभी समुद्री ट्रैफिक को टारगेट करेगा, जिसमें अरब की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के किनारे के पोर्ट्स भी शामिल हैं।

सीईएनटीसीओएम ने कहा कि यह ब्लॉकेड सभी देशों के जहाजों के खिलाफ बिना किसी भेदभाव के लागू किया जाएगा। अमेरिकी सेना होर्मुज स्ट्रेट से गैर-ईरानी पोर्ट्स से आने-जाने वाले जहाजों को नहीं रोकेगी। सीईएनटीसीओएम की एक रिलीज के मुताबिक, यह ब्लॉकेड सोमवार शाम 7.30 बजे आईएसटी से शुरू हो गया। कमर्शियल नाविकों को सलाह दी गई है कि वे आधिकारिक नेविगेशन चेतावनियों पर नजर रखें और इस इलाके में काम करते समय अमेरिकी नेवी फोर्स के संपर्क में रहें। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि दूसरे मोर्चों पर प्रोग्रेस के बावजूद, ईरान के साथ बातचीत उसके न्यूक्लियर लक्ष्यों को लेकर रुक गई है। ट्रंप के इस बयान के कुछ घंटे बाद ही सीईएनटीसीओएम का ये रिलीज सामने आया है।

> "अगर अमेरिकी सरकार अपनी तानाशाही छोड़ दे और ईरानी राष्ट्र के अधिकारों का सम्मान करे, तो समझौते तक पहुंचने के रास्ते जरूर मिल जाएंगे।"
>
> *–मसूद पेजेश्कियान, ईरान के राष्ट्रपति*

ट्रंप ने कहा कि ज्यादातर बातों पर सहमति हो गई थी, लेकिन एकमात्र बात जो सच में मायने रखती थी, वो थी न्यूक्लियर और उस पर कोई सहमति नहीं बनी। यूएस नेवी होर्मुज स्ट्रेट में आने या जाने की कोशिश करने वाले सभी जहाजों को ब्लॉक करने का प्रक्रिया शुरू करेगी। उन्होंने ईरान पर स्ट्रेट में नेवल माइंस की धमकियों का फायदा उठाकर वर्ल्ड एक्सटॉर्शन करने का आरोप लगाया।

दुश्मन की गलत हरकत के होंगे घातक परिणाम: आईआरजीसी

तेहरान (एजेंसी)। अमेरिका और इजराइल के साथ तनाव के बीच ईरान की नौसेना ने होर्मुज स्ट्रेट को लेकर कड़ी चेतावनी दी है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की नौसेना ने कहा कि होर्मुज में 'दुश्मन' की कोई भी गलत हरकत जानलेवा साबित होगी। नौसेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह चेतावनी जारी की। इसके साथ ही, होर्मुज स्ट्रेट में वास्तविक स्थिति का ड्रोन

निगरानी फुटेज भी शेयर किया गया। आईआरजीसी की नौसेना ने कहा कि होर्मुज में होने वाली सभी हलचलें और ठहराव ईरानी सशस्त्र बलों के पूर्ण नियंत्रण में हैं। उसने यह भी कहा कि कोई भी गलत कदम दुश्मन को होर्मुज स्ट्रेट के जानलेवा भंवरों में फंसा देगा।

नोएडा में फैक्ट्री कर्मचारियों का हिंसक प्रदर्शन, जलाईं गाड़ियां

- तोड़फोड़ और किया पथराव
- राज्य सरकार ने बनाई उच्च स्तरीय समिति

नोएडा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के औद्योगिक शहर नोएडा में पिछले कई दिनों से चल रहे फैक्ट्री कर्मचारियों के प्रदर्शन ने सोमवार को हिंसक रूप ले लिया। वेतन बढ़ोतरी की मांग को लेकर सड़कों पर उतरे हजारों प्राइवेट कर्मचारी उग्र हो गए और कई जगहों पर तोड़फोड़, आगजनी और पथराव की घटनाएं सामने आई हैं। प्रदर्शन की शुरूआत गुरुग्राम से हुई थी, जो धीरे-धीरे नोएडा की विभिन्न औद्योगिक इकाइयों तक फैल गई। आज हालात तब बिगड़ गए जब कुछ प्रदर्शनकारी समूहों ने फैक्ट्रियों के बाहर खड़ी गाड़ियों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। नोएडा सेक्टर 62 स्थित मदरसन ग्रुप की फैक्ट्री के बाहर प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने जमकर हंगामा किया। गाड़ियों के शीशे तोड़े गए, कई वाहनों में आग लगा दी गई और पुलिस पर पथराव भी किया गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े। प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों का कहना है कि इस बार उनकी वेतन बढ़ोतरी मात्र ढाई सौ से तीन सौ रुपये किया गया, जो महंगाई के मुकाबले बेहद कम है। मजदूरों का आरोप है कि वर्तमान में नोएडा की फैक्ट्रियों में औसत वेतन 10-15 हजार रुपये के बीच है।

नोएडा के श्रमिकों के लिए संदेश, 'उचित वेतन मिलेगा: योगी

सीएम योगी आदित्यनाथ ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि औद्योगिक अशांति पैदा करने वाले लोगों से सावधान रहें। मैं सभी उद्यमियों से भी अपील करूंगा कि वो श्रमिकों, कार्मिकों के साथ सीधे संवाद स्थापित करें। हमारी सरकार श्रमिकों के साथ है। उद्यमी को सुरक्षा देगी और हर श्रमिक को संरक्षण भी देगी। उनका उचित मानदेय भी देगी, हमने गत वर्ष ही कारपोरेशन गठित कर दिया है। इसके माध्यम से इसी महीने से उसकी सिफारिश लागू होने वाली है। उन्होंने ये बातें नोएडा में हो रहे श्रमिकों के विरोध-प्रदर्शन के मद्देनजर कही।

भारत में बनेगा तेजस फाइटर जेट इंजन का रिपेयर सेंटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। 'मेक इन इंडिया' पहल को मजबूती देते हुए अमेरिकी कंपनी जीई एयरोस्पेस ने सोमवार को भारतीय वायुसेना (आईएएफ) के साथ एक नया समझौता किया है। इसके तहत भारत में एफ404-आईएन20 इंजन के लिए रिपेयर और मेंटेनेंस सुविधा (डिपो) स्थापित की जाएगी, जो एचएएल के तेजस फाइटर जेट को शक्ति प्रदान करते हैं। यह नई सुविधा भारत में ही बनाई जाएगी और इसका संचालन भारतीय वायु सेना करेगी, जबकि जीई एयरोस्पेस तकनीकी सहयोग प्रदान करेगा। इस कदम का उद्देश्य भारत की स्वदेशी रक्षा मेंटेनेंस क्षमता को मजबूत करना और दूसरे देशों पर निर्भरता को कम करना है। जब यह सुविधा चालू हो जाएगी, तो इंजन की मरम्मत और रखरखाव में लगने वाला समय काफी कम हो जाएगा, जिससे तेजस फाइटर जेट की उपलब्धता बेहतर होगी। समझौते के तहत यह डिपो पूरी तरह से भारतीय वायु सेना के स्वामित्व और संचालन में रहेगा।

होर्मुज की सैन्य नाकेबंदी में शामिल नहीं होंगे: ब्रिटेन

लंदन/अंकारा (एजेंसी)। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने सोमवार को स्पष्ट किया कि उनका देश ईरान के खिलाफ अमेरिका के नेतृत्व वाली किसी भी नौसैनिक नाकेबंदी में शामिल नहीं होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि ब्रिटेन को ईरान के साथ युद्ध में नहीं घसीटा जाएगा। स्टार्मर ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को नौवहन के लिए पूरी तरह खुला रखना उनकी प्राथमिकता है, क्योंकि इसके बंद होने से वैश्विक ऊर्जा बाजार प्रभावित हो रहे हैं और लोगों के लिए बिजली-गैस के बिल बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह हमारा युद्ध नहीं है और हम इसमें नहीं फंसेंगे।

साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश, आठ गिरफ्तार

कानपुर (एजेंसी)। कानपुर कमिश्नरेट पुलिस ने साइबर फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट और प्रतिबंधित ऑनलाइन गेमिंग एप के माध्यम से लोगों से ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 26 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, 54 एटीएम कार्ड, 26 पासबुक, एक चेकबुक, 30 मोबाइल सिम तथा अन्य सामान बरामद किया है। पुलिस आयुक्त रघुबीर लाल ने सोमवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त प्रतिबंधित गेमिंग ऐप/वेबसाइट के माध्यम से लोगों को लालच देकर ठगी करते थे तथा फर्जी खातों के जरिए धनराशि को ट्रांसफर कर ठिकाने लगाते थे।

यूपीपीएससी पर छात्रों का धरना

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की सम्मिलित राज्य अभियंत्रण सेवा परीक्षा के तहत सहायक अभियंता तथा सम्मिलित राज्य कृषि सेवा मुख्य परीक्षा 2024 का परिणाम घोषित करने की मांग को लेकर प्रतियोगी छात्रों ने सोमवार को आयोग परिसर के बाहर धरना दिया। आयोग के गेट नंबर दो के बाहर हाथों में पोस्टर और बैनर लेकर छात्रों ने नारेबाजी की तथा परिणाम शीघ्र जारी करने की मांग उठाई। कड़ी धूप के बावजूद बड़ी संख्या में अभ्यर्थी कई घंटे तक धरने पर बैठे रहे। प्रदर्शनकारी छात्रों का कहना है कि आयोग द्वारा आयोजित असिस्टेंट इंजीनियर और एग्रीकल्चर मुख्य परीक्षा का परिणाम लंबे समय से लंबित है। इलाहाबाद उच्च न्यायालय में दाखिल याचिकाओं के कारण परिणाम घोषित नहीं हो पा रहा है, जिससे हजारों अभ्यर्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है। संयुक्त प्रतियोगी छात्र हुंकार मंच के संयोजक पंकज पांडेय ने आरोप लगाया कि न्यायालय में लंबित मामलों की पिछली कई सुनवाइयों में आयोग की ओर से प्रभावी पैरवी नहीं की गई और लगातार तिथि ली जा रही है।

हरियाणा में 3 नगर निगमों सहित 7 निकायों में चुनाव 10 मई को होंगे

- सोनीपत-पंचकूला और अंबाला में मेयर चुने जाएंगे
- पंचायत उपचुनाव भी साथ; 13 को मतगणना

पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा में सोमवार को 7 नगर निकायों के आम चुनाव और पंचायती राज के 528 पदों पर उपचुनाव की घोषणा हो गई। हरियाणा राज्य चुनाव आयुक्त देवेंद्र कल्याण ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि सोनीपत, पंचकूला, अंबाला नगर निगम, रेवाड़ी नगर परिषद, उकलाना, धारूहेड़ा व सांपला नगर पालिका में 10 मई को वोटिंग होगी। 13 मई को परिणाम घोषित होगा।

मतदान के ऐलान के साथ ही चुनाव वाले सभी इलाकों में आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू हो गई। टोहाना के वार्ड-17, झज्जर नगर परिषद के वार्ड-13, राजौंद के वार्ड-11, तरावड़ी के वार्ड-8, कनीना के वार्ड-14 और साढ़ौरा के वार्ड-9 में उपचुनाव भी इसी दिन होंगे। मेयर व चेयरमैन का चुनाव सीधे होगा। 21 से 25 अप्रैल तक नामांकन भरे जा सकेंगे, जांच 27 को और नामांकन वापसी की अंतिम तिथि 28 अप्रैल है। पहली बार होगा जब नोटा का बटन तो होगा लेकिन इससे चुनाव नतीजों पर असर नहीं पड़ेगा।

वोटिंग ईवीएम से होगी, लेकिन वीवीपैट का इस्तेमाल नहीं होगा। चुनाव ड्यूटी देने वाले कर्मचारियों को अब केंद्रीय चुनाव आयोग के तय दरों के बराबर मानदेय मिलेगा। चुनाव आयुक्त के मुताबिक पानीपत और करनाल जिला परिषद के 1-1 वार्ड, 12 ब्लॉक समिति सदस्यों, 29 सरपंच, 485 पंच पदों के लिए वोटिंग भी 10 मई को होगी। उसी दिन वोटों की गिनती करके नतीजे घोषित हो जाएंगे।

ग्रेनेड हमले के छह आरोपी गिरफ्तार, दो पिस्तौल बरामद

अमृतसर (एजेंसी)।

पंजाब में अमृतसर ग्रामीण पुलिस और फरीदकोट पुलिस के संयुक्त अभियान में पुलिस थाना भिंडी सैदा पर हुए ग्रेनेड हमले के छह आरोपियों को दो पिस्तौल के साथ गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने सोमवार को बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि इस मॉड्यूल को पाकिस्तान की आईएसआई का समर्थन प्राप्त था। आरोपी विदेश से सक्रिय एक पाकिस्तान स्थित हैंडलर के संपर्क में थे, जो पंजाब में आतंकी गतिविधियों का संचालन कर रहा था। डीजीपी यादव ने कहा कि 29-30 मार्च, 2026 की मध्यरात्रि को, आरोपियों ने हैंड ग्रेनेड प्राप्त किए, रेकी की और हमले को अंजाम दिया। उन्होंने कहा कि इस मॉड्यूल को कट्टरपंथी बनाया गया था और पुलिस प्रतिष्ठानों को निशाना बनाने के लिए प्रेरित किया गया था। हमले को अंजाम देने के बदले उन्हें भारी वित्तीय पुरस्कार देने का वादा किया गया था। डीजीपी ने कहा कि इस संबंध में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम , यूएपीए , भारतीय न्याय संहिता और शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। नेटवर्क के आगे-पीछे के संबंधों को स्थापित करने और पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए आगे की जांच जारी है।

डंपर और ईको कार की टक्कर, नौ लोगों की मौत

कल्याण (एजेंसी)। महाराष्ट्र के कल्याण में डंपर और ईको कार की टक्कर में 9 लोगों की मौत हो गई। दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। ठाणे के पुलिस अधीक्षक (एसपी) डीएस स्वामी ने घटना की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार, कल्याण में दुर्घटना कल्याण-मुरबाड मार्ग पर रायता पुल के पास सुबह करीब 11 बजे हुई। ईको कार में कुल 12 लोग सवार थे। यह कार मुरबाड़ जा रही थी। हालांकि, कल्याण के नजदीक रायता पुल के पास कार डंपर से भिड़ गई। हादसा इतना भयंकर था कि ईको कार के परखच्चे उड़ गए। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। स्थानीय लोगों और राहगीरों की भीड़ भी जुट गई। आनन-फानन पुलिस को घटना की सूचना दी गई। टिटवाला पुलिस और राहत बचाव दल मौके पर पहुंचकर स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल भेजा। वहीं, कार से शवों को बाहर निकाला गया। पुलिस ने बताया कि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

आबकारी नीति मामला:

जज को सुनवाई से हटाने की मांग केजरीवाल ने खुद रखी दलीलें

नई दिल्ली (एजेंसी)।

आबकारी नीति मामले में सोमवार को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली हाईकोर्ट में खुद अपनी दलीलें पेश की। इस दौरान उन्होंने याचिका दायर कर मांग की कि इस मामले में निचली अदालत के फैसले के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर सुनवाई से जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा को अलग (रिक्यूजल) किया जाए। केजरीवाल सहित अन्य की याचिका पर सुनवाई के बाद दिल्ली हाई कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया। सीबीआई की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता पेश हुए। वहीं दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया की तरफ से सीनियर वकील संजय हेगड़े ने दलील रखी। केजरीवाल ने अपनी दलील में कहा कि एक पुरानी परंपरा है कि जज के निकट सम्बन्धी अगर राजनीतिक पार्टी/सत्तारूढ़ पार्टी से जुड़े हों तो जज सुनवाई से अलग हो जाते हैं। हालांकि एसजी तुषार मेहता ने केजरीवाल की रिक्यूजल की याचिका खारिज करने की मांग की।

देश के दो बड़े मुद्दे सुप्रीम कोर्ट की चौखट पर

'औसत लागत प्लस 50% पर तय हो फसलों का एमएसपी'

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट में फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को लेकर एक अहम याचिका पर सुनवाई हुई। याचिका में मांग की गई है कि किसानों को उनकी फसल का उचित और वाजिब दाम मिले और एमएसपी तय करते समय खेती की पूरी असली लागत को ध्यान में रखा जाए। कोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए केन्द्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। याचिका में यह भी कहा गया कि जो किसान अपनी फसल एमएसपी पर बेचना चाहते हैं, सरकार उनकी पूरी उपज खरीदे। इसके साथ ही हर गांव, ब्लॉक, तहसील और जिले में पर्याप्त सरकारी खरीद केन्द्र बनाए जाने की मांग की गई है।

'मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं का बायोमैट्रिक पहचान सत्यापन हो'

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को केंद्र सरकार, भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) और सभी राज्यों को एक जनहित याचिका (पीआईएल) पर नोटिस जारी किया। इस याचिका में चुनावी धांधलियों को रोकने के लिए मतदान केन्द्रों पर मतदाताओं की फिंगरप्रिंट और आइरिस-आधारित बायोमेट्रिक पहचान लागू करने की मांग की गई है। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय की ओर से दायर याचिका की सुनवाई करते हुए यह नोटिस जारी किया। पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि याचिका में की गई मांग पर कुछ राज्यों में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों के लिए विचार नहीं किया जा सकता है।

चिंताजनक 2025 में दुनिया भर में 11.7 करोड़ से अधिक लोग हुए थे विस्थापित

पश्चिम एशिया संकट से दुनिया में रोजगार संकट का खतरा: विश्व बैंक प्रमुख

नई दिल्ली/ वाशिंगटन (एजेंसी)।

विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने आगाह किया है कि पश्चिम एशिया का संकट लम्बा खिंचा तो वैश्विक स्तर पर रोजगार संकट पैदा हो सकता है। उन्होंने कहा है कि स्थिति को संभालने के लिए विकास बैंकों और निजी निवेशकों के साथ मिलकर तात्कालिक आर्थिक दबावों और दीर्घकालिक संरचनात्मक कमियों- दोनों को दूर करने के लिए प्रयास करना आवश्यक होगा।

बंगा ने पश्चिम एशिया में लंबे समय से चल रहे संकट के बारे में एक

बातचीत में कहा कि इस संकट के कारण, आने वाले समय में दसियों करोड़ों लोग रोजगार के अवसरों के अभाव में रह सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगले 10 से 15 वर्षों में विकासशील देशों में लगभग 1.2 अरब लोग काम करने की उम्र में प्रवेश करेंगे। लेकिन मौजूदा आर्थिक रुझानों से केवल लगभग 40 करोड़ रोजगार ही पैदा होंगे, जिससे लगभग 80 करोड़ रोजगारों की कमी रह जाएगी।

विश्व बैंक प्रमुख ने कहा कि दुनिया भर की सरकारों को तात्कालिक संकटों और दीर्घकालिक प्राथमिकताओं के बीच संतुलन बनाना होगा, जिसमें रोजगार सृजन, स्वच्छ पानी की उपलब्धता और विद्युतीकरण शामिल हैं। उन्होंने कहा कि हमें एक ही समय में कई काम करने होंगे। मौजूदा माहौल एक तेज गति वाला चक्र है, जिस पर भू-राजनीतिक झटकों का दबदबा है। बंगा ने चेतावनी दी कि रोजगार की कमी को दूर करने में विफलता से अवैध प्रवासन और अस्थिरता बढ़ सकती है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र के उन अनुमानों का हवाला दिया, जिनसे पता चलता है कि 2025 में दुनिया भर में 11.7 करोड़ से अधिक लोग विस्थापित हुए थे।

उन्होंने कुछ बुनियादी मान्यताओं पर आधारित अनुमान के हवाले से कहा कि यदि युद्ध जल्दी समाप्त हो जाता है, तो वैश्विक वृद्धि दर प्रतिशत 0.3 से 0.4 अंक तक कम हो सकती है; और यदि युद्ध लंबा चलता है, तो यह एक प्रतिशत अंक तक कम हो सकती है।

आशा भोसले पंचतत्व में विलीन

स्मृति में मुंबई में बनेगी विश्व स्तरीय संगीत अकादमी

- अंतिम संस्कार में हर किसी की आंखें नम
- बेटे आनंद भोसले ने दी मुखाग्नि

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय संगीत की दुनिया में राज कर चुकीं आशा भोसले पंचतत्व में विलीन हो गईं। मुंबई के शिवाजी पार्क में राजकीय सम्मान के साथ उन्हें आखिरी विदाई दी गई।

आशा भोसले के परिवार, फिल्मी हस्तियां और उन्हें चाहने वाले उनके अपनों ने सोमवार को नम आंखों से उन्हें श्रद्धांजलि दी। बेटे आनंद भोसले ने उन्हें मुखाग्नि दी। संगीत जगत की दिग्गज सिंगर आशा भोसले का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया, जिन्हें लोग प्यार से 'आशा ताई' भी कहते थे। उनके निधन से न केवल मनोरंजन जगत में बल्कि

पूरे देश में शोक की लहर दौड़ गई। जिन्हें लोग अब तक अपने सामने गाते हुए देखा करते थे, अब वो यादें बनकर रह जाएंगी।

बॉलीवुड से कई हस्तियां आशा को अंतिम विदाई देने के लिए पहुंची, जिनमें तब्बू से लेकर आशा पारेख, सचिन तेंडुलकर, रितेश देशमुख, शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे, उनकी पत्नी रश्मी ठाकरे और नेता आदित्य ठाकरे, महाराष्ट्र के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा, भारतीय गायक और संगीतकार लेस्ली पीटर लुईस, और भारतीय संगीतकार उत्तम सिंह पहुंचे थे।

नारी शक्ति वंदन -महिलाएं अब निर्णय लेने की प्रक्रिया का मुख्य हिस्सा: मुख्यमंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मौजूदगी में सोमवार को विज्ञान भवन में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी शामिल हुईं। उन्होंने कहा कि 'नारी शक्ति वंदन सम्मेलन' नारी के बढ़ते आत्मविश्वास, सामर्थ्य और राष्ट्र निर्माण में उनकी निर्णायक भूमिका को दर्शाता है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि देश की तरक्की, विकास और दुनिया में भारत की पहचान बनाने में महिलाओं की अहम भूमिका है। उन्होंने महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए बनाई गई दूरदर्शी नीतियों के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत किया और उनका धन्यवाद भी किया।

मुख्यमंत्री ने भारतीय महिलाओं के ऐतिहासिक संघर्ष को रेखांकित करते हुए कहा कि सती प्रथा, बाल विवाह, अशिक्षा और कन्या भ्रूण हत्या जैसी गंभीर सामाजिक चुनौतियों को पार कर आज की नारी ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। एक दौर था जब बेटियों के अस्तित्व पर संकट था, लेकिन आज प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' से कहीं आगे बढ़कर 'बेटी बढ़ाओ' के युग में प्रवेश कर चुका है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने वर्ष 2014 के बाद आए बदलावों पर चर्चा करते हुए कहा कि सरकार की हर योजना के केंद्र में महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा को रखा गया है। उन्होंने स्वच्छ भारत अभियान के तहत बने शौचालयों, उज्ज्वला योजना से मिली धुआं-मुक्त रसोई और जनधन खातों के जरिए मिली आर्थिक स्वतंत्रता को महिला गरिमा के लिए मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा कि आज देश की बेटियां न केवल शिक्षा और पोषण में आगे हैं, बल्कि सेना में फाइटर जेट उड़ाकर देश की सीमाओं की रक्षा भी कर रही हैं।

मुख्यमंत्री ने स्वर्गीय सुषमा स्वराज और निर्मला सीतारमण जैसे उदाहरण देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने महिलाओं को विदेश और वित्त मंत्रालय जैसे महत्वपूर्ण दायित्व सौंपकर यह सिद्ध कर दिया है कि साहस और निर्णय क्षमता किसी एक लिंग तक सीमित नहीं है। उन्होंने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को ऐतिहासिक बताते हुए ने कहा कि विधानसभा और संसद में 33 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान केवल विधायी सुधार नहीं, बल्कि निर्णय लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने वाला कदम है। यह देश की लगभग 70 करोड़ महिलाओं के लिए सशक्त नेतृत्व का मार्ग प्रशस्त करेगा।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं से इस ऐतिहासिक पहल का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने आह्वान किया कि सभी महिलाएं 9667173333 पर मिस्ड कॉल देकर इस अभियान का हिस्सा बनें और 'वूमेन-लेड डेवलपमेंट' (महिला नेतृत्व वाले विकास) के संकल्प को मजबूत करें।

इस अवसर पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर, राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष विजया किशोर रहाटकर सहित देश भर से आई नारी शक्ति उपस्थित थीं।

उल्लेखनीय है कि सितंबर 2023 में संसद ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पारित किया था, जिसमें संसद और विधानमंडलों में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटों के आरक्षण का प्रावधान किया गया है। अब इसके प्रभावी कार्यान्वयन की दिशा में कदम बढ़ाए जा रहे हैं।

दिल्ली की बिंदापुर पुलिस की बड़ी कामयाबी, बाइक समेत 2 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के द्वारका जिले के बिंदापुर इलाके में पुलिस की मुस्तैदी से एक स्नैचिंग केस का खुलासा हुआ है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से छीनी गई सोने की चेन का आधा हिस्सा और वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद की गई है। पूरा मामला 28 मार्च 2026 का है। दोपहर के समय ध्वनि शर्मा नाम की लड़की स्कूल से घर लौट रही थी। जैसे ही वह उत्तम नगर वेस्ट मेट्रो स्टेशन के पास पहुंची, पीछे से बाइक पर सवार दो लड़के आए। दोनों ने हेलमेट पहन रखा था, जिससे उनकी पहचान करना मुश्किल हो गया। उन्होंने झपट्टा मारकर उसकी सोने की चेन छीन ली। छीना-झपटी के दौरान चेन टूट गई, जिसका आधा हिस्सा ध्वनि के पास रह गया और बाकी आधा आरोपी लेकर फरार हो गए। पीड़िता की शिकायत पर बिंदापुर थाने में मामला दर्ज किया गया। इसके बाद पुलिस हरकत में आई और एक विशेष टीम बनाई गई। टीम ने सबसे पहले घटनास्थल का दौरा किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को एक एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल नजर आई, जिस पर दो संदिग्ध सवार थे। इसके बाद पुलिस ने उस बाइक का पीछा करने के लिए अलग-अलग जगहों के करीब 250 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। लगातार ट्रैकिंग के बाद पुलिस ने बाइक के मालिक की पहचान कर ली। आखिरकार पुलिस ने आरोपी को पकड़ लिया, जिसकी पहचान चंदन के रूप में हुई। पूछताछ में चंदन ने बताया कि इस वारदात में उसका साला रोहन सेठ भी शामिल था। उसने यह भी खुलासा किया कि छीनी गई सोने की चेन का हिस्सा रोहन के पास है। चंदन की निशानदेही पर पुलिस ने रोहन के घर पर छापा मारा, जहां से सोने की चेन का आधा हिस्सा बरामद कर लिया गया। इसके साथ ही वारदात में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल भी जब्त कर ली गई। पूछताछ के दौरान दोनों आरोपियों ने बताया कि वे बेरोजगार थे और घर के खर्च चलाने और कर्ज चुकाने के लिए उन्होंने इस तरह की वारदात को अंजाम दिया। हालांकि, पुलिस का कहना है कि मामले की जांच अभी जारी है और यह भी पता लगाया जा रहा है कि क्या ये दोनों पहले भी किसी अपराध में शामिल रहे हैं।

दिल्ली पुलिस और भाऊ गैंग के बदमाशों में मुठभेड़, दो शूटरों के पैर में लगी गोली

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के बाप्रोला इलाके में पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई है, जिसमें भाऊ गैंग के दो शूटर दीपक और अतुल को पैर में गोली लगने के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल, पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल को सूचना मिली थी कि कुख्यात भाऊ गैंग के कुछ शूटर इलाके में मौजूद हैं और किसी बड़ी वारदात की फिराक में हैं। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने इलाके में घेराबंदी की और जैसे ही संदिग्धों को पकड़ने की कोशिश की गई, उन्होंने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में पुलिस ने भी कार्रवाई की और दोनों तरफ से गोलीबारी हुई। इस मुठभेड़ में भाऊ गैंग के दो शूटर दीपक और अतुल को गोली लग गई, जिसके बाद उन्हें काबू में कर लिया गया और गिरफ्तार कर लिया गया। दोनों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी अतुल गुरुग्राम के एक शोरूम में हुई फायरिंग की घटना में शामिल था। वहीं दूसरा आरोपी दीपक दिल्ली पुलिस के एक रिटायर्ड सब-इंस्पेक्टर की हत्या जैसे गंभीर मामले में वांछित था। दोनों लंबे समय से पुलिस की रडार पर थे। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है और उनके नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। वहीं, दिल्ली के साउथ वेस्ट जिले के सागरपुर इलाके में पुलिस ने मोबाइल चोरी करने वाले एक गिरोह का भी भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस कार्रवाई में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक चोरी करने वाला और दूसरा चोरी का सामान खरीदकर उसे आगे बेचने वाला शामिल है। पुलिस ने इनके पास से चोरी के 15 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, एक टैबलेट और मोबाइल के कई पार्ट्स बरामद किए हैं। इस कार्रवाई से इलाके में दर्ज मोबाइल चोरी के चार मामलों का भी खुलासा हो गया है। पुलिस के अनुसार, इलाके में लगातार बढ़ रही मोबाइल चोरी की घटनाओं को देखते हुए एक विशेष टीम बनाई गई थी। इस टीम ने शिकायतों के आधार पर जांच शुरू की और संदिग्धों पर नजर रखी। इसी दौरान 10 अप्रैल को टीम ने दुर्गा पार्क और नगरवन पार्क इलाके में छापेमारी की और एक संदिग्ध युवक आयुष उर्फ निक्कू को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से चोरी के दो मोबाइल फोन बरामद हुए। पूछताछ में आयुष ने बताया कि वह मोबाइल फोन चोरी करता था और फिर उन्हें अपने साथी अभिषेक को बेच देता था। इसके बाद पुलिस ने अभिषेक को भी गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 13 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, एक टैबलेट, एक चार्जर और कई मोबाइल के टूटे-फूटे पार्ट्स बरामद किए गए। जांच में सामने आया कि अभिषेक चोरी के मोबाइल फोन को खोलकर उनके पार्ट्स अलग-अलग कर देता था ताकि उन्हें ट्रैक करना मुश्किल हो जाए और फिर वह इन पार्ट्स को आगे एक व्यक्ति खालिद को बेच देता था।

दिल्ली की विरासत को बढ़ावा देने के लिए डीडीए आज से विरासत सप्ताह की गतिविधियों का करेगा शुभारंभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के सहयोग से राजधानी की विरासत को बढ़ावा देने के लिए सोमवार को विरासत सप्ताह कार्यक्रम का शुभारंभ हो गया है। एक अधिकारी ने एक बयान में कहा कि सोमवार से शनिवार (13 से 18 अप्रैल) तक चलने वाली इस पहल का उद्देश्य लोगों विशेष रूप से युवाओं को दिल्ली की कला और संस्कृति से जुड़ने में मदद करना है और इसमें महरौली क्षेत्र में संरक्षण प्रयासों की एक प्रदर्शनी/दस्तावेजीकरण भी शामिल होगा। डीडीए के उपाध्यक्ष एन. सरवाना कुमार ने कहा, 'दिल्ली की विरासत एक जीवंत धरोहर है जो शहर के भविष्य के केंद्र में बनी रहनी चाहिए। हेरिटेज वीक के माध्यम से डीडीए इन अमूल्य ऐतिहासिक स्थलों के साथ जनता, विशेष रूप से युवाओं के जुड़ाव को मजबूत करना चाहता है।' उन्होंने कहा, 'हमारा निरंतर ध्यान इस बात पर है कि विरासत संरक्षण, पारिस्थितिक बहाली और सार्वजनिक स्थल निर्माण दिल्ली के संतुलित और टिकाऊ शहरी विकास के अभिन्न तत्वों के रूप में एक साथ आगे बढ़ें।' डीडीए द्वारा जारी बयान में कहा गया है कि हेरिटेज वीक के माध्यम से दिल्ली की विरासत संपत्तियों के प्रति जन जागरूकता और गौरव को गहरा करना, सामुदायिक भागीदारी और युवा सहभागिता को प्रोत्साहित करना और विरासत संरक्षण और शहरी पारिस्थितिकी में अपने निरंतर प्रयासों को प्रदर्शित करना चाहता है। इसका व्यापक उद्देश्य सभी आयु वर्ग के लोगों को शहर की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पहचान को महत्व देने, उसका अनुभव करने और उसे संरक्षित करने में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करना है। एक बयान में कहा गया है कि सप्ताह भर चलने वाली इस पहल में छात्र सहभागिता गतिविधियां, एक फोटोग्राफी प्रतियोगिता, एक छात्र संवाद प्रतियोगिता, एक रेखाचित्र और चित्रकारी प्रतियोगिता, एक कहानी लेखन गतिविधि, प्रदर्शनियां और एक सांस्कृतिक रात्रि कार्यक्रम शामिल हैं। कार्यक्रम से पहले की तैयारियों के तहत, डीडीए ने बीआर अंबेडकर विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ हेरिटेज रिसर्च एंड मैनेजमेंट (एसएचआरएम) के सहयोग से हेरिटेज वॉक का आयोजन भी किया गया।

दिल्ली विधानसभा को फिर मिली बम की धमकी, साइनाइड गैस और आरडीएक्स का दावा; सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा को एक बार फिर धमकी भरा ईमेल मिलने से हड़कंप मच गया है। मेल में दावा किया गया है कि तीन घंटे के भीतर विधानसभा परिसर में साइनाइड गैस से भरे 15 आरडीएक्स बम धमाके किए जाएंगे। इस धमकी के बाद सुरक्षा एजेंसियां तुरंत अलर्ट हो गईं। ईमेल में बेहद आपत्तिजनक और भड़काऊ बातें भी लिखी गई हैं। इसमें कहा गया कि सभी मुस्लिम कर्मचारियों को तुरंत परिसर से हटा लिया जाए। साथ ही ईमेल में यह भी लिखा था, 'किसी भी ब्राह्मण को डीएमके में शामिल नहीं होना चाहिए।' मेल में एसवी शेखर का नाम लेते हुए दावा किया गया कि उसके डीएमके में शामिल होने के कारण विधानसभा को निशाना बनाया जाएगा और उन्हें 'भाजपा ब्राह्मण एजेंट' बताया गया। इससे पहले 25 मार्च को भी विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। उस समय विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने सदन में जानकारी दी थी कि स्पीकर कार्यालय को एक ईमेल मिला था।

डिजिटल दौर की नई ताकत: जेन अल्फा बदल रही उपभोक्ता बाजार की तस्वीर, घर के फैसलों में बढ़ी भागीदारी

अरणि गौड़
नई दिल्ली (शिखर समाचार)। देश में उभरती नई पीढ़ी जेन अल्फा अब केवल दर्शक नहीं रही, बल्कि उपभोक्ता बाजार की दिशा तय करने वाली एक मजबूत शक्ति बनकर उभर रही है। रुकम कैपिटल द्वारा जारी विस्तृत रिपोर्ट जेन अल्फा डिकोडेड: द कंज्यूमर-ब्रांड डायनेमिक में यह तथ्य सामने आया है कि यह पीढ़ी कम उम्र में ही ब्रांड, तकनीक और उपभोग के प्रति जागरूक होकर परिवार के खरीद निर्णयों को प्रभावित कर रही है।

रिपोर्ट के अनुसार जेन अल्फा भारत की कुल आबादी का एक बड़ा हिस्सा है और यह पूरी तरह डिजिटल माहौल में पली-बढ़ी पहली पीढ़ी है। 73 प्रतिशत बच्चों के पास व्यक्तिगत स्मार्टफोन है, जबकि 60 प्रतिशत के पास लैपटॉप की पहुंच है। इसके चलते यह पीढ़ी न केवल तकनीक के माध्यम से जानकारी प्राप्त कर रही है, बल्कि अपनी पसंद और पहचान भी विकसित कर रही है।

घर के फैसलों में छोटे लेकिन प्रभावशाली खिलाड़ी

रिपोर्ट बताती है कि जेन अल्फा के बच्चे अब परिवार के भीतर एक प्रभावशाली निर्णयकर्ता के रूप में उभर रहे हैं। करीब 66 प्रतिशत बच्चे रोजमर्रा के फैसलों जैसे खानपान, कपड़े, मनोरंजन और घूमने फिरने को प्रभावित करते हैं, जबकि लगभग 50 प्रतिशत बच्चे किसी विशेष ब्रांड की मांग करते हैं। अर्चना जहागीरदार के अनुसार आने वाले समय में यह पीढ़ी 80 प्रतिशत तक घरेलू खरीद निर्णयों को प्रभावित कर सकती है। डिजिटल रूप से सक्षम होने के कारण यह पीढ़ी सोशल मीडिया, एल्गोरिद्म और ट्रेंड्स के प्रभाव में अपने निर्णय लेती है।

कम उम्र में विकसित हो रही आर्थिक समझ

रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि जेन अल्फा के बच्चों में आर्थिक समझ तेजी से विकसित हो रही है। करीब 70 प्रतिशत बच्चे पैसे कमाने में रुचि रखते हैं, 31 प्रतिशत अपनी जेब खर्च से बचत करते हैं, 25 प्रतिशत खर्च करने से पहले माता-पिता से सलाह लेते हैं, जबकि 14 प्रतिशत बच्चे डिजिटल खरीदारी जैसे खेल और सदस्यता सेवाएं करते हैं।

ये आंकड़े संकेत देते हैं कि यह पीढ़ी कमाई और खर्च के साथ साथ बचत का संतुलन भी सीख रही है।

ब्रांड, फीचर्स और सोशल मीडिया का असर

जेन अल्फा के उपभोग व्यवहार में कई कारक अहम भूमिका निभा रहे हैं।

करीब 34 प्रतिशत बच्चे उत्पाद के फीचर्स और उपयोगिता को प्राथमिकता देते हैं, उतने ही बच्चे शैक्षिक महत्व को भी अहम मानते हैं। 37 प्रतिशत बच्चे सोशल मीडिया ट्रेंड्स और प्रभावशाली व्यक्तियों से प्रभावित होते हैं, जबकि 31 प्रतिशत पर्यावरणीय प्रभाव को ध्यान में रखते हैं।

इससे स्पष्ट है कि यह पीढ़ी केवल फैशन नहीं, बल्कि जानकारी और जागरूकता के आधार पर भी निर्णय ले रही है।

सजग और सामाजिक रूप से जागरूक उपभोक्ता

जेन अल्फा केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि सामाजिक रूप से जागरूक नागरिक के रूप में भी सामने आ रही है।

करीब 55 प्रतिशत बच्चे दूसरों की मदद को महत्वपूर्ण मानते हैं, 54 प्रतिशत स्वस्थ जीवनशैली को प्राथमिकता देते हैं, 49 प्रतिशत डिजिटल सुरक्षा को लेकर सजग हैं और 48 प्रतिशत विविधता व समानता के मुद्दों को महत्व देते हैं। यह रुझान बताता है कि आने वाला उपभोक्ता वर्ग सामाजिक जिम्मेदारियों को भी प्राथमिकता देगा।

डिजिटल दुनिया में यूट्यूब का दबदबा

डिजिटल खपत के मामले में यूट्यूब सबसे आगे है। 82 प्रतिशत बच्चे नियमित रूप से यूट्यूब देखते हैं, 71 प्रतिशत साप्ताहिक उपयोग करते हैं, जबकि 61 प्रतिशत बच्चे यूट्यूब किड्स जैसे सुरक्षित मंच को पसंद करते हैं।

ओटीटी मंचों में डिज्नी प्लस हॉटस्टार बच्चों के बीच सबसे लोकप्रिय बना हुआ है।

कूल होने का नया पैमाना

रिपोर्ट के अनुसार, जेन अल्फा के लिए कूल होने का मतलब केवल फैशन नहीं, बल्कि उपलब्धियों से है।

करीब 29 प्रतिशत बच्चे पढ़ाई में सफलता को कूल मानते हैं, जबकि 27 प्रतिशत खेल और अन्य गतिविधियों में उत्कृष्टता को महत्व देते हैं।

खानपान और मनोरंजन के क्षेत्र में भी संतुलित रुझान देखने को मिलता है, जहां कुछ बच्चे स्वास्थ्यवर्धक भोजन पसंद करते हैं तो कुछ फास्ट फूड की ओर आकर्षित होते हैं।

सर्वे का आधार

यह अध्ययन यूगव के सहयोग से 2000 से अधिक प्रतिभागियों पर आधारित है, जिसमें बच्चों और अभिभावकों दोनों के विचार शामिल किए गए हैं।

कुल मिलाकर, जेन अल्फा तेजी से बदलते डिजिटल दौर में न केवल उपभोक्ता बाजार की दिशा तय कर रही है, बल्कि भविष्य के सामाजिक और आर्थिक व्यवहार की नई नींव भी रख रही है।

दिल्ली में ब्रिगेडियर और बेटे पर हमला, शराब पीने से रोकने पर शुरू हुआ था विवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिणी दिल्ली के वसंत एन्क्लेव इलाके में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां भारतीय सेना के ब्रिगेडियर और उनके बेटे के साथ मारपीट की गई। इतना ही नहीं, उन्हें इस मामले में एफआईआर दर्ज कराने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। यह घटना 11 अप्रैल की रात करीब 10 बजे की बताई जा रही है, जब ब्रिगेडियर अपने बेटे के साथ खाना खाने के बाद टहलने के लिए घर से निकले थे। आईएएनएस से बात करते हुए ब्रिगेडियर ने बताया कि जैसे ही वे अपने घर के बाहर पहुंचे, उन्होंने देखा कि एक कार में बैठे दो लोग खुलेआम शराब पी रहे थे। उन्होंने इसका विरोध किया, जिस पर दोनों पक्षों के बीच बहस शुरू हो गई। मामला बढ़ता देख ब्रिगेडियर ने तुरंत पुलिस को कॉल किया और पीसीआर वैन को बुलाया। पुलिस के पहुंचने में करीब 20 मिनट लग गए। इस दौरान हालात और बिगड़ गए। कार में बैठे लोगों ने अपने कुछ साथियों को मौके पर बुला लिया। थोड़ी ही देर में 7-8 लोग वहां पहुंच गए और उन्होंने ब्रिगेडियर के बेटे के साथ मारपीट शुरू कर दी। जब ब्रिगेडियर ने बीच-बचाव करने की कोशिश की, तो उनके साथ भी धक्का-मुक्की और बदसलूकी की गई। इस पूरी घटना में दोनों को चोटें आईं। ब्रिगेडियर ने बताया कि इसके बाद वे वसंत विहार थाने पहुंचे, लेकिन वहां उन्हें उम्मीद के मुताबिक मदद नहीं मिली। पुलिस ने उनसे मेडिकल लीगल सर्टिफिकेट (एमएलसी) लाने को कहा, लेकिन कोई भी पुलिसकर्मी उनके साथ अस्पताल नहीं गया। मजबूर होकर उन्हें खुद ही आरआर अस्पताल जाना पड़ा, जहां उन्होंने अपना एमएलसी बनवाया। हैरानी की बात यह रही कि इसके बाद भी पुलिस ने तुरंत एफआईआर दर्ज नहीं की और सिर्फ एक जनरल डायरी में एंट्री कर ली। इस मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। भारतीय सेना ने इस घटना को गंभीरता से लिया है और ब्रिगेडियर की मदद के लिए कदम उठाए हैं। मिलिट्री पुलिस की एक टीम को उनकी सहायता के लिए लगाया गया है और दिल्ली पुलिस से इस मामले में उचित जांच और कार्रवाई करने को कहा गया है। इस घटना पर सेना के अधिकारी कर्नल दानवीर सिंह ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर चिंता जताई। उन्होंने लिखा कि एक सेवा में तैनात अधिकारी, जो देश के लिए कई बार जोखिम उठा चुका है, उसे अपने ही शहर में इस तरह की स्थिति का सामना करना पड़ा, यह बेहद चिंताजनक है। उन्होंने बताया कि ब्रिगेडियर पहले कश्मीर और एलओसी जैसे संवेदनशील इलाकों में ऑपरेशन का हिस्सा रह चुके हैं, लेकिन शायद उन्होंने कभी नहीं सोचा होगा कि एक दिन उन्हें अपने ही समाज में इस तरह की हिंसा झेलनी पड़ेगी। कर्नल ने यह भी आरोप लगाया कि जब यह सब हो रहा था, तब पुलिस मौके पर मौजूद थी, लेकिन उसने कोई ठोस कार्रवाई नहीं की। काफी प्रयासों के बाद आखिरकार इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है, जिससे कुछ उम्मीद जगी है कि आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

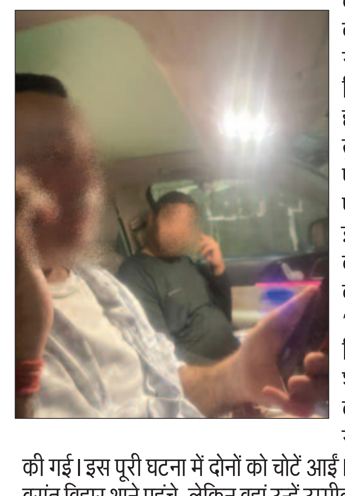

डीएवी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गांधी नगर में बैसाखी व डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती पर आयोजन

गांधीनगर/दिल्ली (शिखर समाचार)। डीएवी वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय क्रमांक 1 गांधी नगर दिल्ली में बैसाखी पर्व एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में भव्य कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय प्रांगण में बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ किया गया। कार्यक्रम का आयोजन हिंदू शिक्षा समिति द्वारा संचालित एवं विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से संबद्ध विद्यालय में किया गया, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं गणमान्य अतिथियों की सक्रिय सहभागिता रही।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरदार इंद्रजीत सिंह (जिला संचालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, गांधी नगर) उपस्थित रहे। उनके साथ रामकरण (उपाध्यक्ष, सेवा भारती पूर्वी विभाग), विद्यालय अध्यक्ष नरेश शर्मा तथा प्रबंधक गिरजेश रस्तोगी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिससे पूरे वातावरण में गरिमा और उत्साह का संचार हुआ।

कार्यक्रम के दौरान रामकरण ने अपने संबोधन में डॉ. भीमराव अंबेडकर के जीवन संघर्ष, शिक्षा के प्रति उनके समर्पण और सामाजिक न्याय के लिए किए गए उनके प्रयासों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि विपरीत परिस्थितियों और सामाजिक भेदभाव के बावजूद अंबेडकर ने उच्च शिक्षा प्राप्त कर देश को एक सशक्त संविधान दिया। उन्होंने शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो के संदेश को विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक बताया और सामाजिक समानता के महत्व को रेखांकित किया।

इसके उपरांत आचार्य नरेश चौहान द्वारा प्रेरणादायक गीत हो जाओ तैयार साथियोंङ्गप्रस्तुत किया गया, जिसने कार्यक्रम में जोश और ऊर्जा का संचार किया। मुख्य अतिथि सरदार इंद्रजीत सिंह ने बैसाखी पर्व के धार्मिक, ऐतिहासिक और कृषि महत्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि बैसाखी रबी फसल के पकने की खुशी का प्रतीक होने के साथ साथ सिख धर्म में अत्यंत पवित्र पर्व है। वर्ष 1699 में गुरु गोविंद सिंह द्वारा खालसा पंथ की स्थापना इसी दिन की गई थी, जो साहस, सेवा और एकता का प्रतीक है। उन्होंने अपने छात्र जीवन की स्मृतियां साझा करते हुए विद्यालय से जुड़ाव पर गर्व व्यक्त किया।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दिल्ली प्रांत के सह बौद्धिक प्रमुख सतीश शर्मा ने जलियांवाला बाग हत्याकांड की ऐतिहासिक घटना का उल्लेख करते हुए विद्यार्थियों को देशभक्ति और बलिदान की भावना से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि यह घटना भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का महत्वपूर्ण मोड़ थी, जिसने देशवासियों में आजादी की लौ को और प्रज्वलित किया।

विद्यालय के प्रबंधक गिरजेश कुमार रस्तोगी ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को संस्कारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करते हुए राष्ट्र के प्रति समर्पण की भावना विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने डॉ. अंबेडकर के जीवन से प्रेरणा लेने और उनके आदर्शों को आत्मसात करने की बात कही। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य लखीराम द्वारा सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया गया। मंच संचालन आचार्य गजराज द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया।

समग्र रूप से यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं संस्कारपूर्ण रहा, जिसमें उन्हें अपने इतिहास, संस्कृति और महान विभूतियों के जीवन से सीखने का अवसर प्राप्त हुआ।

नाबार्ड की राज्य ऋण संगोष्ठी में स्वदेशी उत्पाद, पारंपरिक कला और सहकारिता को बढ़ावा देने पर जोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय में आयोजित ÷दिल्ली राज्य प्रथम ऋण संगोष्ठी÷ में सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। संगोष्ठी में स्वदेशी उत्पाद, पारंपरिक कला और सहकारिता को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। संगोष्ठी में विभिन्न विभागों के अधिकारी, विशेषज्ञ एवं हितधारक उपस्थित रहे।

संगोष्ठी के दौरान राज्य फोकस पेपर 2026-27 का विमोचन, जीआई पंजीकरण को चयनित उत्पादों के लिए स्वीकृति पत्र वितरण, कारीगरों के उत्पादों के डिजिटल कैटलॉग का शुभारंभ तथा वित्तीय साक्षरता एवं कौशल विकास से संबंधित विभिन्न पहलों की प्रस्तुति दी गई।

इस अवसर पर सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने कहा कि भारत में उपलब्ध कच्चा माल और हमारे उत्पाद विश्व स्तर के हैं। सरकार निरंतर प्रयास कर रही है कि उचित मार्केटिंग, ब्रांडिंग और प्लेटफॉर्म के माध्यम से इन उत्पादों को वह पहचान दिलाई जाए, जिसके वे हकदार हैं।

उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि जो कपड़ा हमारे देश में सामान्य रूप से उपलब्ध है, वही विदेशों में 'लिनन' के रूप में ऊंचे दामों पर बेचा जाता है। यह दर्शाता है कि प्रभावी ब्रांडिंग और प्रस्तुति के माध्यम से हमारे उत्पादों की वैश्विक पहचान और मूल्य दोनों को बढ़ाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि सरकार स्वदेशी उत्पादों को सही मंच, व्यापक प्रचार और सशक्त ब्रांडिंग उपलब्ध कराने के लिए निरंतर कार्य कर रही है, जिससे वे वैश्विक स्तर पर अपनी अलग पहचान स्थापित कर सकें। साथ ही, सरकार द्वारा उत्पादों के उचित मूल्यांकन और प्रभावी मार्केटिंग को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न पहलें की जा रही हैं ताकि देश के कारीगरों और उत्पादकों को उनका उचित सम्मान और सशक्त बाजार उपलब्ध हो सके।

रविन्द्र इन्द्राज ने कहा कि भारत की पारंपरिक अर्थव्यवस्था सहयोग और विनिमय पर आधारित रही है और हमारी सांस्कृतिक विरासत अत्यंत समृद्ध है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि समय के साथ कई पारंपरिक कलाएं विलुप्त होती जा रही हैं जिन्हें पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि हमें कुछ नया करने के साथ-साथ अपनी पुरानी परंपराओं, प्रणालियों और सांस्कृतिक मूल्यों को पुनः सशक्त करना है ताकि देश की समृद्ध विरासत को संरक्षित रखते हुए विकास की दिशा में आगे बढ़ा जा सके। उन्होंने कहा कि देश में क्षमता, संसाधन और मेहनती लोगों की कोई कमी नहीं है आवश्यकता केवल सही दिशा और सकारात्मक दृष्टिकोण की है।

मंत्री ने कहा कि अधिकतम लोगों की भागीदारी से अधिकतम श्रम उत्पन्न होगा और अधिकतम श्रम से ही देश की प्रगति संभव है। उन्होंने नाबार्ड से आग्रह किया कि दिल्ली सहित पूरे देश के लिए सहकारिता क्षेत्र का व्यापक आकलन किया जाए ताकि योजनाओं को और अधिक प्रभावी बनाया जा सके और अंतिम व्यक्ति तक लाभ पहुंचाया जा सके।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करने के लिए सरकार द्वारा जमीनी स्तर पर ठोस और प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं ताकि इस संकल्प को वास्तविकता में बदला जा सके। भारत की समृद्ध संस्कृति, परंपराएं और स्थानीय कौशल हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं जिन्हें सशक्त बनाने के लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही है ताकि देश को वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ाया जा सके।

अपने संबोधन के अंत में सहकारिता मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने नाबार्ड की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की संगोष्ठियां न केवल सहकारिता आधारित विकास मॉडल को मजबूती प्रदान करती हैं बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के लक्ष्य को भी साकार करती हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सभी हितधारकों के संयुक्त प्रयासों से स्वदेशी उत्पादों, पारंपरिक कलाओं और स्थानीय कौशल को नई पहचान मिलेगी तथा देश 'विकसित भारत 2047' के संकल्प की दिशा में और तेजी से आगे बढ़ेगा।

वेतन वृद्धि को लेकर कर्मचारियों ने डीएमई पर किया प्रदर्शन, जाम में फंसी एम्बुलेंस, पुलिस पर भी हुआ पथराव

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। वेतन वृद्धि की मांग को लेकर कर्मचारी नोएडा से शुरू होकर गाजियाबाद तक पहुंच गए और अपनी मांगों को लेकर दिल्ली मेरठ एक्सप्रेसवे पर जाम लगा दिया। एक्सप्रेसवे पर लगे जाम के कारण गाजियाबाद से दिल्ली जाने वाले रूट पर वाहनों का काफिला इकट्ठा हो गया और उसमें एंबुलेंस भी फंस गई। कड़ी मशक्कत करने के बाद एक्सप्रेसवे पर एंबुलेंस को बाहर निकाला गया। कर्मचारी प्रदर्शन करते हुए एक्सप्रेसवे की दोनों तरफ खड़े हो गए, जिस कारण दिल्ली से गाजियाबाद आने वाले दोनों तरफ के मार्गों पर भी जाम लग गया। जाम को खुलवाने के लिए पुलिस ने कर्मचारियों को समझाना शुरू किया, लेकिन कर्मचारियों ने राहगिरों और पुलिस के साथ ही अभद्र व्यवहार करते हुए पथराव करना शुरू कर दिया। पथराव होते ही पुलिस ने उपद्रव करने वालों के ऊपर लाठी चार्ज करना शुरू कर दिया और भीड़ को छीजर्सी कट से खदेड दिया।

नोएडा व एक्सप्रेसवे पर हुए बवाल के बाद गाजियाबाद पुलिस अलर्ट मोड पर है और लगातार इंडस्ट्रियल एरिया में हिंसक उपद्रव को रोकने के लिए फ्लैग मार्च कर रही है। फ्लैग मार्च के दौरान लगातार इंडस्ट्रियल एरिया में काम करने वाले कर्मचारियों से अपील की जा रही है

कि वह शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखें और किसी भी स्थिति में लॉ एंड ऑर्डर को नहीं बिगाड़े। वही इंडस्ट्रियल एरिया में सड़कों पर मौजूद लोग से पूछताछ करते हुए चेकिंग की जा रही है। डीसीपी धवल जायसवाल ने बताया कि स्थिति को पूरी तरह से नियंत्रित कर लिया गया है और

एक्सप्रेसवे को सामान्य स्थिति में ला दिया गया है। किसी भी स्थिति में लॉ एंड ऑर्डर को नहीं बिगड़ने दिया जाएगा। एक्सप्रेसवे और छीजर्सी कट पर किए गए उपाद्रव की वीडियोग्राफी करवाई गई है और आरोपियों को चिन्हित करते हुए उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी।

डॉ के एन मोदी यूनिवर्सिटी के स्पंदन 2026 स्टार नाइट में झूमे विद्यार्थी, पंजाबी गायकों ने बांधा समां

मोदीनगर (शिखर समाचार)। डॉ के एन मोदी फाउंडेशन की ओर से डॉ के एन मोदी यूनिवर्सिटी के एनसीआर कैंपस में स्पंदन 2026 के तहत भव्य स्टार नाइट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध पंजाबी गायक जस्सी गिल और बब्बल राय की लाइव परफॉर्मेंस ने देर रात तक विद्यार्थियों को झूमने पर मजबूर कर दिया। जैसे ही दोनों कलाकारों ने मंच संभाला, पूरा मैदान तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। कार्यक्रम में फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ डीके मोदी सहित विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्रधानाचार्य और निदेशक मौजूद रहे। सभी ने कलाकारों का पुष्प गुच्छ देकर सम्मान किया।

इस अवसर पर डॉ डीके मोदी ने कहा कि फाउंडेशन से जुड़े सभी शिक्षण संस्थानों में शिक्षा की गुणवत्ता बनाए रखना उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रतिस्पर्धात्मक युग में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही सफलता का आधार है। साथ ही उन्होंने बताया कि संस्थानों में छात्र छात्राओं को बड़े स्तर पर कौशल विकास से जुड़ी शिक्षा भी प्रदान की जा रही है, जिससे उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर मिल सकें। कार्यक्रम के दौरान जस्सी गिल ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि जब तक इंसान के भीतर सपने देखने की हिम्मत है, तब तक उसे कोई नहीं रोक सकता। वहीं बब्बल राय की ऊर्जा से भरपूर प्रस्तुति ने माहौल को और भी उत्साहित कर दिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान छात्र छात्राएं संगीत की धुन पर थिरकते नजर आए। अंत में फाउंडेशन की ओर से विद्यार्थियों, अभिभावकों और स्टाफ का कार्यक्रम को सफल और यादगार बनाने के लिए आभार व्यक्त किया गया।

सहारनपुर : एक्सप्रेस-वे उद्घाटन से पहले सीएम योगी ने परखी व्यवस्थाएं, छावनी में तब्दील हुआ क्षेत्र

सहारनपुर (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित दिल्ली देहरादून एक्सप्रेस वे उद्घाटन कार्यक्रम से पहले सहारनपुर पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। उनका हेलीकॉप्टर मुजफ्फरनगर से उड़ान भरकर मनोहरपुर के पास गणेशपुर स्थित हेलीपैड पर उतरा, जहां प्रशासनिक अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने एक्सप्रेस वे पर बने लगभग 12 किलोमीटर लंबे वाइल्ड लाइफ कॉरिडोर से होते हुए डाट काली मंदिर तक निरीक्षण किया। उन्होंने समारोह स्थल से लेकर प्रधानमंत्री के प्रस्तावित रूट तक सुरक्षा और व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल को गणेशपुर हेलीपैड पर उतरेंगे और मुख्यमंत्री के साथ ऐलीवेटेड रोड से होते हुए डाट काली मंदिर पहुंचकर पूजा अर्चना करेंगे, इसके बाद देहरादून में जनसभा को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के बाद

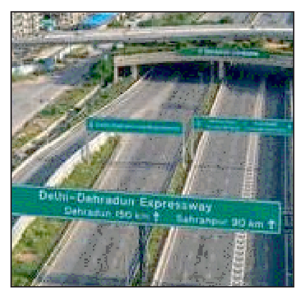

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहारनपुर के मनोहरपुर में आयोजित भाजपा रैली को भी संबोधित करेंगे। निरीक्षण के उपरांत मुख्यमंत्री सर्किट हाउस पहुंचे, जहां उन्होंने जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के साथ बैठक कर अंतिम तैयारियों की समीक्षा की। उनका रात्रि विश्राम सर्किट हाउस में ही निर्धारित है। कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा व्यवस्था अभूतपूर्व स्तर पर की गई है। पूरे क्षेत्र को छावनी में तब्दील कर दिया गया है और चप्पे चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया गया है। एसपीजी, पीएसी, पुलिस, अर्द्धसैनिक बल, आरएएफ, होमगार्ड और पीआरटी के जवान सुरक्षा में लगाए गए हैं। कार्यक्रम स्थल की निगरानी के लिए 36 ड्रोन कैमरों

का उपयोग किया जा रहा है। प्रशासन के अनुसार, आधी रात से दिल्ली देहरादून एक्सप्रेस-वे पर यातायात प्रतिबंधित कर दिया जाएगा और रूट डायवर्जन लागू रहेगा। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के मद्देनजर हेलीपैड पर हेलीकॉप्टर उतारकर रिहर्सल भी पूरी कर ली गई है।करीब 212 किलोमीटर लंबे और छह लेन वाले दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे के शुरू होने से दिल्ली से देहरादून की दूरी और समय में भारी कमी आएगी। अब यह सफर लगभग ढाई से तीन घंटे में पूरा किया जा सकेगा। तीन वर्षों में तैयार हुए इस एक्सप्रेस वे से पश्चिमी उत्तर प्रदेश में औद्योगिक विकास और पर्यटन को नई गति मिलने की उम्मीद है।

जीडीए के विशेष शिविर में उमड़ी आवंटियों की भीड़, पहले ही दिन रजिस्ट्री और नामांतरण के दर्जनों मामलों का हुआ समाधान

आरव शर्मा

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) द्वारा आवंटियों की लंबे समय से लंबित रजिस्ट्री और नामांतरण (म्यूटेशन) संबंधी समस्याओं को सुलझाने के लिए विशेष शिविर का भव्य आगाज किया गया। प्राधिकरण के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत शुरू हुए इस शिविर के पहले ही दिन आवेदकों में भारी उत्साह देखने को मिला। बड़ी संख्या में पहुंचे आवंटियों ने अपनी समस्याओं को अधिकारियों के समक्ष रखा, जिनमें से कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर उन्हें राहत प्रदान की गई।

विभिन्न योजनाओं के तहत आए दर्जनों आवेदन

शिविर के पहले दिन का फीडबैक बेहद सकारात्मक रहा। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार

रजिस्ट्री प्रक्रिया

इंद्रप्रस्थ, संजय नगर, मधुबन बापूधाम और प्रताप विहार जैसी सामान्य योजनाओं के अंतर्गत रजिस्ट्री के लिए 17 आवेदन प्राप्त हुए। वहीं, प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के लाभार्थियों ने भी उत्साह दिखाते हुए रजिस्ट्री के लिए 17 प्रार्थना पत्र जमा किए।

नामांतरण (नाम दर्ज) नामांतरण के मामलों में सामान्य योजनाओं से 10 और प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के अंतर्गत 20 आवेदन प्राप्त हुए। प्राधिकरण की टीम ने इन सभी आवेदनों पर त्वरित कार्यवाही शुरू कर दी है।

18 परिवारों को मिला मालिकाना हक का प्रमाण पत्र

शिविर की सबसे बड़ी सफलता उन आवंटियों के चेहरे पर दिखी जो वर्षों से अपने नाम दर्ज होने का इंतजार कर रहे थे। प्राधिकरण ने तत्परता दिखाते हुए कुल 18 पुराने लंबित प्रकरणों का पूरी तरह निस्तारण कर दिया। इन सभी सफल आवेदकों को शिविर में ही नाम दर्ज (नामांतरण) प्रमाण पत्र सौंप दिए गए, जिससे उनकी संपत्ति से जुड़ी कानूनी बाधाएं दूर हो गईं।

अधिकारियों को सख्त निदेर्श: काम में न हो देरी

शिविर के सुचारू संचालन को लेकर प्राधिकरण प्रशासन पूरी तरह गंभीर नजर आ रहा है। कार्यों में गति लाने और फाइलों को समयबद्ध तरीके से निपटाने के लिए संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश जारी किए गए हैं। इसी कड़ी में प्रधानमंत्री आवास योजना के 50 प्रकरणों और इंद्रप्रस्थ योजना के 9 प्रकरणों में तत्काल रजिस्ट्री सुनिश्चित

करने को कहा गया है, ताकि आवंटियों को बार-बार कार्यालय के चक्कर न काटने पड़ें।

पारदर्शिता और सुगम सेवा की ओर बढ़ता कदम

जीडीए की इस पहल को शहरवासियों द्वारा पारदर्शिता और जन केंद्रित शासन की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। प्राधिकरण के इस प्रयास का मुख्य उद्देश्य बिचौलियों की भूमिका को खत्म करना और सीधे आवंटियों को उनके हक दिलाना है। अधिकारियों ने अपील की है कि जिन आवंटियों की रजिस्ट्री या नामांतरण की प्रक्रिया किन्हीं कारणों से रुकी हुई है, वे इस विशेष शिविर का लाभ अवश्य उठाएं।

यह शिविर आगामी दिनों में भी जारी रहेगा, जिसमें आवंटी अपने मूल दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर अपनी फाइलों की स्थिति जानकर उनका समाधान करा सकते हैं।

राष्ट्रवाद व विकास के साथ अंत्योदय की ओर बढ़ रहा देश : डॉ. दिनेश शर्मा

शामली (शिखर समाचार)। राज्यसभा सांसद एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि राष्ट्रवाद और विकास की जुगलबंदी के साथ केंद्र व प्रदेश सरकार अंत्योदय के लक्ष्य की ओर निरंतर अग्रसर है। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज विश्व को दिशा दिखा रहा है। कांधला में आयोजित सामाजिक सम्मेलन एवं कश्यप जयंती कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार की सभी योजनाएं जनकल्याण पर आधारित हैं और बिना किसी भेदभाव के लागू की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी तुष्टीकरण की राजनीति नहीं, बल्कि सबके साथ न्याय में विश्वास रखती है। डॉ. शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार के कुशल प्रबंधन के चलते वैश्विक चुनौतियों के बावजूद देश की आम जनता पर कोई बड़ा प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है। साथ ही उन्होंने महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में आरक्षण देने की पहल को ऐतिहासिक कदम बताया। प्रदेश सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था सुदृढ़ हुई है और विकास कार्यों में तेजी आई है। सड़क, बिजली, स्वास्थ्य और किसानों से जुड़ी योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंच रहा है। कार्यक्रम में एमएलसी वीरेंद्र सिंह, मनीष चौहान, भाजपा नेता मोहित बेनीवाल, जिला अध्यक्ष रामजीलाल कश्यप सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुजफ्फरनगर में किया 951 करोड़ की परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास, युवाओं को मिले नियुक्ति पत्र

मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुजफ्फरनगर में 951 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर आयोजित भव्य कार्यक्रम में उन्होंने रोजगार मेले के तहत चयनित युवाओं को नियुक्ति पत्र भी वितरित किए।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन की शुरूआत भारत माता की जय और वंदे मातरम के उद्घोष के साथ की। उन्होंने शुकतीर्थ की पावन भूमि को नमन करते हुए इसे महर्षि शुकदेव की तपोभूमि बताया और कहा कि यह भूमि सदैव प्रेरणा देने वाली रही है। उन्होंने भारत रत्न चौधरी चरण सिंह को किसानों का सच्चा हितैषी बताते हुए उनकी स्मृतियों को नमन किया।

कार्यक्रम के दौरान लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की प्रतिमा का विमोचन भी किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर का योगदान पूरे राष्ट्र के लिए प्रेरणास्त्रोत है और उनके कार्यों को सदैव याद रखा जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश सुरक्षित और सशक्त हुआ है। उन्होंने दावा किया कि भारत में महंगाई निर्यंत्रित है और आम जनता को राहत देने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ तत्व विकास और शांति में बाधा डालने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन सरकार ऐसी कोशिशों को सफल नहीं होने देगी।

उन्होंने डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था मजबूत हुई है, उद्योगों को बढ़ावा मिला है और युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में बड़े स्तर पर पुलिस भर्ती की गई है, जिसमें हजारों युवा शामिल हुए हैं और जल्द ही अपनी सेवाएं देंगे। कार्यक्रम में रोजगार मेले के तहत चयनित 250 युवाओं में से कुछ को मंच से नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार युवाओं को रोजगार देने के लिए प्रतिबद्ध है और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से अवसर उपलब्ध करा रही है। उन्होंने श्रमिकों और उद्यमियों के बीच बेहतर समन्वय पर जोर देते हुए कहा कि सरकार दोनों के हितों की रक्षा करेगी। न्यूनतम वेतन की गारंटी और श्रमिकों के खातों में सीधे भुगतान की व्यवस्था लागू करने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने सामाजिक एकता का संदेश देते हुए कहा कि महापुरुषों को जाति के दायरे में बांटना उचित नहीं है। उन्होंने महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी महाराज और गुरु गोविंद सिंह जैसे महान व्यक्तित्वों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन सभी ने राष्ट्र के लिए कार्य किया, न कि किसी जाति विशेष के लिए।

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री एवं राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी, राज्य सरकार के मंत्री, स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे।

रक्तदान शिविर में उमड़ा जनसैलाब, 121 लोगों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान

हापुड़ (शिखर समाचार)। मां आद्यशक्ति चंडी पालकी सेवा समिति (पंजीकृत) के तत्वावधान में श्री चंडी मंदिर प्रांगण में प्रथम रक्तदान शिविर एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और समाजसेवा की मिसाल पेश की। रक्तदान शिविर में कुल 121 लोगों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान किया। इस दौरान शहर के वरिष्ठ पत्रकारों, चंडी मंदिर प्रबंधक समिति के पदाधिकारियों तथा मंदिर के पुजारियों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई और रक्तदान कर लोगों को प्रेरित किया। शिविर में स्वास्थ्य जांच की भी व्यवस्था की गई, जहां लोगों ने अपनी स्वास्थ्य संबंधी जांच कराई और चिकित्सकीय परामर्श प्राप्त किया। आयोजन को सफल बनाने में समिति के पदाधिकारियों और सेवादारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। समिति के सदस्यों ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन समाज में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ जरूरतमंदों के लिए जीवनदायी साबित होते हैं। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे सामाजिक कार्यक्रम जारी रखने का संकल्प लिया।

धामपुरः 8 मार्च से लापता इसरार की हत्या का खुलासा, दोस्त ही निकले कातिल

बिजनौर (शिखर समाचार)। धामपुर पुलिस ने 8 मार्च से लापता नूरपुर निवासी इसरार अहमद की हत्या का सनसनीखेज खुलासा कर दिया है। पुलिस जांच में सामने आया है कि इसरार की हत्या उसके ही करीबी दोस्तों ने गला घोंटकर की थी। इस मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। अपर पुलिस अधीक्षक (पूर्वी) ए.के. श्रीवास्तव ने जानकारी देते हुए बताया कि 8 मार्च को नूरपुर निवासी अफसर ने धामपुर थाने में तहरीर देकर अपने भाई इसरार अहमद के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने की सूचना दी थी। अफसर ने गांव तिबड़ी निवासी आशु सिद्दीकी पर शक जताया था, क्योंकि इसरार को आखिरी बार उसी के साथ देखा गया था। पुलिस ने संदेह के आधार पर आशु सिद्दीकी को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की। पूछताछ में उसने अपना अपराध कबूल करते हुए बताया कि उसने अपने साथी शाहनवाज अहमद और जाबिर के साथ मिलकर इसरार की रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी थी। आरोपियों ने साक्ष्य मिटाने के इरादे से शव को नूरपुर क्षेत्र में रामगंगा नदी के किनारे ले जाकर फेंक दिया और पेट्रोल डालकर उसे जलाने का प्रयास भी किया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर घटनास्थल से इसरार का अधजला शव बरामद कर लिया। इसके साथ ही पुलिस ने मृतक के दो मोबाइल फोन, एक ब्रेसलेट और हत्या में प्रयुक्त रस्सी समेत अन्य सामान भी कब्जे में ले लिया है। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा जा रहा है। इस सनसनीखेज घटना के खुलासे के बाद क्षेत्र में दहशत और चचाओं का माहौल बना हुआ है।

शालीमार गार्डन पुलिस ने देह व्यापार का किया भंडाफोड़, महिला संचालिका सहित 2 अभियुक्त गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। थाना शालीमार गार्डन पुलिस ने क्षेत्र में चल रहे अनैतिक देह व्यापार का भंडाफोड़ सोमवार को कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में महिला संचालिका आरती और 2 अभियुक्त विपिन व शोयब शेख को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मौके से 4 महिलाओं को रेस्क्यू भी किया। इसके अलावा आपत्तिजनक सामग्री भी मौके से बरामद की गई। सहायक पुलिस आयुक्त शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि गाजियाबाद में पुलिस ने सर्च एवं रैस्क्यू अभियान चलाया हुआ है। शालीमार हाउसिंग कांप्लेक्स में देह पर चलने की सूचना मिली थी। सूचना पर थाना अध्यक्ष शालीमार गार्डन और पुलिस टीम के साथ मौके पर छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान मौके से अनैतिक दैह व्यापार में लिप्त 4 पीड़ित महिलाओं को मौके से रैस्कयू किया गया। उन्होंने बताया कि अनैतिक दैह व्यापार में सम्मलित 1 महिला संचालिका और 2 अभियुक्तों को मौके से गिरफ्तार करते हुए आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई। सभी के खिलाफ अनैतिक देह व्यापार अधिनियम के तहत कार्यवाही की जा रही है। पकड़े गए सभी लोगों का अपराधिक इतिहास भी खंगाला जा रहा है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्ता ने बताया कि वह नौकरी का लालच देकर महिलाओं से अनैतिक देह व्यापार करवाती थी। ग्राहकों से मोटी रकम वसूल कर उसमें से कुछ अंश उन्हें दिया करती थी।

पुलिस अभिरक्षा में युवक की मौत का मामलाः सांसद ने उठाई निष्पक्ष जांच की मांग

मोदीनगर (शिखर समाचार)। निवाड़ी थाना क्षेत्र के पतला कस्बे निवासी अमित चौधरी की पुलिस अभिरक्षा में संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मृत्यु का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। बागपत मोदीनगर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने इस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए प्रदेश के मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर निष्पक्ष जांच की मांग की है।

सांसद ने अपने पत्र में कहा है कि अमित, पुत्र सुभाष चौधरी की मृत्यु निवाड़ी पुलिस की अभिरक्षा में संदिग्ध हालात में हुई है। इस मामले में दो दरोगाओं समेत चार पुलिसकर्मियों को निलंबित किया गया है, लेकिन इसे केवल निलंबन तक सीमित रखकर मामले को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने पत्र में उल्लेख किया कि घटना के बाद मृतक के परिजनों और ग्रामीणों में भारी रोष व्याप्त है। प्रथम दृष्टया यह मामला मानवाधिकारों के उल्लंघन से जुड़ा प्रतीत होता है, इसलिए इसकी जांच किसी स्वतंत्र एजेंसी से कराई जानी आवश्यक है, ताकि सच्चाई सामने आ सके। सांसद ने मुख्यमंत्री से यह भी मांग की है कि पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की जाए और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए, जिससे उन्हें न्याय मिल सके और किसी प्रकार का दबाव न बने।

संक्षिप्त समाचार

विद्यार्थियों को फेल करने पर एबीवीपी ने किया हंगामा, तोड़फोड़

अलीगढ़, एजेंसी। राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय (आरएमपीयू) में बीए और बीएससी प्रथम वर्ष में विद्यार्थियों को बड़ी संख्या में फेल करने पर शनिवार को एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। प्रशासनिक भवन में जाने से रोकने पर सुरक्षाकर्मियों से नोकझोंक और खींचतान हुई, जिसमें गेट का शीशा टूट गया। सूचना मिलने पर पांच थानों की पुलिस और कई प्रशासनिक अफसर मौके पर पहुंच गए। इस मामले में विवि प्रशासन ने जांच कमेटी गठित कर दी है। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता शनिवार को दोपहर करीब एक बजे बड़ी संख्या में विद्यार्थियों के साथ राजा महेंद्र प्रताप सिंह विश्वविद्यालय परिसर में पहुंचे। विद्यार्थियों ने जानबूझकर एक और दो अंक से फेल करने का आरोप लगाया और हंगामा किया। इसी बीच विद्यार्थी प्रशासनिक भवन में अंदर जाना चाहते थे, तभी उन्हें सुरक्षाकर्मियों ने रोक लिया, जिस पर खूब नोकझोंक और खींचतान हुई। इस दौरान गेट का शीशा टूट गया। गुस्साए छात्र धरने पर बैठ गए और विवि प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करने लगे। उनका उग्र प्रदर्शन देखकर विवि प्रशासन ने इसकी सूचना पुलिस और प्रशासन को दे दी। थोड़ी देर में ही एसडीएम कोल, एडीएम, एसपी सिटी, सीओ गभाना पहुंच गए। गभाना, लोधा, रोरावर, देहलीगेट और सासनीगेट थाने की पुलिस पहुंची। शाम चार बजे तक प्रदर्शन जारी रहा। प्रशासन के अफसरों के आश्वासन के बाद धरना-प्रदर्शन खत्म हुआ। परिषद की प्रांत सह मंत्री खुशी सिंह ने कहा कि अगर सात दिन में परीक्षा परिणाम की विसंगतियों को दूर नहीं किया गया तो आंदोलन उग्र होगा। प्रदर्शन के दौरान महानगर मंत्री पीयूष भारद्वाज, विभाग संगठन मंत्री विश्वेंद्र, विश्वविद्यालय इकाई अध्यक्ष दीपक भारद्वाज, यथार्थ सिंह, आकाश सिंह, अमन शर्मा, हर्ष शर्मा, सोनू, मुकुल आदि शामिल रहे। परीक्षा नियंत्रक धीरेंद्र कुमार को ज्ञापन सौंपा गया।

शादी से पहले रची साजिश, हिस्ट्रीशीटर बना दरोगा तो साथी बने सिपाही

गोरखपुर , एजेंसी। शादी के नाम पर राजस्थान से बुलाए गए परिवार को फर्जी पुलिस बताकर ठगी करने वाले गिरोह की करतूतें पुलिस की जांच में सामने आ गई हैं। पुलिस के मुताबिक, हिस्ट्रीशीटर अंकुर सिंह ने शादी तय होने के बाद ठगी की साजिश रची। वह शादी के दौरान खुद को दरोगा बताकर सामने आया, जबकि उसके साथी हेड कांस्टेबल, सिपाही बताकर परिवार को डरा-धमका रहे थे। पुलिस की जांच में पता चला कि ठगी की इस साजिश की रूपरेखा हिस्ट्रीशीटर अंकुर सिंह के घर पर तैयार की गई थी। हरियाणा निवासी बिचौलिया राजू शर्मा परिवार को राजस्थान से गोरखपुर लेकर आया। गिरोह में शामिल गुर्गे अलग-अलग भूमिकाओं में थे। अंकुर सिंह खुद को दरोगा बताकर पूरे ऑपरेशन का नेतृत्व कर रहा था, जबकि धीरेंद्र यादव उर्फ टुनटुन ने हेड कांस्टेबल की भूमिका निभाई। मुन्ना जायसवाल और नवमी शर्मा को सिपाही और गार्ड की भूमिका दी गई थी। रवि चौधरी को दुल्हन का भाई और शैला देवी को उसकी मौसी बनाकर पेश किया गया ताकि पीड़ित परिवार को किसी भी तरह का शक न हो। घटना के दौरान आरोपियों ने खुद को असली पुलिसकर्मी साबित करने के लिए पुलिस की तरह इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक के डंडे, फर्जी पहचान पत्र और अन्य सामान भी अपने साथ रखा था। इन्हीं के सहारे उन्होंने पीड़ित परिवार को बंधक बना लिया और धमकाते हुए कहा कि यदि विरोध किया तो जेल भेज दिया जाएगा। आरोपियों ने पीड़ित परिवार को मानसिक रूप से दबाव में लाने के लिए उनकी पत्नी को फोन कर एक लाख रुपये की रंगदारी की मांग भी की थी। डर के माहौल में परिवार से रुपये वसूलकर आरोपी मौके से भाग गए।

40 साल से अधिक समय से रह रहे कब्जेदारों को मिल सकती है राहत

गोरखपुर , एजेंसी। गोरखपुर और बस्ती मंडल में स्थित बेतिया एस्टेट की लगभग 125 एकड़ बेशकीमती जमीन पर 40 साल से अधिक समय से काबिज लोगों को बड़ी राहत मिल सकती है। बिहार सरकार की ओर से ऐसे कब्जेदारों को स्वामित्व देने पर विचार किया जा रहा है। हालांकि इस संबंध में अध्यादेश 2026 लागू होने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी कि किन शर्तों के तहत जमीन का मालिकाना हक दिया जाएगा ।गोरखपुर के बेतियाहाता मोहल्ले में करीब 51 एकड़ जमीन पर लंबे समय से कब्जा है। बिहार सरकार की ओर से गठित टीम ने सर्वे और पैमाइश कर रिपोर्ट तैयार की है। अब तक की जांच में करीब पांच एकड़ जमीन पर अवैध कब्जे की पुष्टि हुई है ।इस मामले में 37 लोगों को बेदखली का नोटिस जारी करने के बाद एसडीएम कोर्ट में वाद भी दाखिल किया गया है। शेष भूमि की पैमाइश की प्रक्रिया अभी जारी है। कुछ स्थानों पर सरकारी आवास भी बने हुए हैं ।स्थानीय निवासी जेपी दुबे ने कहा कि यदि अध्यादेश की प्रति जारी हो जाती है तो स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। उन्होंने कहा कि यदि सरकार स्वामित्व देने का निर्णय लेती है तो यह स्वागत योग्य कदम होगा, क्योंकि कई लोग 50 वर्ष से अधिक समय से वहां रह रहे हैं ।वहीं बिहार सरकार के सहायक बंदोबस्त अधिकारी बद्री प्रसाद गुप्ता ने बताया कि अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक शासनादेश प्राप्त नहीं हुआ है।

यूपी में 82 लाख किसानों ने नहीं कराई फार्मर रजिस्ट्री

अब एमएसपी पर गेहूं बेचने का संकट

लखनऊ, एजेंसी। यूपी में 82 लाख किसानों ने फार्मर रजिस्ट्री नहीं कराई। इस कारण उनके सामने एमएसपी पर गेहूं बेचने का संकट है। सम्मान निधि समेत कई योजनाओं के लाभ से भी वंचित होंगे।

उत्तर प्रदेश के लगभग 81.95 लाख किसानों ने अभी तक फार्मर रजिस्ट्री नहीं कराई है। ऐसे में ये किसान न तो न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर गेहूं बेच पाएंगे। न ही उन्हें किसान सम्मान निधि के साथ मत्स्य व पशुपालन समेत विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पाएगा।

लखनऊ जिले के भी 72,128 किसानों की रजिस्ट्री नहीं हुई है। बता दें कि प्रदेश के कुल 75 जिलों में 2,88,70,495 किसानों की फार्मर रजिस्ट्री होनी है, जिनमें से सिर्फ 2,06,75,387 किसानों की ही रजिस्ट्री हो सकी है। यह करीब 80.32 फीसदी है। नतीजतन शेष किसानों के सामने एमएसपी पर गेहूं बेचने का संकट खड़ा हो गया है।

फार्मर रजिस्ट्री में रामपुर अव्वल, सुल्तानपुर फिसड्डी

रामपुर जिला फार्मर रजिस्ट्री में प्रदेश में अव्वल है। जिले के 3,07,005 में से 2,53,909 किसान रजिस्ट्री करा चुके हैं। यह लक्ष्य का 99.58 फीसदी है। मुजफ्फरनगर में 97.73, गाजियाबाद में 94.72, एटा में 93.28 और कासगंज में 92.67 फीसदी किसान रजिस्ट्री करा क्रमशः प्रदेश में दूसरे, तीसरे, चौथे व पांचवें स्थान पर हैं।

वहीं, लखनऊ 61वें स्थान पर है। यहां 2,46,043 में से 1,73,915 किसान ही रजिस्ट्री कराए हैं। यह लक्ष्य का 74.83 फीसदी है। वहीं, सुल्तानपुर के किसान 65.70 फीसदी के साथ फिसड्डी है। फार्मर आईडी में पिछड़े अन्य जिलों में कानपुर देहात, देवरिया, गोरखपुर और कौशाम्बी शामिल है। इन जिलों में 65 से 70 प्रतिशत किसानों ने ही रजिस्ट्री कराई है।

बिना रजिस्ट्री कृषि योजनाओं के लाभ नहीं

प्रदेश सरकार ने किसान पहचान पत्र (फार्मर आईडी) को सभी कृषि व सहयोगी विभागों की लाभार्थी योजनाओं के लिए अनिवार्य कर दिया है। मुख्य सचिव एसपी गोयल की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि भविष्य में पीएम किसान सम्मान निधि की किस्तें भी सिर्फ उन्हीं किसानों को मिलेंगी, जिनकी फार्मर आईडी बनी होगी। उर्वरक, बीज, कीटनाशक वितरण और लाभार्थी चयन में इसे अनिवार्य किया गया है। एमएसपी पर गेहूं, दलहन, सरसों आदि की बिक्री के लिए यह आईडी जरूरी होगा।

इस तरह कराएं फार्मर रजिस्ट्री

किसान आधार कार्ड, खतौनी की प्रति और आधार से लिंक मोबाइल फोन नंबर के साथ जनसेवा केंद्र, कृषि विभाग के कर्मचारी या लेखपाल से संपर्क कर रजिस्ट्री करा सकते हैं। किसान खुद भी अधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकता है। इसके लिए किसानों को अपने सभी खेतों, गाटा और खतौनियों को रजिस्ट्री से जोड़ना होगा।

बदायूं से दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन सेवा 13 अप्रैल से, यात्रियों को मिलेगी राहत

बरेली, एजेंसी। बदायूं से दिल्ली के लिए सीधी ट्रेन सेवा का शुभारंभ 13 अप्रैल से शुरू होने जा रहा है। केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा इंटरसिटी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे। इस ट्रेन के संचालन से जिले के हजारों यात्रियों को राहत मिलेगी।

बदायूं जिले के हजारों यात्रियों का लंबे समय से चला आ रहा इंतजार अब खत्म होने जा रहा है। बदायूं से दिल्ली के लिए सीधी रेल सेवा 13 अप्रैल से शुरू होने जा रही है। इस महत्वपूर्ण रेल सेवा का शुभारंभ सोमवार को केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा करेंगे। कार्यक्रम में रेलवे अधिकारियों की मौजूदगी में इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा।

इस नई रेल सेवा के शुरू होने से बदायूं, कासगंज और बरेली क्षेत्र के यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी। अब तक दिल्ली जाने के लिए यात्रियों को कई बार ट्रेन बदलनी पड़ती थी या लंबा सफर तय करना पड़ता था, लेकिन इस ट्रेन के संचालन से यात्रा सरल, सुलभ और समयबद्ध हो जाएगी।

रेलवे विभाग के अनुसार, यह इंटरसिटी एक्सप्रेस ट्रेन कासगंज से प्रारंभ होकर बदायूं और बरेली होते हुए सीधे दिल्ली तक जाएगी। यह सेवा न केवल दैनिक यात्रियों के लिए उपयोगी होगी, बल्कि व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भी दिल्ली जाने वाले लोगों को काफी सहूलियत प्रदान करेगी।

इस योजना को लेकर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों द्वारा लंबे समय से प्रयास किए जा रहे थे। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव की ओर से 24 मार्च को जारी आधिकारिक पत्र में इस सेवा को मंजूरी दी गई थी। यह स्वीकृति केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा के 20 नवंबर 2025 को भेजे गए प्रस्ताव के संदर्भ में दी गई है। रेल मंत्रालय के इस निर्णय को क्षेत्र के समग्र विकास और जनसुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

रेलवे स्टेशन पर शुरू हुईं तैयारियां

बदायूं रेलवे स्टेशन पर उद्घाटन कार्यक्रम की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। स्टेशन परिसर को सजाने के साथ ही सुरक्षा व्यवस्था भी कड़ी की जा रही है। कार्यक्रम में रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में आम लोगों के शामिल होने की संभावना है।

कोयले से लदा कंटेनर पलटा, मलबे में दबकर कई लोगों के अंग-भंग ; दो शव बरामद, राहत कार्य जारी

कानपुर, एजेंसी। कन्नौज जिले के छिबरामऊ कोतवाली क्षेत्र में तालग्राम रोड पर भाऊलपुर चौराहे के पास रविवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया, जब कोयला लदा एक कंटेनर अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में कई लोगों के कंटेनर के नीचे दबने की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

हादसे की चपेट में आने से कई बाइक क्षतिग्रस्त हो गईं। मौके पर पहुंची पुलिस और प्रशासन की टीम ने राहत और बचाव कार्य शुरू किया। कंटेनर के नीचे दबे लोगों को निकालने के लिए जेसीबी मशीन भी बुलाई गई, लेकिन भारी वजन के कारण कंटेनर को हिलाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

लोगों के अंग-भंग होकर इधर-उधर बिखर गए : हादसा सुबह करीब आठ बजे हुई। छिबरामऊ की तरफ जा रहा कंटेनर सड़क के किनारे रखे खोखो को टक्कर मारते हुए पलट गया। पास से गुजर रहे लोग उसके नीचे दब गए। नीचे दबे लोगों के अंग-भंग होकर इधर-उधर बिखर गए, जिससे घटना की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

राहत और बचाव कार्य तेजी से जारी : अब तक दो शवों को निकालकर सौ शैय्या अस्पताल भेजा गया है। घटना की सूचना मिलते ही सीओ सुरेश मालिक, छिबरामऊ कोतवाल कपिल दुबे समेत कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंच गई। हादसे के बाद मौके पर सैकड़ों लोगों की भीड़ जमा हो गई है। प्रशासन द्वारा राहत और बचाव कार्य तेजी से जारी है।

प्रणिता ने तोड़ी चुप्पी, पूर्व पति मेजर गौरव के आरोपों को बताया झूठा

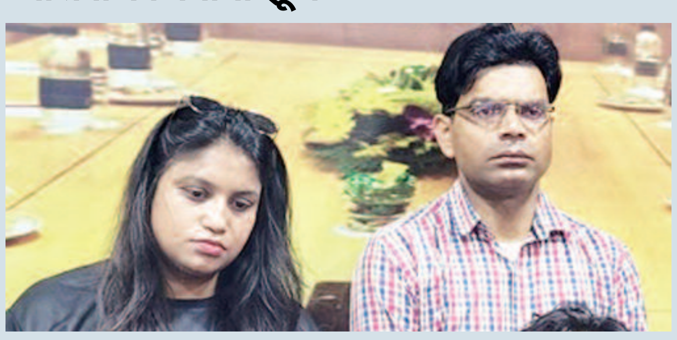

मेरठ, एजेंसी। तलाक के बाद ढोल-नगाड़ों के साथ घर वापसी कर चर्चा में आईं प्रणिता वशिष्ठ और उनके पिता रिटायर्ड जिला जज डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार शर्मा ने प्रेस वार्ता कर अपना पक्ष रखा। प्रणिता ने पूर्व पति मेजर गौरव अग्निहोत्री द्वारा लगाए गए आरोपों को निराधार और अपमानजनक करार दिया।

रिटायर्ड जज डॉ. शर्मा ने स्पष्ट किया कि बेटी का गाजे-बाजे के साथ स्वागत केवल उसे मानसिक अवसाद (ट्रॉमा) से बाहर निकालने के लिए था। उन्होंने कहा कि हमने दूसरे पक्ष के बारे में कुछ भी नकारात्मक नहीं कहा लेकिन गौरव अग्निहोत्री ने इस खुशी से व्यथित होकर सोशल मीडिया पर प्रणिता के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग किया जो महिला गरिमा पर हमला है।

प्रणिता के परिवार ने साक्ष्य प्रस्तुत करते हुए करोड़ों के लेन-देन के दावों को सिरे से खारिज कर दिया। कहा कि न्यायालय के दस्तावेजों के अनुसार गौरव ने खुद शादी में सिर्फ 5 लाख खर्च होना स्वीकार किया था। प्रणिता ने समझौते के तहत कोई गुजारा भत्ता (एलमनी) नहीं लिया है। जिस जमीन का जिक्र है वह शाहजहांपुर के डूब क्षेत्र में है और उसकी कीमत मात्र 75 हजार रुपये है। प्रणिता ने आरोप लगाया कि ससुराल में उन्हें बंधक बनाकर मारपीट की गई जिसकी प्राथमिकी दर्ज है।

भगवान परशुराम जन्मोत्सव 19 अप्रैल को धूमधाम से मनाया जाएगा, 26 अप्रैल को होगा सामूहिक आयोजन

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा की कार्यकारिणी की बैठक राजनगर सेक्टर-9 स्थित मकान संख्या 38 में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष पं. जयनन्द शर्मा ने की। बैठक में 19 अप्रैल को भगवान परशुराम जन्मोत्सव को हर्षोल्लास एवं श्रद्धाभाव के साथ मनाने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष पं. जे. के. गौड ने जानकारी देते हुए बताया कि सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि 19 अप्रैल को सभी क्षेत्रीय इकाइयां अपने-अपने क्षेत्रों में भगवान परशुराम जन्मोत्सव के कार्यक्रम आयोजित करेंगी। इस अवसर पर शाम के समय घरों में भगवान परशुराम का विधिवत पूजन किया जाएगा तथा घरों को दीपावली की भांति दीपों से सजाया जाएगा।

उन्होंने बताया कि संजय नगर स्थित परशुराम शिव मंदिर में प्रातः 7:30 बजे हवन का आयोजन होगा, जिसके पश्चात 10 बजे से शोभायात्रा निकाली जाएगी और 12 बजे से प्रसाद वितरण किया जाएगा। खोड़ा क्षेत्र में पांच मंदिरों में प्रातः 8 बजे हवन होगा तथा 11 बजे से शोभायात्रा निकाली जाएगी। डूंडाहेड़ा में प्रातः 7 बजे हवन एवं 10 बजे से लाल मंदिर में प्रसाद वितरण होगा। राजेंद्र नगर में प्रातः 8 बजे हवन किया जाएगा, जबकि वसुंधरा के परशुराम चौक पर प्रातः 11 बजे प्रसाद वितरण किया जाएगा।

इसी क्रम में इंदिरापुरम स्थित जेकेजी इंदिरापुरम स्कूल में सांय 4 बजे परशुराम जयंती का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रसाद वितरण भी होगा। शास्त्री नगर में सांय 5 बजे हवन का कार्यक्रम रखा गया है।

पं. जे. के. गौड ने आगे बताया कि 26 अप्रैल को सामूहिक रूप से भगवान परशुराम जन्मोत्सव का भव्य आयोजन प्रातः 10 बजे जेकेजी इंटरनेशनल स्कूल, नंदग्राम में किया जाएगा, जिसमें 12 बजे रेणुका माता की रसोई के प्रसाद का वितरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जो इकाइयां 19 अप्रैल को कार्यक्रम आयोजित नहीं कर पाएंगी, वे 17 मई तक किसी भी रविवार को अपनी सुविधा अनुसार आयोजन कर संबंधित पदाधिकारियों को सूचित करेंगी।

बैठक में विशेष सचिव आशुतोष शर्मा सहित सुभाष शर्मा, विजय गौड़, सतीश कुमार शर्मा, संजीव शर्मा, राजू पंडित, भवन शर्मा, संदीप शर्मा, रविंद्र नाथ पांडेय, हरीश शर्मा, आर. के. शर्मा, शशिकांत भारद्वाज, अमित भारद्वाज, गौरव शर्मा, नितिन शर्मा, नरेंद्र शर्मा, आदेश शर्मा, डी. पी. कौशिक, कमल किशोर गौड़ सहित अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

तापमान में उतार-चढ़ाव से बढ़े वायरल के मरीज

गोरखपुर , एजेंसी। चार दिनों से मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। सुबह-शाम हल्की ठंड और दिन में गर्मी के कारण लोगों की प्रतिरोधक क्षमता प्रभावित हो रही है। इसका असर सीधे तौर पर स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। इसके चलते वायरल संक्रमण के मामलों में तेजी आई है। बच्चों में बुखार, खांसी और गले में संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं।

शनिवार को जिला अस्पताल की ओपीडी में कुल 1671 मरीज पहुंचे। जनरल ओपीडी में 396 मरीज देखे गए। वहीं, चेस्ट में 90, आंख में 146 और चर्म रोग विभाग में 189 मरीजों का उपचार किया गया। सबसे कम आयुष की ओपीडी में 11 मरीज पहुंचे।

शहर के महादेव झारखंडी के रहने वाले किशोर ने बताया कि पिछले तीन दिनों से बुखार, खांसी और शरीर में दर्द की शिकायत है, जो मौसम बदलने के बाद शुरू हुई। वहीं, बिछिया की रहने वाली सुनीता ने बताया कि मौसम में बदलाव के कारण कमजोरी और सांस लेने में परेशानी हो रही है। इस संबंध में जिला अस्पताल के फिजिशियन डॉ. बीके सुमन ने बताया कि बदलते मौसम में सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। जरा सी लापरवाही भी वायरल संक्रमण को बढ़ा सकती है, इसलिए समय पर इलाज और बचाव जरूरी होता है।पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ में पुलिस को पता चला कि शैली देवी ने एम्स थाना क्षेत्र के सोनबरसा में किराए के मकान में रहने वाली एक युवती को फर्जी शादी के लिए तैयार किया था। इस गिरोह में शामिल लुटेरी दुल्हन अपने एक अन्य परिचित युवती को भी साथ मिलाया था।

पार्ट टाइम पीएचडी के नियमों में बड़ा बदलाव, बिना नौकरी करे भी बन सकेंगे शोधार्थी

आगरा, एजेंसी। पीएचडी के लिए अभ्यर्थी 20 अप्रैल तक आवेदन कर सकेंगे, जबकि 25 अप्रैल तक आवेदन की हार्ड कॉपी विवि में जमा करनी होगी। विश्वविद्यालय की ओर से छात्रों की अधिक संख्या और कई के आवेदन से वंचित रह जाने के कारण तिथि बढ़ाने का फैसला लिया गया है। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय ने शोधार्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। इसके तहत अब ऐसे छात्र भी पार्ट टाइम पीएचडी कर सकेंगे जो किसी नौकरी में नहीं हैं। पहले यह सुविधा केवल नौकरीपेशा अभ्यर्थियों तक सीमित थी।

विश्वविद्यालय की रिसर्च एडवाइजरी कमेटी की बैठक में यह निर्णय लिया गया। डीन रिसर्च प्रो. बीपी सिंह ने बताया कि नए नियम के तहत अब छात्र निर्धारित प्रक्रिया पूरी कर पार्ट टाइम पीएचडी में प्रवेश ले सकेंगे। जो भी छात्र प्रवेश परीक्षा पास करता है वो इसका फायदा उठा सकता है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय बड़ी संख्या में उन छात्रों के लिए फायदेमंद होगा जो नियमित पीएचडी नहीं कर पा रहे थे।

इस बीच विश्वविद्यालय ने पीएचडी 2026 के आवेदन की अंतिम तिथि भी बढ़ा दी है। अब अभ्यर्थी 20 अप्रैल तक आवेदन कर सकेंगे, जबकि 25 अप्रैल तक आवेदन की हार्ड कॉपी विवि में जमा करनी होगी। प्रो. सिंह ने बताया कि छात्रों की अधिक संख्या और कई के आवेदन से वंचित रह जाने के कारण तिथि बढ़ाने का फैसला लिया गया है।

अब तक करीब 3900 आवेदन प्राप्त हो चुके हैं और संख्या बढ़ने की उम्मीद है। रिसर्च व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सुपरवाइजर्स (रिसर्च गाइड) की संख्या भी बढाई गई है।

हाईटेंशन लाइन से किसानों की 32 बीघा गेंहू की फसल जली, बिजलीघर पर धरना

मेरठ, एजेंसी। मवाना सड़क के बहचौला गांव में एक बड़ी घटना सामने आई है। हाईटेंशन लाइन का तार टूटने से कई किसानों की गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। इस घटना में करीब बत्तीस बीघा फसल का नुकसान हुआ है। विद्युत विभाग की लापरवाही से नाराज किसानों ने अम्हैड़ा बिजलीघर पर धरना दिया। धरना देने वालों में दिनेश चौहान, विक्की शर्मा, सुभाष चंद, सोनू चौहान, चिंता देवी और शोभाराम आदि मौजूद रहे।यह घटना बहचौला गांव के जंगल में शनिवार दोपहर खेत के ऊपर से जा रही हाईटेंशन लाइन के तार हवा से टकराकर टूट गए। तारों के टूटने से निकली चिंगारी ने खेतों में आग लगा दी। आग तेजी से फैली और किसानों की खड़ी फसल को अपनी चपेट में ले लिया। सूचना पुलिस और फायर ब्रिगेड को दी गई। गांव के लोगों ने किसी तरह आग बुझाई, परंतु तब तक फसल जल चुकी थी। आग से शोभा शर्मा, सुभाष शर्मा, महा सिंह और चिंता देवी चार किसानों को भारी नुकसान हुआ। उनकी करीब 32 बीघा गेहूं की फसल पूरी तरह जल गई। विद्युत विभाग की इस लापरवाही से किसान बेहद आक्रोशित थे।विद्युत विभाग की लापरवाही से किसान नाराज हो गए। नुकसान से गुस्साए किसान ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर अम्हैड़ा बिजलीघर पहुंच गए। उन्होंने वहां पहुंचकर विद्युत विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। वरिष्ठ भाजपा नेता चौधरी अजीत सिंह के नेतृत्व में क किसानों ने बिजलीघर पर धरना शुरू कर दिया। उनकी मुख्य मांग जर्जर विद्युत लाइन को तुरंत बदलने की थी। इसके साथ ही, किसानों ने आग से हुए नुकसान के लिए उचित मुआवजे की भी मांग की। किसानों के धरने की सूचना मिलते ही गंगानगर उपखंड अधिकारी अरविंद कुमार कुशवाहा मौके पर पहुंचे। उन्होंने किसानों से बात की और उन्हें समझाने का प्रयास किया।

औद्योगिक सौहार्द की दिशा में बड़ा कदम: गौतम बुद्ध नगर में उच्च स्तरीय समिति सक्रिय

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनपद गौतम बुद्ध नगर में उत्पन्न औद्योगिक असामंजस्य की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए शासन स्तर पर उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। इस पहल का उद्देश्य औद्योगिक क्षेत्रों में शांति व्यवस्था बनाए रखना, श्रमिकों और प्रबंधन के बीच बेहतर संवाद स्थापित करना तथा औद्योगिक वातावरण को संतुलित और स्थिर बनाना है।

समिति की अध्यक्षता औद्योगिक विकास आयुक्त उत्तर प्रदेश द्वारा की जा रही है। उनके नेतृत्व में ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण के सभागार में श्रमिक प्रतिनिधियों और संबंधित पक्षों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर मुख्य सचिव सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विभाग, प्रमुख सचिव श्रम एवं सेवायोजन, श्रम आयुक्त उत्तर प्रदेश, मंडलायुक्त मेरठ, जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर सहित प्रशासन और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक के दौरान विभिन्न कंपनियों में कार्यरत श्रमिकों की समस्याओं को विस्तार से सुना गया। श्रमिकों ने वेतन वृद्धि, साप्ताहिक अवकाश, ओवरटाइम का दोगुना भुगतान, श्रमिक हितों की सुरक्षा तथा सम्मानजनक कार्य वातावरण जैसी प्रमुख मांगें समिति के समक्ष रखीं। समिति ने आश्वासन दिया कि श्रमिकों के हितों की रक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी और सभी औद्योगिक इकाइयों में श्रम कानूनों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराया जाएगा। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि सभी पक्षों के बीच समन्वय स्थापित कर समस्याओं का चरणबद्ध समाधान किया जाएगा।

समिति ने श्रमिकों से अपील की है कि वे शांतिपूर्ण तरीके से अपने कार्यस्थलों पर लौटें और किसी भी प्रकार की अफवाहों या भ्रामक सूचनाओं पर ध्यान न दें। केवल आधिकारिक सूचनाओं पर विश्वास बनाए रखें, जिससे औद्योगिक क्षेत्रों में सौहार्द, विश्वास और स्थिरता बनी रहे।

अध्यात्म से ही मिलता है मोक्ष का मार्ग : पंडित कौशल कृष्ण शास्त्री

दादरी (शिखर समाचार)। तुलसी विहार कॉलोनी में आयोजित श्री शिव महापुराण कथा में पंडित कौशल कृष्ण शास्त्री ने कहा कि मानव जीवन में अध्यात्म का विशेष महत्व है और यही मोक्ष प्राप्ति का सच्चा मार्ग है।

उन्होंने कहा कि भगवान शिव की कथा का श्रवण और उसका अनुसरण व्यक्ति को भवसागर से पार लगाने का कार्य करता है। 84 लाख योनियों में भटकने के बाद मनुष्य जन्म मिलता है, जिसे अध्यात्म और भक्ति के माध्यम से सार्थक बनाया जा सकता है।

पंडित शास्त्री ने कहा कि सत्संग, भजन और भगवान शिव की उपासना ही जीवन को सफल बनाती है और मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करती है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में आध्यात्मिकता को अपनाना चाहिए।

इस अवसर पर सुंदर भाटी, आनंद सिंह, सोनिया देवी, संजू देवी, देवीराम प्रधान, मिथिलेश सिसोदिया, रेखा शर्मा, रजनी शर्मा, राजबाला और शोभा रानी सहित कई श्रद्धालु उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह और अटल बिहारी वाजपेयी का सपना हो रहा है साकार : जयंत चौधरी

मुजफ्फरनगर(शिखर समाचार)। केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश का नौजवान विकास को पंख लगने के साथ नए सपने देख रहा है और उन्हें साकार करने के लिए राज्य व केंद्र सरकार निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, मंत्रियों, सांसदों और सभी जनप्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी के सामूहिक प्रयासों से प्रदेश आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने मुजफ्फरनगर की धरती को चौधरी चरण सिंह और चौधरी अजीत सिंह की कर्मभूमि बताते हुए कहा कि यहां जो विकास कार्य हो रहे हैं, वह उनके सपनों को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने उपस्थित युवाओं, छात्रों और मातृशक्ति को नमन करते हुए कहा कि आज गांव और गरीब परिवारों के नौजवानों को भी आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं।

जयंत चौधरी ने कहा कि पहले बड़े व्यवसायिक घरानों में अवसर सीमित रहते थे, लेकिन अब सरकार की नीतियों के चलते उन अवसरों की चाबी आम युवाओं के हाथ में आ रही है। उन्होंने कहा कि यदि किसी चीज को छोटा या कमजोर समझा जाएगा तो आगे चलकर कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा, इसलिए सभी को समान अवसर और सम्मान मिलना आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि सरकार ह्लसबका सम्मान, संवैधानिक मूल्यों की रक्षाह्व के सिद्धांत पर कार्य कर रही है। किसानों के मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि गन्ना मूल्य को लेकर जो लक्ष्य रखा गया था, उससे आगे बढ़ते हुए किसानों के हित में काम किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के नेतृत्व में ऐसे व्यक्ति हैं जो किसानों की समस्याओं को समझते हैं और उनके समाधान के लिए गंभीर हैं।

उन्होंने मोरना, बागपत सहित अन्य क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि कृषि उत्पादन बढ़ाने, चीनी मिलों के विस्तार और किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार सामाजिक न्याय को मजबूत करने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बीआर अंबेडकर का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने युवाओं को शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ने का संदेश दिया था, जिसे आज की सरकार आगे बढ़ा रही है।

बिजनौर: बंद मकानों को निशाना बनाने वाले मेरठ के अंतर्राज्यीय चोर गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

बिजनौर (शिखर समाचार)। थाना शहर कोतवाली पुलिस और स्वाट टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए शहर के एक पॉश इलाके में हुई बड़ी चोरी का खुलासा किया है। पुलिस ने मेरठ निवासी शातिर अंतर्राज्यीय चोर गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके पास से लाखों रुपये की नगदी और चांदी बरामद की है। यह गिरोह वारदात के दौरान मोबाइल फोन बंद कर देता था, ताकि पुलिस उनकी लोकेशन ट्रेस न कर सके।

अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) कृष्ण गोपाल सिंह ने बताया कि 13 मार्च 2026 को नीलकमल टॉकीज के पास स्थित यशोदा कुंज निवासी व्यापारी अमित अग्रवाल के बंद मकान को निशाना बनाते हुए चोरों ने करीब पांच लाख रुपये की नगदी तथा सोने-चांदी के आभूषण चोरी कर लिए थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए स्वाट और एसओजी टीमों को जांच में लगाया गया।

जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने गिरोह की पहचान की। रविवार देर शाम घेराबंदी कर वसीम अकरम उर्फ चपटा, विनय उर्फ रिंकू और अरुण वर्मा (निवासी मेरठ) को उस समय गिरफ्तार कर लिया गया, जब वे एक अन्य बंद मकान में चोरी की योजना बना रहे थे। गिरोह के दो अन्य सदस्य अभी फरार हैं, जिनकी तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे वारदात से पहले अपने मोबाइल फोन बंद कर देते थे और चोरी के बाद मेरठ पहुंचकर ही उन्हें चालू करते थे। गिरोह मुख्य रूप से ऐसे बंद मकानों को निशाना बनाता था, जहां आसपास कोई मौजूद न हो। पकड़े गए आरोपियों में वसीम और विनय शातिर अपराधी हैं, जिन पर विभिन्न थानों में 21 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं।

स्टार शूटिंग एकेडमी के शूटर हिमांशु चौधरी ने जीता कांस्य पदक

बुढ़ाना/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। क्षेत्र के गांव बिटावदा स्थित स्टार शूटिंग एकेडमी के शूटर हिमांशु चौधरी ने शामली में आयोजित शूटिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि से क्षेत्र में खुशी का माहौल है।

एकेडमी के कोच विनीत मलिक ने जानकारी देते हुए बताया कि शामली जनपद में 9 अप्रैल से 12 अप्रैल तक आठवीं रजत निर्वाल मेमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप का आयोजन किया गया था, जिसमें विभिन्न जनपदों के प्रतिभाशाली शूटरों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के चैंपियन ऑफ चैंपियन वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए हिमांशु चौधरी ने कांस्य पदक हासिल किया। इसके साथ ही उन्हें 2100 रुपये का नकद पुरस्कार भी प्रदान किया गया। पदक जीतकर शूटिंग रेंज पहुंचने पर हिमांशु चौधरी का जोरदार स्वागत किया गया। एकेडमी में उन्हें मेडल पहनाकर और फूलमाला से सम्मानित किया गया। इस दौरान सभी शूटरों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी का इजहार किया और हिमांशु की सफलता पर गर्व व्यक्त किया।

साप्ताहिक बंदी को लेकर व्यापारी एकजुट, भूड़ क्षेत्र में बाजार बंद

खतौली/मुजफ्फरनगर (शिखर समाचार)। भूड़ क्षेत्र में सोमवार को साप्ताहिक बंदी के आह्वान पर व्यापारियों ने एकजुटता का परिचय देते हुए अधिकांश दुकानें बंद रखीं। सुबह से ही व्यापार संगठन के आह्वान पर व्यापारी अपनी अपनी दुकानें बंद कर निर्धारित स्थलों पर एकत्र हुए और बंदी को सफल बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाई।

व्यापार संगठन के पदाधिकारियों हंस कुमार जैन, महामंत्री अरविन्द जैन और अरुण जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि क्षेत्र में प्रत्येक सोमवार को साप्ताहिक बंदी निर्धारित है। इस दिन व्यापारी अपने व्यक्तिगत एवं अन्य आवश्यक कार्यों का निस्तारण करते हैं, जिसके चलते पूर्व में ही बंदी का आह्वान किया गया था।

व्यापारियों की एकजुटता के चलते साप्ताहिक बंदी पूरी तरह सफल रही। इस दौरान व्यापारियों ने बाजार में भ्रमण कर व्यवस्था का जायजा भी लिया। वहीं, शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क रहा और बाजार क्षेत्र में लगातार गश्त करता दिखाई दिया।

डाढ़ा गांव के 17 किसानों को मिला आबादी भूखंड, वर्षों का इंतजार खत्म

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण द्वारा डाढ़ा गांव के 17 किसानों को छह प्रतिशत आबादी के भूखंड आवंटित कर दिए गए हैं। सोमवार को प्राधिकरण कार्यालय में आयोजित प्रक्रिया के तहत समान आकार वाले 11 भूखंडों का ड्रा कराया गया, जबकि 6 भूखंडों का आकार अलग-अलग होने के कारण उनका सीधा आवंटन कर दिया गया।

इस दौरान जेवर विधायक प्रतिनिधि सुरेश शर्मा, ओएसडी रामनयन सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक नियोजन सुधीर कुमार, प्रबंधक प्रमोद कुमार और संदीप रावल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

दरअसल, डाढ़ा गांव के किसानों की जमीन अधिग्रहित होने के बाद से लंबे समय से छह प्रतिशत आबादी भूखंड का मामला लंबित चल रहा था। भूखंड प्राप्त करने के लिए किसानों ने प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार से भी कई बार गुहार लगाई थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए सीईओ ने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र आवंटन के निर्देश दिए।

नियोजन विभाग और छह प्रतिशत आबादी भूखंड विभाग की संयुक्त पहल से यह प्रक्रिया पूरी की गई। प्राधिकरण के ओएसडी रामनयन सिंह ने बताया कि किसानों को आबादी भूखंड देना प्राधिकरण की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि डाढ़ा गांव की तरह ही अन्य गांवों के पात्र किसानों को भी जल्द भूखंड आवंटित किए जाएंगे।

भीषण सड़क हादसा: बारात की बस और कैंटर की टक्कर में 6 की मौत, 7 घायल, मची अफरा तफरी

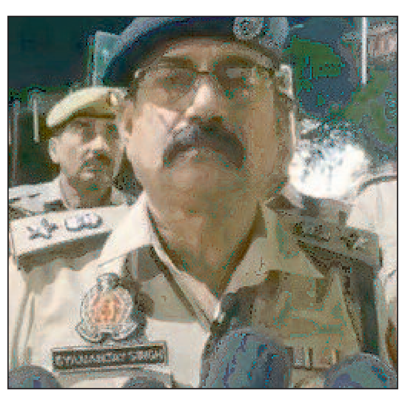

हापुड़ (शिखर समाचार)। थाना धौलाना क्षेत्र में देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे ने खुशियों को मातम में बदल दिया। बारात से लौट रही बस और सामने से आ रहे कैंटर की भीषण भिड़ंत में 6 बारातियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 7 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद इलाके में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार, गाजियाबाद के थाना वेब सिटी क्षेत्र स्थित डासना वार्ड नंबर-3 निवासी यूनुस के पुत्र जाहिद का निकाह बुलंदशहर के गुलावठी क्षेत्र के पीरखां मोहल्ले में शेर मोहम्मद की पुत्री चाइना के साथ संपन्न हुआ था। निकाह के बाद देर रात करीब एक बजे बस चालक अशोक गिरी करीब 20 बारातियों को लेकर वापस लौट रहा था। करीब दो बजे धौलाना-मसूरी मार्ग पर अरविंद डेयरी के पास सामने से आ रहे परचून के सामान से भरे कैंटर से बस की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गई और कैंटर बस के ऊपर जा गिरा। बस के परखच्चे उड़ गए और मौके पर चीख-पुकार मच गई।

रात का समय और अंधेरा होने के कारण राहत कार्य में शुरूआती दिक्कतें आईं, लेकिन सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। करीब एक घंटे की मशक्कत और हाईड्रा मशीन की मदद से बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया।

घायलों को तत्काल हापुड़ के मेडिकल कॉलेज और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जिन्हें जरूरत पड़ने पर हायर सेंटर रेफर किया जा सकता है।

इस हादसे में डासना निवासी यूनुस (50), युसूफ (55), अख्तर (40), सोनू (25), मुन्ना (60) और बस चालक अशोक गिरी (48) की मौत हो गई। वहीं नदीम, नईम, जुनेद, अय्यूब, सिराजुद्दीन, हसरत और हबीब समेत 7 लोग घायल हो गए, जिनका इलाज चल रहा है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार सभी घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया और उनके इलाज की समुचित व्यवस्था की गई है। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

विकास भवन में हुई यूपी विधान परिषद की आश्वासन समिति की समीक्षा बैठक

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। दुर्गावती देवी सभागार विकास भवन में सभापति मो. जासमीर अंसारी के सभापतित्व व सदस्य मुकुल यादव की गरिमामयी उपस्थिति में उत्तर प्रदेश विधान परिषद की आश्वासन समिति द्वारा निर्धारित बिंदुओं की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक प्रारम्भ होने से पूर्व जिलाधिकारी व अन्य अधिकारियों ने सभापति एवं समिति के सदस्यों का पुष्पगुच्छ, पटका एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत व सम्मान किया गया। बैठक में समिति की ओर से मुनेश कुमार (संयुक्त सचिव), विनय कुमार पांडेय (व्यक्तिगत सचिव), शिवम श्रीवास्तव (समीक्षा अधिकारी) एवं अजय प्रजापति (संवाददाता) उपस्थित रहे। प्रशासनिक अधिकारियों में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़, एड.सीपी केशव कुमार चौधरी, नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल सहित अन्य संबंधित अधिकारी/प्रतिनिधि मौजूद रहे।

बैठक के दौरान परिवहन, उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम, औद्योगिक विकास, श्रम विभाग, बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, उच्च शिक्षा, विद्युत विभाग, लोक निर्माण विभाग, राष्ट्रीय राजमार्ग, एचआर ग्रुप, अल्पसंख्यक, तकनीकी शिक्षा एवं नगर विकास विभाग से संबंधित 21 बिंदुओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। सभापति महोदय परिवहन विभाग को निर्देशित किया गया कि वाहन चालकों से केवल नियमानुसार कार्य लिया जाए तथा किसी भी स्थिति में नियमों के विरुद्ध वाहन संचालन नही कराया जाए, जिससे यात्रियों एवं आमजन की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। श्रम विभाग को निर्देश दिए गए कि शासन द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र श्रमिक तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि किसी भी विद्यालय के ऊपर से उच्च वोल्टेज विद्युत लाइन न गुजर रही हो। संबंधित अधिकारियों द्वारा अवगत कराया गया कि जिन विद्यालयों के ऊपर से विद्युत लाइन गुजर रही थी, उन्हें योजना के अंतर्गत हटाया जा चुका है। सभापति ने बेसिक शिक्षा अधिकारी को आरटीई के अंतर्गत शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही सीबीएसई बोर्ड में एनसीईआरटी पाठ्यक्रम लागू करने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। विद्यालयों में संचालित निजी वाहनों की जांच, पंजीकरण तथा अवैध (डग्गामार) वाहनों पर रोक लगाने के निर्देश भी दिए गए, जिससे छात्र-छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। नगर विकास विभाग को निर्देशित किया गया कि सभी नालों को ढकने की कार्यवाही शत-प्रतिशत पूर्ण की जाए, जिससे दुर्घटनाओं की रोकथाम हो तथा गंदगी एवं मच्छरों से होने वाली बीमारियों पर नियंत्रण पाया जा सके।

बैठक के अंत में सभापति ने कहा कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति को योजनाओं का लाभ दिलाते हुए सुरक्षित, स्वच्छ, शिक्षित एवं स्वस्थ वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की नैतिक जिम्मेदारी है।अंत में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल ने सभापति, सदस्य एवं उपस्थित सभी गणमान्यों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

मिशन शक्ति अभियान 2026: समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को किया गया सम्मानित

नोएडा (शिखर समाचार)। मिशन शक्ति अभियान 2026 के तहत जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन करके जहां पुलिस महिलाओं व छात्राओं को जागरुक कर रही है तो वहीं दूसरी तरफ समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित भी किया जा रहा है। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी चौहान के आदेश पर पुलिस आयुक्त कार्यालय पर मिशन शक्ति सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 38 महिला पुलिस कर्मियों को सम्मानित करते हुए समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को भी सम्मानित किया गया। खास बात यह है कि गुरुकुल फाउंडेशन एनजीओ की तरफ से कार्य करने वाली डॉक्टर रिचा कंचन को भी सम्मानित किया गया। वही कार्यक्रम के दौरान सही जवाब देने पर आशीष शर्मा को भी सम्मानित किया गया। एडिशनल सीपी डॉ. राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं और छात्राओं को लगातार जागरूक किया जा रहा है, जिससे उन्हें उनके मौलिक अधिकारों की पूर्ण जानकारी मिल सके। इस अभियान के तहत उन्हें अपराधों का शिकार होने से भी बचाया जा रहा है। उनसे लगातार अपील की जा रही है कि अगर उनके साथ किसी भी तरह का कोई अपराध होता है तो तत्काल पुलिस को सूचना दे, जिससे अपराधी पर सख्त कार्यवाही करते हुए उसे सख्त सजा दिलाई जा सके। समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं के हित में कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया। इसके अलावा पुलिस विभाग से जुड़ी 34 महिला पुलिस कर्मियों को भी सम्मानित किया गया है, जिससे उनका उत्साह वर्धन किया जा सके।

संपादकीय

आशा भोसले का अवसानः एक युग का अंत और सांस्कृतिक स्मृति की चुनौती

भारतीय संगीत जगत से 12 अप्रैल 2026 को आई एक बड़ी और भावनात्मक खबर ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया। स्वर साम्राज्ञी आशा भोसले के निधन की सूचना जैसे ही सामने आई, संगीत प्रेमियों के बीच शोक की लहर दौड़ गई। मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में उन्होंने अंतिम सांस ली और उनके पुत्र आनंद भोसले ने उन्हें मुखाग्नि देकर अंतिम विदाई दी। यह केवल एक महान कलाकार का जाना नहीं है, बल्कि एक ऐसे युग का अवसान है जिसने भारतीय सिनेमा और संगीत को अपनी विविधता, जीवंतता और अनूठे प्रयोगों से समृद्ध किया।

आशा भोसले का जीवन केवल गीतों की श्रृंखला नहीं था, बल्कि वह भारतीय सांस्कृतिक चेतना की एक जीवंत धारा थीं। उन्होंने हजारों गीत गाए, जिनमें शास्त्रीय संगीत से लेकर पॉप, गजल, भजन और पश्चिमी प्रभावों तक का अद्भुत मिश्रण देखने को मिलता है। उनके स्वर में जो लचीलापन, भावनात्मक गहराई और प्रयोगधर्मिता थी, वह उन्हें अपने समय की अन्य गायिकाओं से अलग बनाती थी। यही कारण है कि वे केवल एक पार्श्वगायिका नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक संस्था बन गई थीं। उनका जाना ऐसे समय में हुआ है जब भारत अपनी सांस्कृतिक विरासत को लेकर नए सिरे से विमर्श कर रहा है। डिजिटल युग में जहां संगीत का स्वरूप तेजी से बदल रहा है, वहीं आशा भोसले जैसी हस्तियों का योगदान हमें यह याद दिलाता है कि कला केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि समाज की आत्मा होती है। आज जब संगीत एल्गोरिद्म और ट्रेंड्स के सहारे आगे बढ़ रहा है, तब यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या हम अपनी मूल सांगीतिक विरासत को सुरक्षित रख पा रहे हैं? आशा भोसले का करियर इस बात का प्रमाण है कि सच्ची कला समय और सीमाओं से परे होती है। उन्होंने हिंदी के अलावा मराठी, बंगाली, गुजराती, पंजाबी, तमिल, अंग्रेजी और कई अन्य भाषाओं में गीत गाए। उनका वैश्विक प्रभाव इस बात का संकेत है कि भारतीय संगीत की पहुँच कितनी व्यापक है। आज जब वैश्वीकरण के दौर में सांस्कृतिक पहचान का संकट गहराता जा रहा है, तब उनके जैसे कलाकारों की विरासत हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहने की प्रेरणा देती है।

उनके निधन के बाद देशभर में शोक सभाएं आयोजित हो रही हैं, सोशल मीडिया पर लाखों लोग उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं और उनके गीतों को साझा कर रहे हैं। यह दृश्य केवल एक कलाकार के प्रति सम्मान नहीं, बल्कि उस भावनात्मक जुड़ाव का प्रमाण है जो उन्होंने अपने श्रोताओं के साथ दशकों में स्थापित किया। यह जुड़ाव आज की पीढ़ी के लिए एक सीख है कि लोकप्रियता केवल क्षणिक नहीं होनी चाहिए, बल्कि उसमें स्थायित्व और गहराई भी होनी चाहिए।

हालांकि, इस पूरे घटनाक्रम के बीच एक महत्वपूर्ण सवाल यह भी उठता है कि क्या हम अपने जीवित महान कलाकारों का उतना ही सम्मान करते हैं जितना उनके जाने के बाद करते हैं? अक्सर देखा गया है कि समाज अपने कलाकारों को तब याद करता है जब वे हमारे बीच नहीं रहते। यह प्रवृत्ति केवल दुखद ही नहीं, बल्कि चिंताजनक भी है। हमें यह समझना होगा कि सांस्कृतिक धरोहर केवल अतीत की चीज नहीं होती, बल्कि वह वर्तमान में भी जीवित रहती है और उसे संजोने की जिम्मेदारी हमारी होती है। सरकार और सांस्कृतिक संस्थानों की भूमिका भी इस संदर्भ में महत्वपूर्ण हो जाती है। आशा भोसले जैसी महान विभूतियों के योगदान को केवल पुरस्कारों और सम्मानों तक सीमित नहीं रखा जाना चाहिए, बल्कि उनके कार्यों को संरक्षित और प्रचारित करने के लिए ठोस प्रयास किए जाने चाहिए। संगीत शिक्षा में उनके योगदान को शामिल करना, उनके दुर्लभ गीतों का डिजिटलीकरण और नई पीढ़ी को उनसे परिचित कराना समय की मांग है।

~ मौलिक चिंतन ~

अपने फायदे के लिए दूसरों का इस्तेमाल करने वालों पर भरोसा करना मूर्खता है।

© विनय संकोची

नारी शक्ति वंदन शंका व संग्राम

विनोद कुमार सिंह

संसद का विशेष सत्र का ऐसे समय बुलाया गया है जब 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव हो रही है।

विश्व का सबसे बड़े लोकतंत्र भारत वर्तमान परिपेक्ष में एक ऐसे संक्रमण काल से गुजर रहा है,जहाँ सामाजिक परिवर्तन और राजनीतिक रणनीति एक-दूसरे में गुंथकर नई दिशा तय कर रहे हैं। 'नारी शक्ति वंदन' का उभरता विमर्श,संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र और इसके इर्द-गिर्द तेज होती राजनीतिक हलचल इस बात का संकेत है कि देश की आधी आबादी अब केवल चर्चा का विषय नहीं,बल्कि सत्ता-समीकरण का केंद्र बन चुकी है। यह वह काल है, जहाँ नारी शक्ति का प्रश्न भावनात्मक अपील से आगे बढ़कर ठोस राजनीतिक और संवैधानिक निर्णयों की कसौटी पर खड़ा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ऐतिहासिक विज्ञान भवन में दिए गए वक्तव्यों ने इस बहस को नई गति दी है।केन्द्र सरकार इसे ऐतिहासिक निर्णय की दिशा में निर्णायक कदम बता रही है,वही कांग्रेस व विपक्षी राजनीतिक दल इसे समय-प्रबंधन और राजनीतिक लाभ के नजरिये से देख रहा है। परिणाम स्वरूप यहीं से सत्ता और विपक्ष के बीच वह टकराव स्पष्ट रूप से उभरता है,जो भारतीय लोकतंत्र की पहचान भी और उसकी शक्ति भी है।भारतीय जनता पार्टी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन इस पूरे विमर्श को महिला सशक्तिकरण की दीर्घकालिक नीति का स्वाभाविक विस्तार मानते हैं। उनका तर्क है कि पिछले वर्षों में महिलाओं को आर्थिक,सामाजिक और स्वास्थ्य के स्तर पर मजबूत करने के लिए जो योजनाएं लागू की गईं,वे अब राजनीतिक प्रतिनिधित्व के रूप में परिणत होने जा रही हैं।जनधन योजना के माध्यम से बैंकिंग पहुँच, उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन,स्वयं सहायता समूहों के जरिए आर्थिक सशक्तिकरण और 'लखपति दीदी' जैसी पहलों को इस परिवर्तन की पृष्ठभूमि के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है।उनका यह तर्क दिया जा रहा है कि जब आधार तैयार हो चुका है,तब राजनीतिक भागीदारी को बढ़ाना स्वाभाविक अगला कदम है।वही इसके विपरीत कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इस पूरी प्रक्रिया को अधूरा और प्रश्नों से घिरा हुआ मानते हैं।उनका कहना है कि यदि महिलाओं को वास्तविक सशक्तिकरण देना है,तो आरक्षण के भीतर भी सामाजिक न्याय सुनिश्चित किया जाना चाहिए,ताकि पिछड़े वर्गों,दलितों और आदिवासी समुदायों की महिलाओं को भी समान अवसर मिल सके।इसके साथ ही वे इस बात पर भी सवाल उठाते हैं कि क्रियान्वयन को भविष्य की समयसीमा से क्यों जोड़ा गया है।विपक्ष के अनुसार, यह देरी कहीं न कहीं इस मुद्दे को चुनावी लाभ के लिए उपयोग करने की रणनीति को दशार्ती है।यह टकराव केवल विधायी प्रक्रिया का नहीं,बल्कि राजनीतिक नैरेटिव का संघर्ष बन चुका है। एक ओर सत्ता पक्ष इसे उपलब्धियों की श्रृंखला के रूप में प्रस्तुत कर रहा है,तो दूसरी ओर विपक्ष इसे अधूरी प्रतिबद्धता और राजनीतिक गणित का परिणाम बताने में लगा है।इस पूरे परिदृश्य में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दोनों पक्ष 'नारी शक्ति' को अपने-अपने तरीके से केंद्र में रख रहे हैं,जो इस बात का प्रमाण है कि महिलाओं का मुद्दा अब भारतीय राजनीति में निर्णायक बन चुका है।अगर हम इस पहलू के संभावित लाभों की चर्चा करें तो यह स्पष्ट है कि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से लोकतंत्र अधिक संतुलित और समावेशी बन सकता है।पंचायत स्तर पर महिलाओं की सक्रिय भूमिका पहले ही यह साबित कर चुकी है कि जब उन्हें अवसर मिलता है,तो वे विकास की प्राथमिकताओं को नई दिशा देती हैं। जल, स्वास्थ्य, शिक्षा और पोषण जैसे विषयों पर उनका दृष्टिकोण अधिक संवेदनशील और व्यावहारिक होता है।यदि यही अनुभव संसद और विधानसभाओं तक पहुंचता है,तो नीतियों में व्यापक बदलाव संभव है। इसके साथ ही चुनावी राजनीति में महिलाओं की भूमिका भी तेजी से बदल रही है।वे अब केवल मतदाता नहीं,बल्कि निर्णायक मतदाता के रूप में उभर रही हैं। पिछले कुछ चुनावों में यह देखा गया है कि महिला मतदाताओं की भागीदारी और उनके मतदान के पैटर्न ने कई राज्यों में परिणामों को प्रभावित किया है।यही कारण है कि सभी राजनीतिक दल अब इस वर्ग को अपने पक्ष में करने के लिए विशेष रणनीतियां बना रहे हैं।

हालांकि,इस पूरी प्रक्रिया के सामने कई चुनौतियां भी हैं।सबसे बड़ी चुनौती है क्रियान्वयन की विश्वसनीयता।यदि यह पहल केवल घोषणा तक सीमित रह जाती है या इसमें अनावश्यक देरी होती है,तो इसका प्रभाव कमजोर पड़ सकता है। इसके अलावा,यह भी सुनिश्चित करना आवश्यक होगा कि महिलाओं को केवल प्रतीकात्मक प्रतिनिधित्व न मिले,बल्कि वे वास्तविक निर्णय प्रक्रिया का हिस्सा बनें। पंचायत स्तर पर कई जगहों पर देखी गई 'प्रॉक्सी राजनीति' की प्रवृत्ति को भी गंभीरता से रोकना होगा,अन्यथा इस पहल का मूल उद्देश्य प्रभावित हो सकता है। आने वाले विधानसभा चुनाव इस पूरे विमर्श की वास्तविक परीक्षा साबित होंगे।भाजपा और एनडीए इस मुद्दे को अपनी उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत करते हुए महिला मतदाताओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास करेंगे।वहीं कांग्रेस और विपक्ष इस मुद्दे को अधूरे वादे और सामाजिक न्याय के अधूरे पहलू के रूप में उठाकर सरकार को घेरने की कोशिश करेंगे।इस राजनीतिक प्रतिस्पर्धा के बीच महिला मतदाता ही वह निर्णायक शक्ति होंगी,जो इस बहस को वास्तविक

परिणाम में बदलेंगी। राजनीतिक दृष्टि से यह पहल दोनों पक्षों के लिए अवसर और जोखिम दोनों लेकर आई है।यदि सरकार इसे प्रभावी ढंग से लागू करती है और महिलाओं के बीच विश्वास कायम रखती है,तो यह उसे दीर्घकालिक लाभ दे सकता है।वहीं यदि विपक्ष इस मुद्दे को सामाजिक न्याय और वास्तविक सशक्तिकरण के व्यापक संदर्भ में प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करता है,तो वह भी राजनीतिक रूप से लाभान्वित हो सकता है।अंततः'नारी शक्ति वंदन' केवल एक विधायी पहल नहीं, बल्कि भारतीय समाज और राजनीति के गहरे परिवर्तन का संकेत है।यह उस दिशा में एक कदम है,जहाँ महिलाएं केवल भागीदार नहीं,बल्कि नीति-निमार्ता बनेंगी।संसद का विशेष सत्र, राजनीतिक दलों के बीच टकराव और चुनावी रणनीतियाँ का हिस्सा हो । कुल मिलाकर एक ऐसे भविष्य की रूपरेखा तैयार कर रहे हैं,जिसमें आधी आबादी की आवाज न केवल सुनी जाएगी, बल्कि वही देश की दिशा भी तय करेगी।भारत का लोकतंत्र तभी पूर्ण और सशक्त माना जाएगा,जब उसकी आधी आबादी निर्णय प्रक्रिया में समान रूप से भागीदार होगी।वर्तमान परिदृश्य इसी दिशा में बढ़ता हुआ एक महत्वपूर्ण अध्याय है,जो भविष्य में देश की राजनीति और समाज दोनों को गहराई से प्रभावित करेगा।

कूटनीति के जरिए पेट्रोलियम आपूर्ति को रखा बरकरार

उमेश चतुर्वेदी

28 फरवरी को ईरान पर अमेरिकी और इजरायली हमले के बाद पूरी दुनिया की चिंता ऊर्जा को लेकर थी। आज की दुनिया ऊर्जा के लिए जीवाश्म तेलों पर सबसे ज्यादा निर्भर है, जिसे हम पेट्रोल और डीजल के रूप में जानते हैं। इसके साथ ही प्राकृतिक गैस भी आज ऊर्जा की बड़ी स्रोत है। ईरान पर हमले के पहले बहुत लोगों ने होमुर्ज जलडमरूमध्य का नाम नहीं सुना था, लेकिन आज हर पढ़ा-लिखा और सचेत शख्स इसे जान गया है। फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के बीच स्थित इस संकरे समुद्री रास्ते पर ईरान का कब्जा है। इसके जरिए पूरी दुनिया को आपूर्ति होने वाला बीस प्रतिशत पेट्रोलियम पदार्थ इसी रास्ते से गुजरता रहा है। जहां तक भारत का सवाल है तो ईरान पर हमले के पहले तक भारत आयात होने वाले कच्चे तेल के आधे हिस्से की आपूर्ति इसी रास्ते होती थी। इससे भारत की चिंताएं बढ़ना स्वाभाविक थी। लेकिन भारत ने ना सिर्फ होमुर्ज के जरिए अपनी आपूर्ति को बनाए रखने की कूटनीतिक कोशिशें जारी रखीं, बल्कि वैकल्पिक रास्ते की भी तलाश तेज कर दी।

भारत अपनी पेट्रोलियम जरूरतों का करीब 85 फीसद हिस्सा आयात करता है। इसका आधा हिस्सा होमुर्ज के रास्ते ही आता था। भारतीय वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार होमुर्ज के रास्ते भारत रोजाना ढाई से 2.7 मिलियन बैरल कच्चा तेल आयात करता था। लेकिन ईरान पर हमले के बाद यह घटकर इसका आधा ही रह गया है। वैसे तो होमुर्ज पर ओमान का भी दावा माना जाता है, लेकिन हकीकत में इस जलमार्ग पर पूरी तरह ईरान का दबदबा है। हमले के बाद ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने इस रास्ते पर ना सिर्फ निगरानी बढ़ा दी है, बल्कि सीमित आवाजाही हो ही मंजूरी दी है।

भारत को इसकी आशंका थी, इसलिए उसने खाड़ी के देशों से तेल आयात के लिए वैकल्पिक मार्गों पर भी ध्यान देना शुरू कर दिया। संकट के क्षण में भले ही ईरान ने भारत के प्रति सहयोगी रूख अख्तियार कर रखा है, लेकिन भारत ने 'केप ऑफ गुड होप' यानी अफ्रीका के दक्षिण से गुजरने वाले जलमार्ग का भी उपयोग बढ़ा दिया है। इस बीच भारत ने कूटनीतिक प्रयास जारी रखा। इसका असर यह हुआ कि ईरान भारतीय जहाजों को होमुर्ज से गुजरने की अनुमति दे रहा है। एलपीजी लदा एक जहाज कोचीन आ चुका है और ऐसे ही कुछ और जहाज तेल और गैस लेकर भारत आ रहे हैं। इस बीच भारत ओमान की खाड़ी से गुजरने वाले जहाजों को अपनी नौसेना के जरिए सुरक्षा दे रहा है। भारत सरकार के अनुसार, भारतीय रिफायनरियों के पास कच्चे तेल का पर्याप्त भंडार है। इस बीच भारत ने रूस से भी कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति बढ़ा दी है। इसका असर यह हुआ है कि भारत में जिस तरह की महंगाई की आशंका थी, वैसी नहीं दिखी। हालांकि उद्योगों के लिए आपूर्ति किए जाने वाले व्यवसायिक गैस सिलिंडर की कीमतें बढ़ा दी गई हैं। तेल की बढ़ती कीमतों और व्यवसायिक गैस की आपूर्ति कम होने के चलते खाने-पीने वाली चीजों की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। महानगरों में सर्वसुलभ ठेले की चाय की कीमतें डेढ़ गुनी तक बढ़ चुकी हैं। लेकिन आपूर्ति श्रृंखला जारी रहने के चलते स्थिति खराब नहीं हुई है। जबकि पड़ोसी पाकिस्तान में आधी गाड़ियों को ही सड़कों पर उतरने की अनुमति है, वहां पेट्रोल भारत के मुकाबले करीब ढाई गुनी ऊंची दर पर मिल रहा है। पश्चिम एशिया में संकट शुरू होने के बाद कूटनीति की कमान प्रधानमंत्री मोदी ने संभालते हुए युद्ध शुरू होने के महज 48 घंटों के भीतर आठ खाड़ी देशों संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, कुवैत,ओमान, कतर, जार्डन, ओमान, बहरीन और इजरायल के नेताओं से बात की। इसके साथ ही उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रां और मलयेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहीम से बात की। इस बातचीत का मकसद वैश्विक हालात पर चर्चा के साथ ही भारतीय हितों को सुनिश्चित करना भी था। इस बीच 'गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल' के महासचिव जासेम मोहम्मद अल बुदैवी से फोन पर वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने बात की है। इस बातचीत का मकसद खाड़ी देशों के इस संगठन के साथ एकजुटता प्रदर्शित करने के साथ ही भावी ऊर्जा संकट से भारत को मुक्ति दिलाने को लेकर रणनीति बनाना भी है। इसके पहले मंत्री हरदीप पुरी ने कतर की यात्रा की थी। दरअसल भारत इन देशों से भी पेट्रोलियम पदार्थों का आयात बढ़ाना चाहता है। भारत की कोशिश ईरान के विकल्प के रूप में अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए दूसरे देशों का भी सहयोग हासिल करने की है।

भारत को अपनी खेती के लिए रासायनिक खाद की भी जरूरत पड़ती है। भारत में खाद उत्पादन के लिए पेट्रोलियम पदार्थों का सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है।

बेशक रूस से भारत को कच्चा तेल और खाद की सामग्री मिल रही है, लेकिन भारत की कोशिश आपूर्ति को विविधरंगी बनाए रखना है। इसकी वजह यह है कि किसी एक देश पर किसी खास आयात के लिए पूरी तरह निर्भर होना भविष्य में ब्लैकमेलिंग की वजह बन सकता है। भारत के पास आज करीब साठ करोड़ का ऐसा विशाल मध्य वर्ग है, जिसकी खरीद क्षमता लगातार बढ़ रही है। ऐसे में शायद ही कोई उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादक देश ऐसा होगा, जिसे भारत की जरूरत महसूस नहीं होगी। लेकिन भारत की अपनी जरूरतें भी हैं और यहां लोकतांत्रिक व्यवस्था है। ऐसी व्यवस्था में अगर किसी चीज की गंभीर कमी होती है तो अफरातफरी का माहौल उत्पन्न होना आसान हो जाता है। इससे महंगाई भी बढ़ती है। महंगाई बढ़ने से लोक के बीच नाराजगी बढ़ती है और फिर यह गुस्सा राज व्यवस्था के खिलाफ आंदोलनों के रूप में मुखर होता है। तेल और ईरान संकट को देखते हुए भारत ने कूटनीतिक कार्रवाई करते हुए जिस तरह अपनी जरूरतों के लायक आपूर्ति का संतुलन बनाए रखा है, वह गौर करने लायक है।

डॉ. अंबेडकर : संविधान के शिल्पकार, सामाजिक न्याय के महानायक

योगेश कुमार गोयल

अम्बेडकर की सबसे बड़ी देन यह है कि उन्होंने समाज के वंचित और उपेक्षित वर्गों को आत्मसम्मान और अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा दी। उनका प्रसिद्ध नारा 'शिक्षित बनो, संगठित हो, संघर्ष करो' आज भी सामाजिक परिवर्तन का मूल मंत्र है। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि वास्तविक परिवर्तन विचारों, शिक्षा और संवैधानिक मार्ग से ही संभव है। वे नारे नहीं बल्कि एक निरंतर प्रवाहित विचारधारा हैं; वे केवल व्यक्तित्व नहीं बल्कि एक ऐसी चेतना हैं, जो हर युग में समाज को दिशा देती है।

व्यक्ति नहीं, क्रांति का नाम है डॉ. भीमराव अंबेडकर...

भारत के सामाजिक, राजनीतिक और संवैधानिक इतिहास में डॉ. भीमराव अंबेडकर का व्यक्तित्व एक ऐसे विराट बौद्धिक और नैतिक शिखर के रूप में स्थापित है, जिसने भारतीय समाज की जड़ता को चुनौती देते हुए उसे समता, न्याय और बंधुत्व के आधुनिक मूल्यों से आलोकित किया। वे केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक जीवंत विचारधारा, एक जागृत चेतना और एक सतत सामाजिक क्रांति के पर्याय हैं। 14 अप्रैल 1891 को मध्य प्रदेश के महू में जन्मे अंबेडकर ने उस सामाजिक यथार्थ को स्वयं जिया, जिसमें जन्म के आधार पर मनुष्य की गरिमा निर्धारित की जाती थी। बाल्यावस्था में झेली गई उपेक्षा, भेदभाव और अपमान ने उनके भीतर निराशा नहीं, परिवर्तन की एक प्रखर और संगठित चेतना को जन्म दिया। उनके जीवन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह थी कि उन्होंने अपने व्यक्तिगत संघर्षों को व्यापक सामाजिक संघर्ष में रूपांतरित किया। शिक्षा उनके लिए केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं थी बल्कि सामाजिक मुक्ति का सबसे सशक्त औजार थी।

सीमित संसाधनों और विषम परिस्थितियों के बावजूद डॉ. अंबेडकर ने अपनी अदम्य इच्छाशक्ति के बल पर उच्च शिक्षा प्राप्त की। कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स जैसे विश्वविख्यात संस्थानों में अध्ययन करते हुए उन्होंने अर्थशास्त्र, राजनीति और विधि के क्षेत्र में गहन अध्ययन किया और अपने ज्ञान को सामाजिक परिवर्तन के लिए समर्पित किया। यह शिक्षा ही थी, जिसने उन्हें भारतीय समाज की संरचनात्मक विसंगतियों को समझने और उनके समाधान के लिए ठोस नीतिगत दृष्टिकोण विकसित करने में सक्षम बनाया। अंबेडकर का जीवन केवल संघर्षों का इतिहास नहीं बल्कि समाधान की एक सुविचारित और व्यवस्थित प्रक्रिया है। उन्होंने यह स्पष्ट रूप से समझ लिया था कि सामाजिक परिवर्तन केवल भावनात्मक आवेग से संभव नहीं है बल्कि इसके लिए वैचारिक स्पष्टता, संगठित प्रयास और संस्थागत ढांचे की आवश्यकता होती है। 1927 का महाड़ सत्याग्रह इसी सोच का परिणाम था, जिसमें उन्होंने दलितों के लिए सार्वजनिक जल स्रोतों तक पहुंच सुनिश्चित करने के अधिकार की मांग की। यह केवल पानी के अधिकार का प्रश्न नहीं था बल्कि सामाजिक समानता के मूल सिद्धांत की स्थापना का प्रयास था। इसी प्रकार 1930 का कालाराम मंदिर प्रवेश आंदोलन धार्मिक स्थलों में समान अधिकार की मांग का प्रतीक था, जिसने यह स्पष्ट कर दिया कि अंबेडकर का संघर्ष केवल सामाजिक ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक और धार्मिक समानता के लिए भी था।

महात्मा गांधी के साथ 1932 में हुआ पूना समझौता अंबेडकर की राजनीतिक दूरदर्शिता और सामाजिक उत्तरदायित्व का परिचायक था। उन्होंने अपने सिद्धांतों से समझौता किए बिना राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता को प्राथमिकता दी। यह समझौता इस बात का उदाहरण था कि वे केवल संघर्ष करने वाले नेता नहीं थे बल्कि समाधान खोजने वाले युगदृष्टा भी थे। भारतीय संविधान के निर्माण में अंबेडकर की भूमिका उन्हें इतिहास में एक अद्वितीय स्थान प्रदान करती है। संविधान प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने एक ऐसे लोकतांत्रिक ढांचे की रचना की, जिसमें प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार, स्वतंत्रता और न्याय की गारंटी मिले। उनके लिए संविधान केवल एक विधिक दस्तावेज नहीं था बल्कि सामाजिक परिवर्तन का एक सशक्त साधन था। उन्होंने संविधान में समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व के सिद्धांतों को इस प्रकार समाहित किया कि यह भारतीय समाज की विविधता के बीच एकता को बनाए रखने का माध्यम बन सके।

डॉ. अंबेडकर ने यह स्पष्ट चेतावनी दी थी कि यदि सामाजिक लोकतंत्र स्थापित नहीं हुआ तो राजनीतिक लोकतंत्र भी स्थायी नहीं रह पाएगा। उनका यह दृष्टिकोण आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना उस समय था। उन्होंने अनुसूचित जातियों और जनजातियों के लिए आरक्षण की व्यवस्था, मौलिक अधिकारों की स्थापना और अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा के माध्यम से एक समावेशी समाज की नींव रखी। अंबेडकर की क्रांतिकारी चेतना का एक महत्वपूर्ण आयाम उनका धार्मिक दृष्टिकोण भी था। उन्होंने धर्म को व्यक्ति की गरिमा और सामाजिक समानता के संदर्भ में देखा। 14 अक्टूबर 1956 को नागपुर में उन्होंने बौद्ध धर्म ग्रहण किया, जो उनके जीवन का एक ऐतिहासिक और प्रतीकात्मक निर्णय था। यह केवल धर्म परिवर्तन नहीं था बल्कि सामाजिक अन्याय के विरुद्ध एक सशक्त वैचारिक घोषणा थी। बौद्ध धर्म के माध्यम से उन्होंने करुणा, समता और मानवता के मूल्यों को पुनर्स्थापित करने का प्रयास किया।

डॉ. अम्बेडकर के जीवन का एक और महत्वपूर्ण पहलू उनका बौद्धिक और वैचारिक संघर्ष था। उन्होंने लेखन और भाषणों के माध्यम से समाज की जटिल समस्याओं का विश्लेषण किया और उनके समाधान प्रस्तुत किए। उनकी कुछ प्रसिद्ध कृतियां आज भी सामाजिक चिंतन का महत्वपूर्ण आधार हैं। उन्होंने तर्क, विज्ञान और विवेक को अपने विचारों का आधार बनाया और अंधविश्वास, रूढ़ियों तथा सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध आवाज उठाई। 1951 में हिंदू कोड बिल के पारित न होने पर उनका मंत्रिमंडल से इस्तीफा इस बात का प्रमाण है कि उनके लिए सत्ता से अधिक महत्वपूर्ण सिद्धांत थे। यह घटना उनके चरित्र की दृढ़ता और नैतिक प्रतिबद्धता को दशार्ती है। उन्होंने महिलाओं के अधिकारों के लिए जो संघर्ष किया, वह उस समय के सामाजिक परिप्रेक्ष्य में अत्यंत क्रांतिकारी था।

आज, जब भारत सामाजिक और आर्थिक विकास के नए आयाम स्थापित कर रहा है, डॉ. अंबेडकर के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो उठते हैं। जातीय भेदभाव, लैंगिक असमानता और सामाजिक विषमता जैसी चुनौतियां यह संकेत देती हैं कि उनकी आरंभ की गई सामाजिक क्रांति अभी अधूरी है। उनके विचार हमें यह सिखाते हैं कि लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं है बल्कि यह सामाजिक न्याय और समान अवसरों की सतत प्रक्रिया है। अंबेडकर का मानना था कि किसी भी समाज की प्रगति का आकलन वहां की महिलाओं की स्थिति से किया जाना चाहिए। यह विचार आज भी लैंगिक समानता के संदर्भ में अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने श्रमिकों के अधिकारों के लिए भी महत्वपूर्ण योगदान दिया और 8 घंटे के कार्यदिवस जैसी अवधारणाओं को बढ़ावा दिया।

अम्बेडकर की सबसे बड़ी देन यह है कि उन्होंने समाज के वंचित और उपेक्षित वर्गों को आत्मसम्मान और अधिकारों के लिए संघर्ष करने की प्रेरणा दी। उनका प्रसिद्ध नारा 'शिक्षित बनो, संगठित हो, संघर्ष करो' आज भी सामाजिक परिवर्तन का मूल मंत्र है। उनका जीवन इस सत्य का प्रमाण है कि वास्तविक परिवर्तन विचारों, शिक्षा और संवैधानिक मार्ग से ही संभव है। वे नारे नहीं बल्कि एक निरंतर प्रवाहित विचारधारा हैं; वे केवल व्यक्तित्व नहीं बल्कि एक ऐसी चेतना हैं, जो हर युग में समाज को दिशा देती है। वास्तव में अंबेडकर एक नाम नहीं बल्कि वह क्रांति हैं, जो तब तक जीवित रहेगी, जब तक समाज का अंतिम व्यक्ति न्याय, सम्मान और समान अवसर प्राप्त नहीं कर लेता। उनकी विरासत हमें यह स्मरण कराती है कि एक सशक्त और समतामूलक भारत का निर्माण तभी संभव है, जब हम उनके विचारों को केवल स्मरण न करें बल्कि उन्हें अपने आचरण और नीतियों में भी उतारें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
आपके पूंजीगत निवेशों से भी लाभ होगा। पारिवारिक उत्तरदायित्व अधिक रहेगें। पदोन्नति मिलने का योग हैं। आमदनी में वृद्धि होगी। यात्रा में सावधानी बरतें। क्षमता से अधिक कार्य करने से मर्ज बिगड़ सकता है। मनचाहा स्थानान्तरण मिल सकता है। अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहें। शुभांक-2-5-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। बौद्धिक कार्यों में दक्षता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मन: स्थिति से अधिक प्रभावित रहेगा। शुभांक-३-४-७

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
पुरूषार्थ और कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में आप वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक समय उपलब्धिकारक रहेगा। शुभांक-4-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
मित्तव्ययता रखें क्योंकि रुपये-पैसों की सुविधा आगे मिले न मिले। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष से सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक -4-6-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
निकटस्त व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में बाधा को दूर करेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-5-6

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
कार्यारम्भ से पहले उचित मूल्यांकन कर लें। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-5-7-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
ज्ञानीजनों का सानिध्य प्राप्त होगा। आध्यात्मिक वातावरण बनेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
विवादों व मुकदमेबाजी से राहत मिलेगी। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
अवरुद्ध कार्य सम्पन्न होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। स्वयं को अधिक सक्रिय पाएंगे। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। व्यापार में प्रगति होगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-2-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
हरि करे सो खरी अत: हानि का कोई भय नहीं, यथावत कार्य जारी रखें। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। शुभांक-3-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
मुंह मांगी मुराद मिलेगी यानि इच्छित फल की प्राप्ति होगी। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंग। धार्मिक कार्य में समय व धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। शुभांक-2-4-7

काकुरो पहेली - 3858

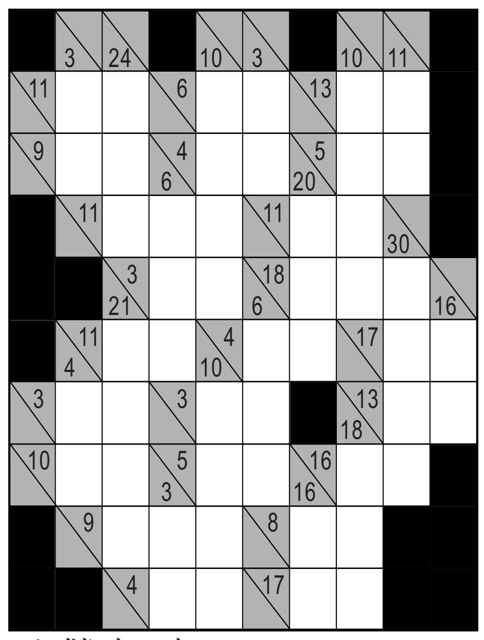

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

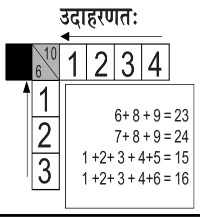

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3857 का हल

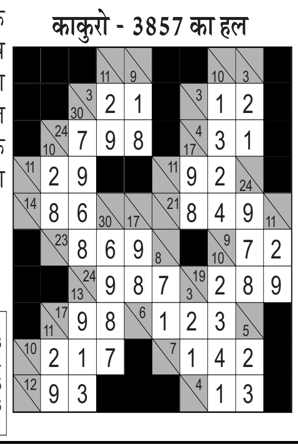

हंसी के फूव्वारें

मियां-बीवी में धन-दौलत की मिल्कियत को लेकर जबरदस्त कहा-सुनी हो गई. बीवी ने गुस्से से कहा, 'तुम्हारा इस घर में है क्या, जो कुछ है, सब मेरे पिता ने दहेज में दिया है.'

संयोगवश उसी रात घर में चोर घुस गए. बीवी की आंख खुल गई. वह मियां को जगाने लगी, 'जल्दी उठो, घर मे चोर घुस आए हैं.'

मियां ने करवट बदलते हुए कहा, 'मै क्यों उठूं, मेरा इस घर में है ही क्या?'

जज (अभियुक्त से) - तुम्हारी पहली पत्नी की मौत कार दुर्घटना से हुई थी, जबकि दूसरी पत्नी जहर खाकर मर गई. ऐसा क्यों हुआ?

अभियुक्त (जज से) - दूसरी पत्नी कार चलाना नहीं जानती थी.

एक ग्राहक होटल के बैरे से - अरे इस गिलास में पत्ता गिरा है.

बैरा (ग्राहक से) - इसमें कोई ताज्जुब की बात नहीं है, इस शहर में हमारे होटल की कई शाखाएं हैं.

रमेश - अरे, आपका लड़का फेल हो गया है और आप मिठाई खिला रहे हो?

नेता जी - पास, फेल क्या मायने रखता है, बहुमत तो इसके साथ है. पचास में से पैंतीस बच्चे इसके साथ फेल हुए हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 3858

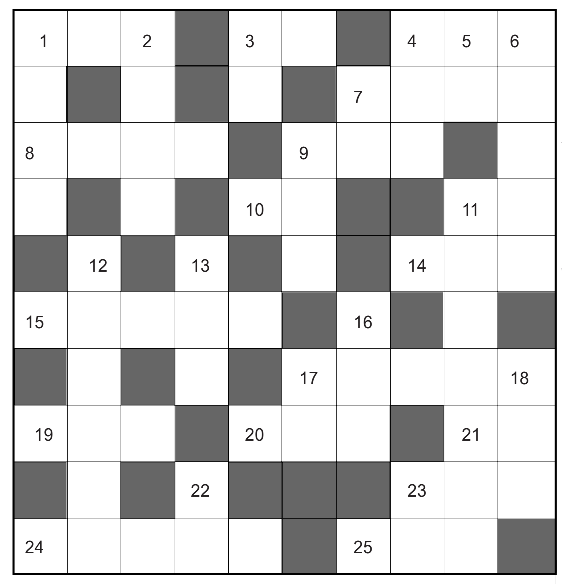

बायें से दायें:-

१. 'राह बनी खुद मंजिल' गीत वाली विस्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
३. संजीवकुमार, सुचित्रासेन की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
४. 'मैं ने तेरे लिए ही' गीत वाली अमिताभ, राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
७. गोविंदा, आदित्य, नीलम, मंदाकिनी की अजय कश्यप निर्देशित फिल्म-४
८. 'कितना मजा आ रहा है' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
९. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ना जइयो परदेस' गीत वाली दिलीपकुमार, अनिलकपूर, जैकी श्रॉफ, श्रीदेवी, पुनम ढिल्लों की फिल्म-२
११. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की 'हर तरफ हर जगह' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'ऐ मेरे मेहरबां ऐ मेरे हमनशी' गीत वाली मनोजकुमार, साधना की फिल्म-३
१५. जीतेंद्र, रेखा की 'गोकुल की गलियों का' गीत वाली फिल्म-२,२,१
१७. 'जाओ जाओ हम से क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ, अमृता सिंह की फिल्म-२,३
१९. अरविंद, प्रभुदेवा, काजोल की 'चंदा रे चंदा रे कभी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'सिलसिला शुरू हुआ यहाँ से' गीत वाली फिल्म-३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'राजा की आएगी बारात' गीत वाली फिल्म-२
२३. शशि, संजीवकुमार, वहीदा, पूनम की फिल्म-३
२४. राहुलराय, शीबा की 'तेरी दोस्ती में मिला है' गीत वाली फिल्म-२,१,२
२५. 'देखो मेरा दिल मचल' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, नाना पाटेकर, तब्बू की 'हम हैं बनारस के भैया' गीत वाली फिल्म-४
२. शाहरूख, विवेक, जूही की फिल्म-४
३. धर्मेन्द्र, माला सिन्हा की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-२
४. 'कभी तो मिलेगी कहीं' गीत वाली अशोक, प्रदीप, मीना की फिल्म-३
५. फिल्म 'परिवार' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
६. शाहबाद, किरण, तब्बू, रीता की फिल्म-५
७. सनी, सुष्मिता सेन की 'कोई देख रहा छुप छुप के' गीत वाली फिल्म-२
९. 'तेरे चेहरे में वो' गीत वाली फिरोज खान, हेमा मालिनी, रेखा की फिल्म-३
११. जॉय, सायरा की 'दिल की महफिल सजी है' गीत वाली फिल्म-२,२,३
१२. 'इक तुम पास ना आना' गीत वाली अमिताभ, लक्ष्मी छाया की फिल्म-२,१,३
१३. अक्षयकुमार, माधुरी दीक्षित की 'दुनिया से दूर जा रहा हूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. राजकुमार, शत्रुघ्नसिन्हा, हेमा मालिनी, मिथुन चक्रवर्ती की फिल्म-३
१७. आमिर खान, फैजलखान, ट्विंकल की 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
१८. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२२. 'आज सजन मोहे अंग लगालो' गीत वाली फिल्म-२
२३. नसीरूद्दीनशाह, अतुल अग्निहोत्री, पूजा भट्ट की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3857

सूडोकु -3858

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3857 का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्द पहेली - 3858

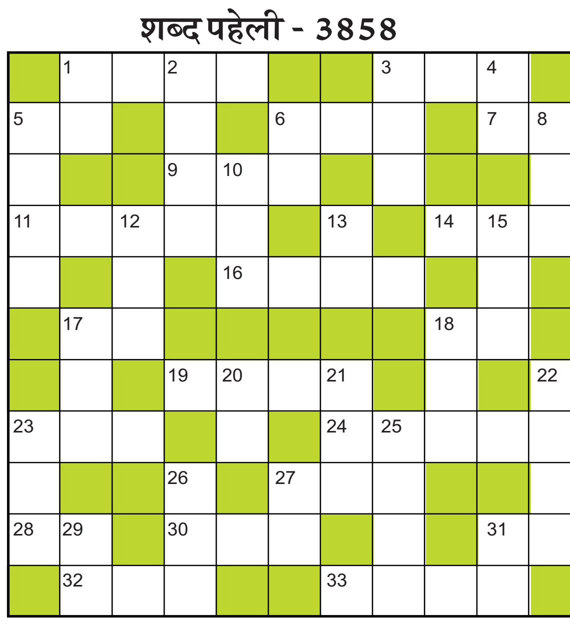

बाएँ से दाएँ
1.असभ्यता,मूर्खता-4
3.निर्भय,बहादुर-3
5.प्याला-2
6.सहारा,शरण-3
7.मां का भाई-2
9.साठ वर्ष की अवधि-3
11.परतंत्रता,गुलामी-5
14.दानव,दैत्य-3
16.लूटपाट-4
17.वाद्य यंत्र-2
18.परछाई,छाया-2
19.आदत,स्वभाव(उर्दू-4)
23.जंगल,वन-3
24.सेंधमार-5
27.गजल लिखने वाला-3
28.मोटा आटा,सूजी-2
30.गुलिस्तां,बाग-3
31.एक ग्रह,शनिश्चर-2
32.दबाना,कुचलना-3
33.रोब वाला, ठसके वाला-4

ऊपर से नीचे
1.मंत्रों का पाठ-2
2.उद्देश्यहीन-4
3.अनूठा,अनोखा-3
4.लक्ष्मी,कमला-2
5.खीजना,रोना-4
6.एक पौधा,अकुवा, आकड़ा-2
8.दक्ष,होशियार-3
10.जमीकंद,एक सब्जी-3
12.धैर्य,संयम-3
13.अस्थमा-2
15.एक गायिका-3
17.वर्षा ऋतु-3
18.महोदय-3
20.पैंदा,तला-2
21.पुत्र,बेटा-3
22.अवमानना-4
23.नास्तिक (उर्दू-3)
25.करामात-4
26.प्रतिज्ञा-3
27.ठाठ-बाट-2
29.अदालत में प्रस्तुत दावा-2
31.तीर,बाण-2

शब्द पहेली -3857 का हल

गर्मी में कूल ड्रेसेस

मौसम का बदलता मिजाज आपका ड्रेसिंग सेंस भी बदल देता है। गर्मी के आते ही वार्डरोब में रखे मोटे और गर्म कपड़ों की जगह हल्के और ठंडक देते रंग के कपड़े आ जाते हैं। युवा चाहते हैं इस गर्मी में कुछ ऐसा पहनें जो हमें गर्मी से राहत देने के साथ-साथ देखने वाले को भी ठंडक दे। सभी चाहते हैं इस मौसम में हमारी ड्रेस एकदम डिफरंट और यूनिक हो, जो सोबर भी लगे और ट्रेंडी भी।

कलर का रखें ध्यान

गर्मियों में हमेशा ड्रेस के मटेरियल के साथ उसके कलर पर भी ध्यान देना जरूरी है। मौसम में ड्रेसेस हल्के रंगों के होने चाहिए जो आंखों को ठंडक दें। कॉटन मिक्स सिल्क, शिफान, लिनन, जारजट व हैंडलूम और खादी से बने वस्त्रों को पहनें जो पसीने को सोख लेते हैं। फैशन के लिहाज से देखा जाए तो एक दुबली लड़की पर आड़ी लाईन वाले शॉर्ट कुर्ती व छोटी कद-काठी वाली लड़कियों को आडी लाइन वाले कुर्ते खासे फबते हैं। गर्मी से बचने केलिए अधिकतर लड़कियाँ स्लीवलेस ड्रेस पहनना पसंद करती हैं लेकिन इससे धूप में हाथों की त्वचा जल सकती है। दोपहर में हमेशा ऐसी ड्रेस पहने जो कॉटन और फुल स्लीव्ज की हो। रात को आप चाहें तो स्लिवलेस पहन सकते हैं।

ना पहनें हेवी वर्क

कॉटन, शिफान के ड्रेसेस फॉर्मल लुक के लिए पहने जाते हैं जो अच्छे लगते हैं। इस मौसम में लिनन और जारजट के लांग स्कर्ट पहनें। कॉटन हेंडलूम व खादी ठंडक पहुंचाने वाले व पसीना सोखने वाले फेब्रीक हैं जिससे आप चुभती गर्मी में भी अच्छा महसूस करते हैं। बुजुर्ग महिलाएं सलवार कमीज पहनें। खादी का कुरता स्टाइल से पहने जो ढीला हो उसके साथ ही चूड़ीदार सलवार पहनें। इस मौसम में कली वाले कुरते अनारकली पेटर्न में अलग-अलग प्रिंट के साथ पहने जा सकते हैं।

इनसे रहे दूर

सिल्क, साटन, सिन्थेटिक, कोलेस्टर मिक्स, नायलॉन, वेलवेट कपडो में से कलर के साथ हीं इन्फेक्शन भी होती हैं। हेवी फेब्रिक के कपड़े न पहनें जिसे संभालना मुश्किल हो।

हो जाता हैं त्वचा रोग

गर्मी बहुत से बदलाव लेकर आती है। लोगों के पहनावे से लेकर पूरी दिनचर्या बदलने लगती है। सही ज्ञान न होने पर कुछ भी पहनना त्वचा के लिए हानिकारक हो सकता है। गर्मी में घेरदार कुरते, जारजट व शिफॉन पर की गई फ्लोरल प्रिंट, कॉटन सिल्क, टसर का इस्तेमाल ज्यादा किया जाता हैं। गर्मी में खासतौर से ब्लॉक प्रिंट, वेजीटेबल, कॉटन मिक्स लिनन व इकत फेब्रिक (कलकत्ता में गर्मी में ज्यादा चलता है) का इस्तेमाल किया जाता है।

जो सहज हो वहीं पहनें

गर्मी में फैशन कूल होना चाहिए। ज्यादा ब्राइट कलर ना पहनें व लिनन व कॉटन के कपडों को इस्तेमाल करें। कॉटन के प्रिंट, कुशन, साधारण क्रोशिया वाली डिजाइन के फेब्रिक इस मौसम के लिए बेहतर हैं। अधिकतर गर्मी में ब्रश पेटिंग व डाई पेटिंग के ड्रेसेस चलते हैं। युवाओं को अपने आराम के हिसाब से कॉटन पेंट व सलवार कमीज, कॉटन सूट, अनारकली सूटस, जोधा अकबर ड्रेसेस जो फैशन में चल रहीं हैं पहनना चाहिए।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com

Follow us : @ RashtriyaShikhar/

65 से बढ़कर 3330 पर पहुंचा शेयर, 5 साल में निवेशकों की बदली किस्मत

नईदिल्ली, एजेंसी। कोरोना के दौर में कुछ शेयरों ने चौंकाने वाला रिटर्न दिया। ऐसा ही एक शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का है। इस शेयर से सिर्फ पांच साल में निवेशकों को 4900 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न मिला।

शेयर बाजार में कई ऐसे स्टॉक हैं जिन्होंने कम समय में निवेशकों को मल्टीबैगर रिटर्न दिया है। खासतौर पर कोरोना के दौर में कुछ शेयरों ने चौंकाने वाला रिटर्न दिया। ऐसा ही एक शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का है। इस कंपनी के शेयर की कीमत पांच साल पहले 65 से बढ़कर 3330 हो गई। इस तरह, सिर्फ पांच साल में निवेशकों को 4900 प्रतिशत से ज्यादा का रिटर्न मिला। अगर रकम के हिसाब से देखें तो साल 2021 में किया गया 1 लाख का निवेश बढ़कर लगभग 50 लाख के आसपास हो गया होगा।

बीएसई को लेकर नया अपडेट

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को सेबी से फोकस्ड इंडेक्स पर डेरिवेटिव्स कॉन्ट्रैक्ट लॉन्च करने की मंजूरी मिली है। यह डेरिवेटिव्स सेगमेंट में अपने उत्पादों की चेन को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम है। बीएसई फोकस्ड आइटी इंडेक्स, इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी सेक्टर की 14 कंपनियों के परफॉर्मेंस को ट्रैक करता है, जिससे निवेशकों को इस सेक्टर के लिए एक खास बेंचमार्क मिलता है। एक्सचेंज के मुताबिक लॉन्च की टाइमलाइन और कॉन्ट्रैक्ट से जुड़ी खास बातों के बारे में और जानकारी अलग-अलग सर्कुलर के जरिए दी जाएगी।

वर्तमान में शेयर का हाल- बीएसई के शेयर अपनी पिछली क्लोजिंग 3,257.40 रुपये के मुकाबले 3,310 रुपये पर खुले और 3,330 रुपये तक पहुंच गए। इस दौरान शेयर 3,234 रुपये के लो पर भी आया। शेयर की क्लोजिंग 3,281.20 रुपये पर हुई। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज ने बीते 9 फरवरी को एफवाय26 की तीसरी तिमाही के नतीजे जारी किए थे। इस तिमाही में मुनाफा 601.81 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में बताए गए 219.67 करोड़ रुपये के नेट प्रॉफिट से 174 प्रतिशत की साल-दर-साल बढ़ोतरी है। इस बीच, तिमाही के दौरान कंपनी का ऑपरेशन से रेवेन्यू लगभग 62 प्रतिशत वायओवाय बढ़कर 1,244.10 करोड़ रुपये हो गया। यह भारत के सबसे पुराने और सबसे बड़े स्टॉक एक्सचेंजों में से एक है, जिसकी स्थापना 1875 में हुई थी। यह इक्विटी, डेरिवेटिव और डेट सिक्योरिटीज जैसे अलग-अलग फाइनेंशियल इंस्ट्रूमेंट्स में ट्रेडिंग के लिए एक प्लेटफॉर्म प्रोवाइड करके भारतीय कैपिटल मार्केट में एक अहम भूमिका निभाता है। यह अपने मजबूत तकनीकी इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए जाना जाता है और इसने ऑन-लाइन ट्रेडिंग सिस्टम जैसे इनोवेशन की शुरुआत की है। म्यूचुअल फंड उद्योग में भी अहम भूमिका निभा रहा है।

आपूर्ति का भरोसा दिलाया और ज़िम्मेदारी से इस्तेमाल की अपील की

नई दिल्ली, एजेंसी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने नागरिकों को भरोसा दिलाया है कि पूरे देश में एलपीजी की आपूर्ति स्थिर और पर्याप्त है। मंत्रालय ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे घबराहट में ज़्यादा खरीदारी न करें और ज़िम्मेदारी के साथ एलपीजी का इस्तेमाल करते रहें। मौजूदा डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क की मज़बूती का ज़िक्र करते हुए, मंत्रालय ने बताया कि एलपीजी की उपलब्धता पर निगरानी रखी जा रही है और इसका प्रबन्धन किया जा रहा है, ताकि देश भर के परिवारों तक बिना किसी रुकावट के एलपीजी पहुँचती रहे। मंत्रालय ने एलपीजी बुकिंग के लिए डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के बढ़ते इस्तेमाल पर भी ज़ोर दिया। अब लगभग 95 फीसदी उपभोक्ता आईवीआरएस, एसएमएस, व्हॉट्सऐप और मोबाइल ऐप के ज़रिए बुकिंग करते हैं। उपभोक्ताओं को सलाह दी गई है कि वे इन आसान और प्रभावी डिजिटल तरीकों का इस्तेमाल करते रहें, ताकि डिस्ट्रीब्यूटरशिप पर भीड़ न लगे और उन्हें बिना किसी रुकावट के सेवा मिलती रहे।

टाइटन के शेयरों में लगाए गए 1 लाख रुपये

● अब 44 लाख रुपये से ज्यादा हो गए

नईदिल्ली, एजेंसी। गोल्ड और टाइटन के पिछले 16 साल के रिटर्न की बात करें तो टाइटन के शेयरों में लगाए गए 1 लाख रुपये अब 44 लाख रुपये से ज्यादा हो गए हैं। वहीं, 1 लाख रुपये से खरीदे गए गोल्ड के दाम अब 8 लाख रुपये के ऊपर पहुंच गए हैं। गोल्ड को सबसे सुरक्षित निवेश विकल्पों में से एक माना जाता है।

निवेशकों को मालामाल करने के मामले में भी गोल्ड का कोई जवाब नहीं है।

हालांकि, अगर आप जोखिम उठा सकते हैं तो मजबूत फंडामेंटल्स वाली कंपनियों के शेयरों में भी आपको छप्परफाड़ रिटर्न मिल सकता है।

हमने गोल्ड और शेयर के रिटर्न की एक तुलना करने की कोशिश की है। हालांकि, दोनों बिल्कुल अलग-अलग निवेश विकल्प हैं और दोनों के अपने नफा-नुकसान हैं। हमने गोल्ड और ज्वैलरी बिजनेस से जुड़ी टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन के शेयरों में 1-1 लाख रुपये के निवेश के आधार पर कैलकुलेशन किया है। निवेश की अवधि हमने 16 साल रखी है तो आइए जानते हैं कि गोल्ड और टाटा ग्रुप के स्टॉक टाइटन, किसने निवेशकों को ज्यादा रिटर्न दिया।

टाइटन ने जून 2011 में अपने शेयरधारकों को 1:1 के रेशियो में बोनस शेयर दिए। यानी, कंपनी ने हर 1 शेयर पर 1 बोनस शेयर दिया।

साथ ही, टाइटन ने जून 2011 में ही 10:1 के रेशियो में अपने शेयर का बंटवारा (स्टॉक स्प्लिट) किया।

बोनस शेयर और स्टॉक स्प्लिट जोड़ लें तो शेयरों की कुल संख्या 960 पहुंच जाती है। टाइटन के शेयर शुक्रवार 10 अप्रैल 2026 को में 4,505 रुपये पर बंद हुए हैं। इस हिसाब से 960 शेयरों की मौजूदा वैल्यू 44.86 लाख रुपये होती है।

गोल्ड में लगाए गए 1 लाख रुपये अब बन गए 8 लाख रुपये से ज्यादा

गोल्ड ने भी अपने निवेशकों को तगड़ा रिटर्न दिया है। पिछले दिनों ही गोल्ड के दाम 1,75,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के ऊपर पहुंच गए थे। अगर 16 साल पहले गोल्ड में लगाए गए 1 लाख रुपये का कैलकुलेशन देखें तो अप्रैल 2010 में 24 कैरेट गोल्ड का रेट 18,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर था।

टाइटन के शेयरों में लगाए गए 1 लाख रुपये

अब बने 44 लाख से ज्यादा टाटा ग्रुप की कंपनी टाइटन के शेयर 20 अप्रैल 2010 को 2046.10 रुपये पर थे। अगर किसी व्यक्ति ने 20 अप्रैल 2010 को टाइटन के शेयरों में 1 लाख रुपये लगाए होते तो उसे कंपनी के 48 शेयर मिलते।

सैलरी से लेकर पेंशन तक पर होगी बात

8वें वेतन आयोग के लिए सोमवार को बड़ी बैठक

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कर्मचारियों के लिए 13 अप्रैल की तारीख काफी अहम है। इस दिन आठवें वेतन आयोग के लिए अपना मेमोरेंडम फाइनल किया जाएगा। इसके लिए नेशनल काउंसिल ऑफ जॉइंट कंसल्टेटिव मशीनरी की अहम बैठक होने वाली है। यह बैठक इसलिए अहम है क्योंकि कर्मचारियों के प्रतिनिधि सैलरी, पेंशन और सेवा शर्तों से जुड़ी अपनी मांगों को एक साझा मेमोरेंडम में इकट्ठा कर रहे हैं, जिसे 8वें वेतन आयोग को सौंपा जाएगा।ऑल इंडिया डिफेंस एम्प्लॉइज फेडरेशन के सी. श्रीकुमार ने इकोनॉमिक टाइम्स को बताया कि 13 अप्रैल की बैठक में संभवतः एक साझा ज्ञापन को अंतिम रूप दिया जाएगा। रेलवे, रक्षा और अन्य क्षेत्रों के कर्मचारी प्रतिनिधियों के साथ मिलकर इस बैठक में अपने प्रस्तावों पर चर्चा करेगा और उन्हें अंतिम रूप देगा। फिटमेंट फैक्टर की होगी बड़ी भूमिका

आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों में फिटमेंट फैक्टर की बड़ी भूमिका होगी। इसका इस्तेमाल सरकारी कर्मचारियों की सैलरी, पेंशन और भत्तों को रिवाइज करने के लिए किया जाता है। केंद्रीय कर्मचारियों का सैलरी स्ट्रक्चर अभी 7वें वेतन आयोग के फिटमेंट फैक्टर पर आधारित है, जिसे 2016 में लागू किया गया था। आयोग ने 2.57 का फिटमेंट फैक्टर इस्तेमाल किया था। आठवें वेतन आयोग में कुछ कर्मचारी समूह 3.15 के फिटमेंट फैक्टर की मांग कर रहे हैं। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने पिछले महीने संसद में कहा था कि 8वां वेतन आयोग केंद्र सरकार के कर्मचारियों के वेतन, भत्ते, पेंशन और अन्य लाभों पर अपनी सिफारिशें देगा।

वेतन आयोग की 24 अप्रैल को बैठक

वेतन आयोग की बैठक 24 अप्रैल, 2026 को उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में होगी। 8वें वेतन आयोग ने कर्मचारियों, पेंशनभोगियों, संगठनों, यूनियनों और अन्य हितधारकों से वेतन, पेंशन, भत्ते और नौकरी से संबंधित अन्य मामलों के संबंध में सुझाव और अभ्यावेदन आमंत्रित किए हैं।

12 मार्च को भी हुई थी बैठक

बता दें कि 13 अप्रैल की यह बैठक 12 मार्च को हुई पिछली चर्चाओं के बाद हो रही है। इस बैठक में ड्राफ्टिंग कमिटी के सदस्यों ने संयुक्त ज्ञापन में शामिल किए जाने वाले मुख्य प्रस्तावों पर चर्चा की थी। वहीं, एनसी-जेसीएम (स्टाफ साइड) के सचिव शिव गोपाल मिश्रा ने 1 अप्रैल के एक पत्र में आयोग से आग्रह किया था कि अंतिम प्रस्ताव जमा करने से पहले, वह अपनी प्रश्नावली में नौ अतिरिक्त बिंदुओं पर विचार करे।.

डीए ऐलान के बाद भी 4 महीने का एरियर केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी पर बड़ा असर

नईदिल्ली, एजेंसी। आमतौर पर केंद्र सरकार मार्च के महीने में होली के आसपास डीए बढ़ोतरी का ऐलान कर देती है। यह साल की पहली छमाही के लिए लागू होता है।अप्रैल महीने के 10 दिन से भी ज्यादा बीत चुके हैं लेकिन अब तक कर्मचारियों के डीए बढ़ोतरी का ऐलान नहीं हुआ। केंद्रीय कर्मचारियों के महंगाई भत्ता यानी डीए में इजाफे का इंतजार बढ़ता जा रहा है। अप्रैल महीने के 10 दिन से भी ज्यादा बीत चुके हैं लेकिन अब तक कर्मचारियों के डीए बढ़ोतरी का ऐलान नहीं हुआ। इस देरी की वजह से अब केंद्रीय कर्मचारियों की अप्रैल की सैलरी पर भी असर पड़ने की आशंका है। आइए समझते हैं पूरा मामला।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

फाइनेंशियल एक्सपर्ट्स इस बात से सहमत हैं कि पिछले सालों के मुकाबले इस बार डीए में थोड़ी देरी हुई है। अधिल शेट्टी ने मनीकंट्रोल से इसकी वजह बताते हुए कहा- यह शायद एडमिनिस्ट्रेटिव सीक्वेंसिंग और 8वें फ्रेमवर्क की ओर बदलाव की वजह से है, जिसके लिए अपडेटेड पे स्ट्रक्चर और महंगाई के डेटा के बीच तालमेल जरूरी होता है।

क्या है मामला

आमतौर पर केंद्र सरकार मार्च के महीने में होली के आसपास डीए बढ़ोतरी का ऐलान कर देती है। यह साल की पहली छमाही के लिए लागू होता है। मार्च महीने में डीए ऐलान के बाद कर्मचारियों की अगले महीने सैलरी बढ़कर आती है। इसमें जनवरी, फरवरी महीने का एरियर भी जुड़ा रहता है। हालांकि, इस बार भत्ते में देरी से अब केंद्रीय कर्मचारियों को मई महीने का इंतजार करना पड़ सकता है।

दरअसल, केंद्र सरकार के कई ऐसे भी विभाग हैं जहां सैलरी कैल्कुलेशन 15 से 15 तारीख का चलता है। मतलब ये कि जो सैलरी बनती है वो पिछले महीने की 15 तारीख से चालू महीने की 15 तारीख तक की होती है। अगर डीए के ऐलान में देरी होती है तो यह संभव है कि केंद्रीय कर्मचारियों की मई की सैलरी।

सैमसंग के और गैलेक्सी डिवाइसेस पर मिलेगा वन यूआई 8.5 बीटा प्रोग्राम

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग अपने वन यूआई 8.5 बीटा प्रोग्राम का विस्तार और अधिक गैलेक्सी डिवाइसों तक कर रहा है। मार्च में वन यूआई 8.5 बीटा के विस्तार के बाद, अब यह प्रोग्राम गैलेक्सी एस23 सीरीज़, गैलेक्सी जेड फोल्ड5, गैलेक्सी जेड फ्लिप5, गैलेक्सी एस23 स्रश्च और पहली बार ए-सीरीज़ के गैलेक्सी ए36 5जी सहित अन्य डिवाइसेस के लिए जारी किया जा रहा है। यह बीटा प्रोग्राम भारत, कोरिया, यूके और अमेरिका जैसे चुनिंदा बाजारों में चरणबद्ध तरीके से उपलब्ध होगा। एंड्रॉइड के साथ अपने निरंतर सहयोग को आगे बढ़ाते हुए, सैमसंग वन यूआई 8.5 बीटा पर क्विक शेयर के माध्यम से एयरड्रॉप के लिए सपोर्ट पेश कर रहा है, जिससे गैलेक्सी एस25 सीरीज़, गैलेक्सी एस24 सीरीज़, गैलेक्सी जेड फोल्ड7, गैलेक्सीजेड जेड फ्लिप7, गैलेक्सी जेड फोल्ड6 और गैलेक्सी जेड फ्लिप6 जैसे चुनिंदा डिवाइसेस के उपयोगकर्ताओं के लिए क्रॉस-प्लेटफॉर्म फाइल शेयरिंग अधिक सुगम हो जाएगी। बीटा प्रोग्राम का विस्तार इस महीने के अंत में अन्य गैलेक्सी डिवाइसेस तक भी जारी रहेगा और इच्छुक उपयोगकर्ता सैमसंग मेंबर्स ऐप के माध्यम से इसके लिए पंजीकरण कर सकते हैं।

सैमसंग ने भारत में टॉप माउंट फ्रीज़र रेफ्रिजरेटर्स तक बढ़ाया अपना बीस्पोक एआई लाइन-अप

● बिजली की बचत ● ताज़गी और सुविधा के लिए इसमें है एआई एनर्जी मोड ● फ्लैट डोर डिज़ाइन और एडवांस कूलिंग

गुरुग्राम, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने अपने बीस्पोक एआई टॉप-माउंट फ्रीज़र रेफ्रिजरेटर लाइन-अप के विस्तार की घोषणा की है। यह नई रेंज भारतीय घरों में समझदारी भरी बिजली बचत और आधुनिक लुक लाने के लिए तैयार की गई है। शानदार बीस्पोकडिज़ाइन वाले इन रेफ्रिजरेटर्स में एडवांस एआई फीचर्स, स्मार्ट कनेक्टिविटी और भरोसेमंद परफॉर्मेंस काबेहतरीन मेल है।

रेफ्रिजरेटर्स की इस नई रेंज में 256 लीटर और 236 लीटर की क्षमता वाले चुनिंदा मॉडल्स वाई-

फाईकनेक्टिविटी के साथ आते हैं, ताकि इन्हें स्मार्टथिंग्स ऐप के ज़रिए स्मार्टफोन से आसानी से कंट्रोल और मॉनिटरकिया जा सके। इन मॉडल्स में स्टाइलिश फ्लैट-डोर डिज़ाइन के साथ-साथ तुरंत कूलिंग के लिए पावर कूल और पावर फ्रीज़ जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इंडस्ट्री के बेहतरीन मानकों के साथ, ये रेफ्रिजरेटर्स बिजली बचानेऔर शानदार परफॉर्मेंस देने के लिए बनाए गए हैं। सैमसंग इंडिया के डिजिटल अप्लायंसेज़ बिज़नेस के वाइस प्रेसिडेंट घुफरान आलम ने कहा, भारत में सैमसंग के 30 साल पूरे होने के मौके पर, हम भारतीय ग्राहकों के लिए लगातार नए और बेहतर एनर्जी-एफिशिएंट समाधान ला रहे हैं। 300 लीटर से कम क्षमता वाले हमारे नए एआई-इनेबल्ड रेफ्रिजरेटर्स, जिनमें बीस्पोक एआई टॉप माउंट फ्रीज़र भी शामिल है, भारतीय घरों में स्मार्टथिंग्स कनेक्टिविटी, मॉडर्न डिज़ाइन और बेहतर बिजली मैनेजमेंट की सुविधा देते हैं। यह एआई तकनीक को हर किसी तक पहुँचाने और लोगों की ज़रूरत के हिसाब से समाधान देने की हमारी कोशिश को दर्शाता है।

बेहतर बिजली मैनेजमेंट के लिए एनर्जी मोड

बीस्पोक एआई रेफ्रिजरेटर्स में एआई एनर्जी मोड दिया गया है, जो आपके फ्रिज को इस्तेमाल करने का तरीका समझता है और बिजली की खपत का अनुमान लगाता है। यह बिजली के इस्तेमाल को 10 प्रतिशत तक कम करने में मदद करता है। ग्राहक स्मार्टथिंग्स एनर्जी ऐप के ज़रिए रोज़ाना, साप्ताहिक या मासिक आधार परबिजली के खर्च को ट्रैक भी कर सकते हैं, जिससे बिजली का मैनेजमेंट और आसान हो जाता है।

भारत में पेट केयर पर होने वाले खर्च और पेट केयर अर्थव्यवस्था में वृद्धि हो रही है

● जेन ज़ी और मिलेनियल्स इसमें मुख्य भूमिका निभा रहे हैं

मुंबई, एजेंसी। पेट्स को सभी प्यार करते हैं। उनकी देखभाल करते हैं और एक परिवार के सदस्य की तरह उनका पालन-पोषण करते हैं। उनके साथ गहरे भावनात्मक जुड़ाव के कारण भारत में 'पेट पैरेंट्स' बढ़ रहे हैं। यह बदलाव केवल भावनात्मक नहीं है, बल्कि दैनिक जीवन में उनके लिए शॉपिंग, खर्च और उनकी केयर में भी दिखाई दे रहा है। भारत में पेट इंडस्ट्री पर जारी हुई आई.बी.ई.एफ रिपोर्ट के अनुसार यह सेक्टर लगभग 20 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है, जिसमें लोगों की बढ़ती आय, शहरी जीवनशैली और पेट की सेहत के प्रति बढ़ती प्राथमिकता का महत्वपूर्ण योगदान है। यह वृद्धि फ्लिपकार्ट पर भी प्रदर्शित हो रही है, जहाँ पेट-केयर के प्रति जीवनशैली पर आधारित बढ़ते दृष्टिकोण के साथ इस श्रेणी में 50 प्रतिशत से अधिक की साल-दर-साल वृद्धि दर्ज हो रही है। ग्राहकों द्वारा फ्लिपकार्ट पर कुत्ते और बिल्लियों से लेकर मछलियों, पक्षियों और अन्य पालतू जानवरों तक कई दैनिक उपयोगिता की वस्तुओं और विशेष प्रीमियम प्रोडक्ट्स की खरीदारी की जा रही है। बैंगलोर, दिल्ली और कोलकाता जैसे शहर मांग के मुख्य केंद्र बन रहे हैं और पेट केयर के कुल ऑर्डर्स में लगभग 10 प्रतिशत का योगदान दे रहे हैं। वहीं नॉन-मेट्रो शहर, जैसे मैसूर, देहरादून और कटक मेट्रो शहरों के बाहर पेट्स की बढ़ती ओनरशिप प्रदर्शित करते हैं।

पेट केयर में अब केवल फूड और हाईज़ीन की शॉपिंग ही नहीं,

बल्कि न्यूट्रिशन, ग्रूमिंग, वैलनेस और एनरिचमेंट आदि जैसी कई श्रेणियों की शॉपिंग शामिल हो गई है। इस परिवर्तन में नई पीढ़ी के पेट पैरेंट्स की भूमिका महत्वपूर्ण है। आज फ्लिपकार्ट पर दर्ज होने वाली 80 प्रतिशत से अधिक मांग जेन ज़ी और मिलेनियल्स से प्राप्त हो रही है, जो पेट केयर के लिए ज्यादा सूचित और विकसित दृष्टिकोण रखते हैं।

आज पेट्स की लोगों के जीवन में गहरी भावनात्मक भूमिका है

वो दैनिक जीवन में साथ देते हैं, खेलते कूदते रहते हैं और आराम देते हैं। पेट पैरेंट्स के शॉपिंग के व्यवहार में उनका यह संबंध साफ दिखाई देता है और वो कम्फर्ट, केयर एवं संपूर्ण सेहत को अधिक महत्व देते हैं। फ्लिपकार्ट पर इसलिए एक बढ़ता हुआ परिवेश विकसित हो रहा है, जो पेट्स की केयर को सरल, सुलभ और बेहद निजी बनाता है।

हंगामा ओटीटी पर 'मंगलमुखी' लॉन्च

मुंबई। भारत के प्रमुख डिजिटल एंटरटेनमेंट प्लेटफॉर्म्स में से एक हंगामा ओटीटी ने 9 अप्रैल 2026 को अपनी नई ओरिजिनल सीरीज 'मंगलमुखी' लॉन्च की। यह एक सशक्त क्राइम ड्रामा है, जिसकी कहानी वाराणसी और मुंबई जैसे दो अलग-अलग माहौल के बीच आगे बढ़ती है। इस सीरीज में एला डी वर्मा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे, उनके साथ नमिश तनेजा, रति पांडे और तान्या शर्मा भी अहम किरदार निभा रहे हैं। यह कहानी एक हाई-स्टेक मर्डर मिस्ट्री को पहचान, सम्मान और संघर्ष की भावनात्मक परतों के साथ जोड़ती है। 'मंगलमुखी' की कहानी मंगल के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक ट्रांसजेंडर पुलिस ऑफिसर है और जिसे लंबे समय से अपने विभाग में तिरस्कार और नजरअंदाजी झेलनी पड़ी है। लेकिन उसकी जिंदगी तब बदलती है, जब उसे अपना पहला बड़ा केस मिलता है। यह केस एक लोकप्रिय टीवी स्टार की कैमरे पर हुई रहस्यमयी मौत से जुड़ा है, जो उसे वाराणसी से मुंबई के अंधेरे एंटरटेनमेंट जगत तक ले जाता है। जो शुरुआत में एक हादसा लगता है, वह धीरे-धीरे एक खौफनाक जांच में बदल जाता है, जहां मंगल को सिर्फ इंसाफ के लिए नहीं बल्कि अपनी पहचान के लिए भी लड़ना पड़ता है। अपने किरदार के बारे में एला डी वर्मा कहते हैं, मंगलमुखी सिर्फ एक पुलिस ऑफिसर की कहानी नहीं है, यह पहचान, हिम्मत और खुद पर विश्वास की कहानी है। उसकी यात्रा जेंडरसे आगे जाती है। यह साबित करने की कहानी है कि आपकी काबिलियत इस बात से तय नहीं होती कि समाज आपको कैसे देखता है। वह तेज, मजबूत और निडर है, और यही बात मुझे इस किरदार की तरफ खींच लाई।

वंदे भारत स्लीपर दूसरी ट्रेन की हो गई घोषणा

ना दिल्ली ना पटना, यह तो चलेगी मुंबई से

नईदिल्ली, एजेंसी। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का इंतजार देश के हर राज्य को है। देश की पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन हावड़ा से गुवाहाटी रूट पर चली थी। दूसरी वंदे भारत के बारे में कयास था कि यह दिल्ली से पटना या दिल्ली से हावड़ा के रूट पर चलेगी। लेकिन रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इन सब कयासों पर विराम लगा दिया है। उन्हें खुद पत्र लिख कर सूचित किया है कि वंदे भारत स्लीपर का दूसरा रूट क्या होगा। अश्विनी वैष्णव ने बीते 5 अप्रैल को बेंगलुरु सेंट्रल से लोकसभा सदस्य पी.सी. मोहन को पत्र लिख कर बताया कि चस्क्र बेंगलुरु और छ्टस्स्ज्ञ मुंबई स्टेशनों के बीच वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सेवा को मंजूरी दी गई है। केएसआर बेंगलुरु रेलवे स्टेशन दरअसल बेंगलुरु सिटी रेलवे स्टेशन है जिसका नाम अब बदल कर क्रांतीवीर संगोली रायना बेंगलुरु कर दिया गया है। वैष्णव ने बताया कि इस समय ट्रेन के रूट, जर्नी टाइम और फ्रीक्वेंसी आदि पर काम कर चल रहा है। उन्होंने लिखा है 'ट्रेन सेवा जल्द ही शुरू होगी। 'बेंगलुरु से मुंबई 17 घंटे में

बेंगलुरु डिवीजन के डीआरएम आशुतोष कुमार सिंह ने डेक्कन हेराल्ड के साथ बातचीत में बताया है कि इन दोनों शहरों के बीच वंदे भारत स्लीपर ट्रेन चलेगी, इसकी घोषणा तो हो गई है। लेकिन अभी रूट फाइनल नहीं हुआ है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि दोनों शहरों के बीच यह ट्रेन 17 से 18 घंटे में यात्रा पूरी करेगी। इसका रूट क्या होगा, वाया कालबुर्गी या वाया हुबली इस सवाल पर उनका कहना था कि अभी भी इस पर काम चल रहा है। हां, उन्होंने बताया कि बेंगलुरु से मुंबई जाने का वाया हुबली छोटा रूट है जबकि वाया हुबली जाने में ज्यादा समय लगता है।

रॉयल्स के मैनेजर रोमी पर कार्रवाई कर सकता है बीसीसीआई

मुम्बई (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के टीम मैनेजर रोमी भिंडर की मुश्किलें बढ़ सकती है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ आईपीएल 2026 मैच के दौरान टीम के डगआउट में मोबाइल फोन का उपयोग करना उन्हें भारी पड़ सकता है। इसको लेकर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भी उनपर कार्रवाई कर सकता है। गुवाहाटी में हुए इस मैच में रोमी टीम के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के पास बैठकर मोबाइल चला रहे थे। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने भी माना है कि टीम मैनेजर ने नियमों का उल्लंघन किया है।

इस अधिकारी ने कहा, जी हां रोमी ने वास्तव में खिलाड़ियों एवं मैच अधिकारियों के लिए बने प्रोटोकॉल को तोड़ा है क्योंकि मैच के दौरान डगआउट में मोबाइल फोन के उपयोग पर रोक है। आईपीएल के अनुसार, टीम मैनेजर ड्रेसिंग रूम में फोन का उपयोग कर सकता है पर डगआउट में नहीं। रोमी फ्रेंचाइजी की शुरुआत से ही इससे जुड़े हुए हैं और जानकारों का मानना ??है कि उन्हें भ्रष्टाचार रोधी प्रोटोकॉल के बारे में अच्छी तरह से पता होना चाहिए। अब देखना होगा कि उनपर क्या कार्रवाई होती है।

इस अधिकारी ने कहा, यह अनजाने में भी हो सकता है पर इस पर कार्रवाई होनी चाहिए क्योंकि यह नियमों का उल्लंघन है। चेतावनी दी जाएगी या प्रतिबंध लगाया जाएगा, इसका फैसला मैच रेफरी और भ्रष्टाचार निरोधक इकाई (एसीयू) की रिपोर्ट के आधार पर किया जाएगा। आईपीएल की संचालन परिषद इस आधार पर फैसला ले सकती है। रोमी को और भी गहन जांच का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि सूर्यवंशी ने मैच के बाद उन्हें अपना स्थानीय संरक्षक बताया था।

केकेआर के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी सीएसके

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम मंगलवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी। सीएसके की टीम ने संजू सैमसन के शतक से पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स को हराया था जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। अब उसका लक्ष्य इस मैच में भी जीत के सिलसिले को बनाये रखना होगा। सीएसके की ओर से पिछले मैच में जेमी ओवरटन ने भी चार विकेट लेकर काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। जिसे वह इस मैच में भी बनाये रखना चाहेंगे। इसके अलावा बाएं हाथ के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह ने भी पिछले मैच में अच्छी गेंदबाजी की थी। उन्होंने अपनी उछाल भरी गेंदों से विरोधी टीम के बल्लेबाजों को हैरान कर दिया था। वहीं स्पिनर अकील हुसैन ने भी पिछले मैच में अच्छी गेंदबाजी की थी।

बल्लेबाजी में सीएसके के पास सैमसन के अलावा कप्तान रुतुराज गायकवाड़ भी हैं।युवा डेवाल्ड ब्रेविस के फिट होकर वापसी करने का भी लाभ मिलेगा।

वहीं दूसरी ओर केकेआर इस सत्र में अब तक एक भी मैच नहीं जीती है और ऐसे में उसपर इस मैच में किसी प्रकार से जीत हासिल करने का दबाव रहेगा। पिछले मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ वह जीत के करीब पहुंचकर भी उसे हासिल नहीं कर पायी थी। ऐसे में अजिंक्य रहाणे इस मैच में किस रणनीति से उतरते हैं ये देखना होगा। केकेआर की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो ही इस सत्र में अच्छी नहीं रही है।

कैमरन ग्रीन के गेंदबाजी शुरु करने से हालांकि उसकी उम्मीदें जगी हैं। रिंकू सिंह भी अब तक उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये हैं और उनका इरादा अब अपने को साबित करना रहेगा। रहाणे ने अब तक अच्छी बल्लेबाजी की है पर उन्हें अंत तक टिके रहना होगा। युवा अंगकृष रघुवंशी और रोवमैन पॉवेल भी फार्म में आ गये हैं जो टीम के लिए सकारात्मक संकेत हैं। . केकेआर को अगर सीएसके को उसके घरेलू मैदान पर हराना है तो उसके गेंदबाजों को भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर मेजबान टीम के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना होगा। आंकड़ों पर नजर डातें तो अबतक दोनो के बीच 32 मैच हुए हैं जिसमें सीएसके ने 20 मैच जीते हैं, जबकि केकेआर ने 11 मैचों में जीत हासिल की है जबकि एक मैच का परिणाम नहीं निकला है।

पिच की बात करें तो शुरुआत में बल्लेबाजों को लाभ होता है पर मैच आगे बढ़ने

टीम इस प्रकार है

चेन्नई सुपर किंग्स- संजू सैमसन (विकेटकीपर), रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, आयुष म्हात्रे, सरफराज खान, शिवम दुबे, जेमी ओवरटन, अकील हुसैन, अंशुल कंबोज, खलील अहमद, गुरजनप्रीत सिंह

इम्पैक्ट प्लेयरः कार्तिक शर्मा/मैथ्यू शॉर्ट

कोलकाता नाइट राइडर्स- फिन एलन, अजिंक्य रहाणे (कप्तान), अंगकृष रघुवंशी (विकेटकीपर), कैमरन ग्रीन, रोवमैन पॉवेल, रिंकू सिंह, रमनदीप सिंह, अनुकूल रॉय, ब्लेसिंग मुजरबानी, वैभव अरोड़ा, वरुण चक्रवर्ती

इम्पैक्ट प्लेयरः नवदीप सैनी

फॉर्मूला वन की 2027 में भारत में वापसी होगी, खेल मंत्री ने कर दिया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली । खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को कहा कि 2027 में भारत में फॉर्मूला वन रेस की वापसी होगी। मांडविया ने यहां मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि ग्रेटर नोएडा में बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में इस रेस के आयोजन के लिए कम से कम तीन कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाई है। उन्होंने कहा, 'भारत में 2027 में फॉर्मूला वन रेस होगी। पहली रेस बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में आयोजित की जाएगी।' भारत इससे पहले फॉर्मूला वन रेस इंडियन ग्रां प्री आयोजित कर चुका है, लेकिन कर और नौकरशाही संबंधी समस्याओं के कारण 2013 में तीसरे संस्करण के बाद इसे फॉर्मूला वन रेस के कैलेंडर से हटा दिया गया था।

आईपीएल अंकतालिका में तीसरे नंबर पर पहुंची आरसीबी, रॉयल्स शीर्ष पर बरकरार

मुम्बई (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम मुम्बई इंडियंस के खिलाफ मुकाबले में जीत के साथ ही आईपीएल 2026 की अंक तालिका में तीसरे नंबर पर पहुंच गयी है। इस मैच के साथ ही इस सत्र में आरसीबी ने लगातार अपना तीसरा मैच जीता। अंकतालिका में अभी पहले स्थान पर राजस्थान रॉयल्स की टीम है। रॉयल्स ने अब तक अपने सभी चारों मैच जीतकर 8 अंक हासिल किए हैं। वहीं, पंजाब किंग्स ने 4 में से 3 मैच जीत कर 7 अंक के साथ ही दूसरा स्थान हासिल किया है जबकि आरसीबी 4 में तीन मैच जीतकर 6 अंक के साथ ही तीसरे स्थान पर है। इसके अलावा दिल्ली कैपिटल्स, गुजरात टाइटंस, लखनऊ सुपर जांयट्स 4-4 अंक लेकर आगे के स्थानों पर हैं। सनराइज हैदराबाद, मुंबई इंडियंस, चेन्नई सुपरकिंग्स ने अभी तक 4-4 मैच में से केवल 1-1 मैच ही जीता है। इन तीनों टीमों के अंक 2 हैं। अंतिम स्थान पर कोलकाता नाइट राइडर्स है (केकेआर) है। केकेआर ने अभी तक एक भी मैच नहीं जीता है।

अंक तालिका में चौथे पायदान पर दिल्ली कैपिटल्स है। उसने चार मैचों में से दो मैच जीत चुकी है और उसके खाते में 4 अंक हैं। सूची में पांचवें पायदान पर गुजरात टाइटन्स है, जो चार में से दो मैच जीती और दो मैच हारी है। छठे पायदान पर बरकरार लखनऊ सुपर जायंट्स ने चार में से दो मैच जीते हैं। चौथे, पांचवें और छठे स्थान पर कायम टीमों ने कम से कम दो मैच जीते हैं और इतने ही मैच ये हारी हैं।सातवें से 10वें नंबर तक की टीमों ने एक से ज्यादा मुकाबला नहीं जीता है। सातवें नंबर पर सनराइजर्स हैदराबाद है। वह चार में से तीन मैच हारी है और एक मैच जीती है। आठवें स्थान पर मुंबई इंडियंस है। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके)की हालत भी यही है। वह भी तीन मैच हारने के बाद चौथा मैच जीती है। सीएसके नौवें नंबर पर है। सबसे अंतिम स्थान पर कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) है जो एक भी मैच नहीं जीती है। तीन मैच हारे हैं और एक मैच बेनतीजा रहा है। इस तरह केकेआर को केवल एक ही अंक मिला है।

इम्पैक्ट प्लेयर नियम को हटाया जाना चाहिये : पोलार्ड

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर नियम शुरुआत से ही विवादों में रहा है। साल 2023 से लागू होने के बाद से ही कई दिग्गज खिलाड़ियों ने इसका विरोध करते हुए कहा है कि इससे ऑलराउंडरों को ही नुकसान हो रहा है। ऐसे में इस नियम को हटा दिया जाना चाहिये। वहीं अब मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजी कोच कीरोन पोलार्ड ने भी कहा है कि इम्पैक्ट प्लेयर का विकल्प ऑलराउंडरों की भूमिका को सीमित कर रहा है। इससे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट पर भी विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। पोलार्ड लंबे समय से आईपीएल का हिस्सा हैं। वह 2010 से अलग-अलग भूमिकाओं में आईपीएल से जुड़े रहे हैं और टीम में ऑलराउडर के तौर पर भी शामिल रहे हैं।

पोलार्ड ने कहा, मैं इस नियम को पसंद नहीं करता हूं पर इसे हटाना मेरे हाथ में नहीं है। इससे केवल ये हो रहा है कि इसने टी20 क्रिकेट में बड़े स्कोर बन रहे हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी इसके पड़ने वाले असर पर अभी तक मैंने धयान नहीं दिया है। आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर होने से केवल तब ही लाभ हो रहा है जब कोई टीम लीग गेम में कुछ विकेट गंवा देती है तो भी उसके पास अधिक रन बनाने का अवसर रहता है। उन्होंने जो लोग इस प्रकार के नियम बना रहे हैं उन्हें यह देखना चाहिये कि क्या यह वास्तव में खेल के लिए अच्छा है, टेलीविज़न के लिए अच्छा है, या सिर्फ़ लोगों के लिए फ़ायदेमंद है। इम्पैक्ट प्लेयर नियम के साथ, कुछ ऐसे कौशल सेट होत हैं जिनका अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रयोग नहीं हो रहा है। ऐसें में मेरा मानना है कि उनको इसकी समीक्षा करनी चाहिये। अगर ऐसा नहीं होता हो ये इसी प्रकार जारी रहेगा।

गौरतलब है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली सहित कई खिलाड़ियों ने अलग-अलग मौकों पर इस नियम की आलोचना की है। अक्षर पटेल ने सीजन शुरू होने से पहले कहा, मुझे यह नियम पसंद नहीं है, क्योंकि मैं एक ऑल-राउंडर हूं। पहले, आप बैटिंग और बॉलिंग के लिए एक ऑलराउंडर चुनते थे। इस नियम की वजह से, टीम प्रबंधन किसी खास बल्लेबाज या गेंदबाज को रखती है, यह सोचकर कि हमें ऑलराउंडर की क्या जरूरत है?शुभमन गिल भी इसके विरोध में हैं। उनका कना है कि कोई इम्पैक्ट प्लेयर नहीं होना चाहिए। आम तौर पर क्रिकेट 11 खिलाड़ियों का गेम है। एक अतिरिक्त बल्लेबाज जोड़ने से, मुझे लगता है कि गेम से कौशल समाप्त हो जाता है। उस एक खिलाड़ी से गेम को और भी वन-डाइमेंशनल बना रहा है। गुजरात टाइटन्स के कप्तान ने हाल ही में कहा, ÷मुश्किल विकेट पर 180 या 160 रन का पीछा करना मेरे लिए सपाट ट्रैक पर 220 रन का पीछा करने से ज़्यादा रोमांचक है।÷ इम्पैक्ट प्लेयर नियम 2023 से लागू है।

रोहित मुंबई इंडियंस के लिए 6000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने

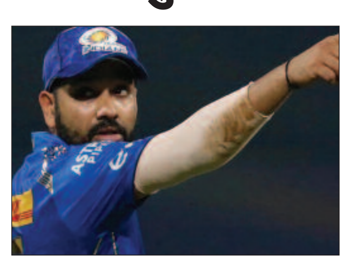

मुम्बई । मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मैच में अपनी 19 रनों की पारी के दौरान ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लिया है। इसी के साथ ही वह आईपीएल में 6000 रन बनाने वाले मुंबई इंडियंस के पहले बल्लेबाज बने हैं। रोहित ने जैसे ही आरसीबी के खिलाफ अपने 6 रन पूरे किये। उसी के साथ ही उनके 6000 रन परे हो गये। रोहित ने जैकब डफी की गेंद पर छक्का लगाकर ये आंकड़ा हासिल किया। रोहित साल 2011 मुंबई इंडियंस से जुड़े थे। उसके बाद से ही वह इस टीम से खेलते हुए नजर आ रहे हैं। वहीं सूर्यकुमार सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरे नंबर पर हैं। सूर्यकुमार ने 116 मैचों में 3776 रन बनाए हैं। उनके बाद कीरोन पोलार्ड ने 2010 से 2022 तक मुंबई इंडियंस की ओर से 189 आईपीएल मैचों में 3412 रन बनाए हैं। वहीं आईपीएल में एक ही टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में रोहित से आगे विराट कोहली हैं। कोहली ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की टीम के लिए 271 आईपीएल मैचों में कुल 8840 रन बनाए हैं।

नेमार हर मैच के साथ ही बेहतर हो रहे : मैनेजर कुका

रियो डी जेनेरो । स्टार फुटबॉलर नेमार आगामी विश्वकप को देखते हुए ब्राजील की टीम में जगह पाने के प्रयासों में लगे हुए हैं। इसी कड़ी में नेमार सैंटोस और एटलेटिको मिनेरो के बीच हुए मैच के दौरान पूरे समय मैदान में बने रहे। इस मैच से वापसी करते हुए नेमार को पूरे समय खेलते देकर प्रशंसक भी उत्साहित दिखे। वहीं टीम के मैनेजर कुका ने भी नेमार के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह इसी प्रकार खेलते रहे तो जून में होने वाले विश्वकप में ब्राजील की टीम में उनकी जगह पक्की हो सकती है। कुका ने कहा, नेमार हर मैच के साथ ही बेहतर हो रहा है, उसे टीम में वापसी के लिए मेहनत करते रहना होगा। उसका खेल लगातर निखर रहा है। ।, कुका ने कहा कि वह मंगलवार को रेकोलेटा के साथ सैंटोस के खिलाफ होने वाले घरेलू कोपा अमेरिका मैच में भी खे सकता है। उन्होंने कहा, उसके लिए पूरे 90 मिनट खेलना जोखिम भरा है। हमें उसे खेल का आनंद लेते हुए लय हासिल करते देखना अच्छा लग रहा है। नेमार, जो

128 इंटरनेशनल मैचों में 79 गोल के साथ ब्राजील की ओर से सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ी पर अक्टूबर 2023 में उरुग्वे के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर में एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट टूटने के बाद से ही वह ब्राजील से नहीं खेल पाये हैं। इसके बाद से ही वह लगातार फिटसेस से जुड़ी परेशानियां झेल रहे हैं। पिछले साल जनवरी में अपने बचपन के क्लब में लौटने के बाद से वह सैंटोस के लिए 35 मैच से लगातार उतर रहे हैं। ब्राजील के मैनेजर कार्लो एंसेलोटी के विश्व कप के लिए टीम की घोषणा से पहले उनके पास सैंटोस के लिए अपनी फिटनेस साबित करने के लिए 10 और गेम हैं। ब्राजील की टीम विश्वप में अपना अभियान 13 जून को मोरक्को के खिलाफ शुरू करेगी।

2027 एकदिवसीय विश्वकप में मिलर सहित कई अनुभवी खिलाड़ी नजर नहीं आयेंगे

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका की टीम 2027 एकदिवसीय विश्वकप में डेविड मिलर, रासी वैन डेर डुसेन सहित कई स्टार खिलाड़ियों के बिना ही खेलती दिखेगी। इसका कारण है कि क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने साल 2026-27 सत्र के लिए मिलर सहित कई खिलाड़ियों को शामिल नहीं किया है। वहीं युवा खिलाड़ियों को पहली बार शामिल किया गया है। मिलर को केन्द्रीय अनुबंध के अलावा हाइब्रिड करार भी नहीं दिया गया है। इससे उनके अंतराराष्ट्रीय करियर पर सवाल उठने लगे हैं। मिलर ने कुछ समय पहले कहा था कि वह 2027 विश्वकप खेलना चाहते हैं पर अब उनकी ये इच्छा अधूरी ही रह जाएगी। मिलर के अलावा रासी वैन डेर डुसेन को इाइब्रिड करार नहीं मिला। वहीं बल्लेबाज रीजा हैननिक और तेज गेंदबाज नांद्रे बरगर भी करार में जगह हासिल नहीं कर पाये हैं। इस बार दक्षिय अफ्रीका बोर्ड ने नये खिलाड़ियों को अधिक अवसर दिया है। इस बार सीएसके ने युवा खिलाड़ियों डेवाल्ड ब्रैविस, कोर्बिन बास , आंटेरिन बार्टमैच जैसे युवा खिलाड़ियों पर भरोसा जताते हुए अनुबंध यसूची में शामिल किया है। इसके अलावा ऑफ स्पिनर सिमोन हार्मर को भी पहली बार करार मिला है। इस बार उन घरेलू खिलाड़ियों को भी अवसर

दिया गया है। जो भविष्य में इंटरनेशनल क्रिकेट खेल सकते हैं। चयन संयोजक पैट्रिक मोरोनी ने कहा, आगे का सत्र काफी व्यस्त और अहम होने वाला है, इसलिए टीम में अनुभवी के साथ ही नए खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है। उन्होंने आगे कहा, 2027 एकदिवसीय विश्वप कप को ध्यान में रखते हुए हमने ऐसे खिलाड़ियों को चुना है, जिनमें बड़े टूर्नामेंट जीतने की क्षमता और सही मानसिकता है। उसकी अनुबंध सूची में टेम्बा बावुमा, एडेन मार्करम, कगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी, केशव महाराज, ट्रिस्टन स्टब्स, रयान रिकेल्टन और काइल वेर्रेयन जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं।

महिला टी20 विश्व कप के लिए रिकॉर्ड पुरस्कार राशि की घोषणा, पिछली बार की तुलना में 10 प्रतिशत की वृद्धि

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) ने सोमवार को आगामी महिला टी20 विश्व कप के लिए 82 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड पुरस्कार राशि की घोषणा की। इस विश्व कप का आयोजन दो महीने बाद इंग्लैंड एवं वेल्स में होगा। कुल पुरस्कार राशि में पिछले सत्र की तुलना में 10 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। टूर्नामेंट के पिछले सत्र में 10 टीमों ने भाग लिया था, लेकिन 12 जून से 05 जुलाई तक सात स्थानों पर खेले जाने वाले आगामी विश्व कप में 12 टीमें भाग लेंगी। इसका फाइनल लॉर्ड्स क्रिकेट स्टेडियम में आयोजित होगा। संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित पिछले सत्र की कुल पुरस्कार राशि 7,958,077 डॉलर (लगभग 74 करोड़ रुपए) थी, जो अब बढ़कर 8,764,615 डॉलर (लगभग 82 करोड़ रुपये) हो गई है। विजेता टीम को 23,40,000 डॉलर (लगभग 21.8 करोड़ रुपए) मिलेंगे, जबकि उपविजेता को 11,70,000 डॉलर (लगभग 10 करोड़ रुपये) प्राप्त होंगे। सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों को 6,75,000 डॉलर (लगभग 6.29 करोड़ रुपए) मिलेंगे, जबकि प्रत्येक ग्रुप मैच जीतने पर टीमों को 31,154 डॉलर (लगभग 29 लाख रुपये) मिलेंगे। आईसीसी ने यहां विज्ञप्ति में कहा, 'सभी 12 प्रतिभागी टीमों को कम से कम 2,47,500 डॉलर (लगभग 2.06 करोड़ रुपए) का सुनिश्चित पुरस्कार मिलेगा।' टूर्नामेंट की शुरुआत 12 जून को बर्मिंघम के एडजबेस्टन में मेजबान इंग्लैंड और श्रीलंका के बीच मैच से होगी। इस विश्व कप में भाग लेने वाली अन्य टीमें ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, भारत, आयरलैंड, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, स्कॉटलैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज हैं। 33 मैचों का यह टूर्नामेंट 24 दिनों तक चलेगा। इस बीच, टी20 विश्व कप ट्रॉफी मेजबान शहरों का दौरा करेगी और लंदन में इसका समापन होगा। स्कॉटलैंड में सात से 10 मई तक इसका पहला पड़ाव होगा। ICC के सीईओ संजोग गुप्ता ने कहा, 'महिला क्रिकेट का विकास लगातार तेज हो रहा है। ICC महिला टी20 विश्व कप का 12 टीमों तक विस्तार और रिकॉर्ड पुरस्कार राशि, एक मजबूत और अधिक प्रतिस्पर्धी वैश्विक खेल के निर्माण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।'

आईपीएल2026 : प्रसिद्ध कृष्णा का लखनऊ के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन से पर्पल कैप पर कब्जा

लखनऊ (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के तेज गेंदबाजी प्रसिद्ध कृष्णा ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ मुकाबले में बेहतरीन गेंदबाजी प्रदर्शन करते हुए 4 विकेट झटक कर पर्पल कैप पर कब्जा जमा लिया है।

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 में रविवार को खेले गए इस मुकाबले में प्रसिद्ध कृष्णा चार विकेट लेकर गेंदबाजों की सूची में चार मैचों में कुल 10 विकेटों के साथ शीर्ष पर पहुंच गए है। इस दौरान प्रसिद्ध ने 28/4 के आंकड़े के साथ सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है जबकि उकना इकोनॉमी रेट 9.50 रहा है।

इस सूची में दूसरे स्थान पर राजस्थान रॉयल्स (RR) के रवि बिश्नोई (9 विकेट) तथा चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाज अंशुल कंबोज (8 विकेट) तीसरे स्थान पर है। चौथे स्थान पर लखनऊ सुपर जायंट्स के प्रिंस यादव और रॉयल चैलेंजसै बेंगलुरु के जैकब डफी हैं, जिनके नाम 6-6 विकेट हैं।

LSG vs RCB

मैच की बात करें तो तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा (चार ओवर में 28 रन पर चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद कप्तान शुभमन गिल और जोस बटलर की कमाल की बल्लेबाजी से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच में रविवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स को सात विकेट से शिकस्त दी। रुस्त्र को 8 विकेट पर 164 रन पर रोकने के बाद टाइटंस ने 18.4 ओवर में तीन विकेट पर 165 रन बनाकर आसानी से लक्ष्य हासिल कर चार मैचों में दूसरी जीत दर्ज की। गिल ने 40 गेंद की पारी में छह चौके और एक छक्के की मदद से 56 रन बनाने के अलावा पहले विकेट के लिए साई सुदर्शन (15) के साथ 31 गेंद में 45 और दूसरे विकेट के लिए जोस बटलर (60) के साथ 58 गेंद में 84 रन की साझेदारी की। बटलर ने 37 गेंद की पारी में 11 चौके लगाए। सुपर जायंट्स के लिए दिग्वेश राठी, मोहम्मद शमी और प्रिंस यादव को एक-एक सफलता मिली।

इससे पहले प्रसिद्ध को मोहम्मद सिराज (चार ओवर में 19 रन पर एक विकेट) और अशोक शर्मा (चार ओवर में 32 रन पर दो विकेट) का अच्छा साथ मिला। कागिसो रबाडा को भी एक सफलता मिली, लेकिन उन्होंने चार ओवर में 54 रन लुटाए। राशिद खान ने चार ओवर में 25 रन दिए। सुपर जायंट्स के लिए एडेन मारक्रम ने सबसे ज्यादा 30 रन का योगदान दिया। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाया। कप्तान ऋषभ पंत (18), निकोलस पूरन (19), अब्दुल समद (18) और मुकुल चौधरी (18) ने क्रीज पर समय बिताने के बाद अपने विकेट गंवा दिए और रुस्त्र 164 रन ही बना पाई।

तेज गेंदबाज अशोक ने अपनी रफ्तार से प्रभावित किया

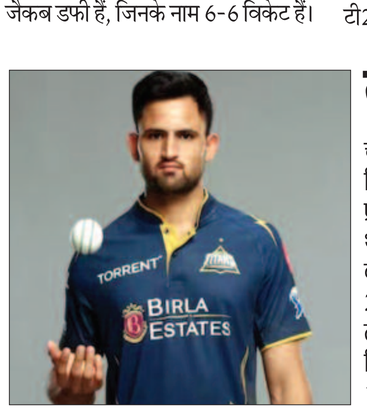

चंडीगढ़ । आईपीएल के इस सत्र में गुजरात टाइटंस टीम से खेल रहे युवा तेज गेंदबाज अशोक शर्मा ने अपनी गेंदबाज से सभी को प्रभावित किया है। अशोक ने इस सत्र की शुरुआत पंजाब किंग्स के खिलाफ मैच से की थी। अशोक ने अपने पहले ही मैच में 140-150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सभी का ध्यान खींचा है। शोक ने इससे पहले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। उसी के कारण उन्हें आईपीएल के लिए गुजरात ने शामिल किया है। इस दाएं हाथ के तेज गेंदबाज का यहां तक का सफर आसान नहीं रहा। वह कए साधारण परिवार से आये हैं। उन्होंने नेट गेंदबाज के तौर पर राजस्थान रॉयल्स के लिए काम किया है। इसके बाद उन्हें आईपीएल 2022 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने 55 लाख रुपए में खरीदा था पर उन्हें एक भी मैच खेलने का अवसर नहीं मिल सका। इसके बाद गुजरात टाइटंस ने उन्हें 90 लाख रुपए में शामिल किया। अशोक ने फर्स्ट क्लास करियर में 4 मैच खेले हैं, जिसमें 29.71 की औसत के साथ 14 विकेट हासिल किए। वहीं, 7 लिस्ट-ए मुकाबलों में उनके नाम 13 विकेट हैं। अशोक ने अपने टी20 करियर में 10 मैच खेले हैं, जिसमें 15.63 की औसत के साथ 22 विकेट लिए हैं।

विराट और रोहित चोटिल हुए, अगले मैच में खेलने को लेकर उठे सवाल

मुम्बई (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान विराट कोहली को यहां मुम्बई इंडियंस के खिलाफ हुए मैच में टखने में चोट लग गयी है। जिससे कारण उनके आईपीएल के अगले मैच में खेलने को लेकर सवाल उठने लगे हैं। इससे आरसीबी को झटका लगा है। वहीं मुम्बई के भी पूर्व कप्तान मुम्बई रोहित शर्मा इसी मैच में चोटिल हो गये। इससे मुम्बई की भी मुश्किलें बढ़ गयी हैं। विराट की फिटनेस को लेकर आशंकाएं इसलिए भी बढ़ गयी हैं क्योंकि वह मुम्बई की बल्लेबाजी के दौरान मैदान पर नहीं उतरे। हालांकि इस मैच में आरसीबी की टीम जीत गयी। मैच के बाद आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार और ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या ने कहा कि कोहली के शीघ्र ठीक होने की उम्मीद है। पाटीदार ने कहा, 'मुझे अभी नहीं पता, लेकिन मुझे लगता है कि वह अभी ठीक हैं।'

वहीं क्रुणाल ने कहा, 'मैंने अभी फिजियो से बात नहीं की है पर मुझे लगता है कि वह ठीक हो जाएंगे, चिंता की कोई बात नहीं है।' इस मैच में विराट ने हालांकि बल्लेबाज के दौरान फिल सॉल्ट के साथ 120 रनों की शुरुआती साझेदारी की थी। विराट ने 38 गेंद में ही अर्धशतक लगा दिया था। वहीं इस मैच में मुम्बई के सलामी बल्लेबाज रोहित भी चोटिल हो गये हैं। इसी कारण ही रोहित को पांचवें ओवर के बाद मेडिकल हेल्प लेनी पड़ी। हैमस्ट्रिंग इंजरी के कारण रोहित छठे ओवर की दूसरी गेंद के बाद मैदान से बाहर चले गए। उन्होंने 13 गेंद में 19 रन बनाए और वह वापस मैदान में उतर नहीं पाये। आरसीबी का अगला मैच 15 अप्रैल को जबकि मुंबई इंडियंस का 16 अप्रैल को होना है ऐसे में विराट और रोहित दोनों को अपनी-अपनी चोट से उबरने के लिए कुछ दिन का समय मिलेगा।

साड़ी की है बात निराली

छह गज का बिना सिला कपड़ा बुनकरों और डिजाइनरों के लिए एक कैनवास की तरह होता है। साड़ी केवल एक परिधान नहीं है, बल्कि यह एक पूरा ताना-बाना है। यानी एक ऐसा धागा जो अनेक सपनों का साक्षी है। जो हमारी सांस्कृतिक धरोहर है। सदियों से अपने रूप, डिजाइन और कढ़ाई के लिए प्रसिद्ध साड़ी के स्वरूप में भी आज के समय में परिवर्तन आ गया है। बदलती जीवनशैली और आधुनिकता ने अन्य चीजों की तरह इसके स्वरूप पर भी असर डाला है। भारी-भरकम कांजीवरम और बनारसी की जगह हल्की डिजाइनर साड़ियों ने ले ली है। पहले हर समारोह में जहां जरी के काम वाली भारी साड़ी पहनना अनिवार्य ही नहीं शुभ भी माना जाता था, वहीं आज दादी-नानी की उस धरोहर ने अपनी जगह अलग एक संदूक में बना ली है तो दूसरी ओर सिंथेटिक साड़ियां अलमारियों में पहुंच गई हैं। यहां तक कि कल की महिलाएं जो अपनी कांजीवरम की साड़ियों में अपनी खूबसूरती को निहारती थी, अब वे भी सिक्केस वर्क की जार्जेट, शिफॉन साड़ी पहनने लगी हैं। एक जमाना था जब हर स्त्री के पास कांजीवरम्, बनारसी, जामावार और पैठनी की साड़ियां अवश्य हुआ करती थीं। आज ब्लाउज के फैशन में जो बदलाव आया है, उसने साड़ी को वेस्टर्न टच में बदलने को उकसाया है। सबसे ज्यादा बदलाव कढ़ाई व डिजाइन में आया है। पहले भारी कढ़ाई की साड़ियों पर ज्यादातर जरी का काम किया जाता था पर अब जरी की जगह सिक्केस, क्रिस्टल व बीड्स ने ले ली है। यही वजह है कि आज साड़ियां पांच सौ से लेकर डेढ़ लाख रुपए तक में उपलब्ध हैं।

कांफिडेंस और लुक

आप जब घर से निकलती हैं, तो क्या अपने लुक को लेकर काफी कांसस रहती हैं। ऐसे में आप चाहें तो अपने ड्रेसकोड में थोड़ा सा परिवर्तन कर अपने दोस्तों में कांफिडेंस के साथ इंज्वाय कर सकती हैं। आप अपने ड्रेस डिजाइन को परिवर्तित कर अपने को आकर्षक और ग्लैमरस बना सकती हैं। इसके लिए आपको वेस्टन ड्रेस का भी सहारा लेने की कोई जरूरत नहीं है, आप भारतीय ड्रेस से ही अपने को आकर्षक बना सकती हैं। इसके लिए आप इंडियन आर्ट, अच्छे कट्स और फिटिंग वाले कपड़े का सहारा ले सकती हैं। इसके अलावा आप ब्राइट फ्रेश टोन अजमा सकती हैं। इसके साथ ही आप अपने कपड़ों को नये लुक के अलावा इनके रंगों पर भी ध्यान दें, जिनमें आप ब्लैक, ग्रे, व्हाइट के साथ थोड़ा-सा सिल्वर कलर का यूज करें तो बेहतर होगा। ये कभी फैशन सर्किट से बाहर नहीं होते। यदि आप डेनिम जींस पहनने की शौकीन हैं, तो इसे नीचे से थोड़ा मोड़ दें। साथ में ऐसे जूते पहनें, जो सभी तरह के मौसम के लिए उपयुक्त हों।

प्रैग्नेंसी में रखें खुद का ख्याल

प्रैग्नेंसी में नन्हें मेहमान के आने की जितनी ज्यादा खुशी होती हैं, उससे भी ज्यादा इस बात का फिक्र सताता है कि आने वाला बच्चा हैल्दी हो। इस लिए मां का खास ख्याल रखा जाता है क्योंकि उसी से बच्चे को पूरा पोषण मिलता है।

अगर मां में ही पोषक तत्वों की कमी होगी तो भविष्य में इसका असर बच्चे पर भी पड़ेगा। कैल्शियम, आयरन, विटामिन, खनिज पदार्थ, फाइबर, पोटाशियम आदि से भरपूर आहारों का सेवन गर्भावस्था में बहुत जरूरी है। इसी से बच्चे का शारीरिक और मानसिक विकास होगा और बीमारियों से भी उसका बचाव रहेगा। शरीर में इस समय हॉर्मोंस का परिवर्तन होने से मां का मूड बदलना स्वभाविक है। इससे उसे बहुत सी परेशानियों से भी गुजरना पड़ता है। ऐसे में प्रेग्नेंसी का समय एंज्वाय करने के लिए कुछ बातों का खास ख्याल रखना बहुत जरूरी है।

ऐसे करें स्किन केयर

गर्भावस्था में पेट और स्तन का आकार बढ़ने से स्किन पर खिंचाव के निशान पड़ जाते हैं। जिससे स्किन पर धारियां और गहरे भूरे रंग की लकीरे पड़ने का डर रहता है। इसके लिए अपनी मर्जी से दवाइयों खाने की गलती न करें। खास तरीकों से ही अपनी स्किन की केयर करें।

- प्रेग्नेंसी में त्वचा खुष्क होने लगती है इसलिए नहाने से पहले सरसो या फिर जैतून के तेल से शरीर की मसाज करें। मसाज हमेशा हल्के हाथों से करें। इससे त्वचा में नमी बरकरार रहेगी और त्वचा पर पड़े दाग-धब्बे भी दूर हो जाएंगे।
- पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करना बहुत जरूरी है। इससे स्किन और सेहत दोनों अच्छी रहेंगी
- स्ट्रेच मॉस्क पर दवाइयां लगाने की बजाए नारियल का तेल लगाएं। इससे किसी तरह की एलर्जी भी नहीं होगी और दाग के निशान भी गायब हो जाएंगे।

कपड़े पहने स्टाइलिश

गर्भावस्था के समय मां जितना खुश रहेगी बच्चा भी उतना ही हैल्दी रहेगा। गर्भवती महिला का स्मार्ट बनकर रहना बहुत जरूरी होता है। ड्रैसिंग स्टाइल भी आपकी खुशी को व्यक्त करने का काम करता है। इस समय टाइट कपड़े पहनने से परहेज करें। इससे बच्चे की ग्रोथ होने में आसानी होगी।

- स्टाइलिश मैक्सी ड्रैस पहनने में आरामदायक होती हैं।
- डार्क रंग के कपड़ें इस समय मन को खुशी देते हैं।
- फ्लोरल या फिर कॉर्टून प्रिंट के आउटफिट्स बहुत अच्छे लगते हैं।

सेहत के रखें ख्याल

संतुलित आहार खाना इस समय बहुत महत्वपूर्ण होता है। फल, सब्जियां, दूध, सूप आदि समय-समय खाना बहुत जरूरी है। एक बार खाने की बजाए 2-3 घंटे में कुछ न कुछ खाना चाहिए।

- रोटी,ब्रेड,चावल,साबुत अनाज को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। इन चीजों से आपको प्रोटीन मिलता है। इस समय प्रोटीन का सेवन बहुत जरूरी होता है।
- दूध,पनीर,अंडे,छाछ को भी आहार में शामिल करें। दूध से एलर्जी है तो छोले, राजमा, जई, बादाम, सोया दूध और सोयाबीन पनीर का भी खा सकते हैं।
- फलों का जूस पीने से साथ-साथ फल चबाकर खाने से ज्यादा फायदा मिलता है। यह शरीर में ऊर्जा का स्तर बनाए रख सकते हैं।

लड़के अगर कुछ फैक्टर्स के बल पर लड़कियों को पसंद करते हैं, तो इस मामले में लड़कियां भी कोई कम नहीं हैं। लड़कों को पसंद करने के उनके अपने कायदे हैं और वे खुद से बेटर पोजिशन वाले को जल्दी पसंद कर लेती हैं। इसके लिए वे कुछ ऐसी बातों तक को इग्नोर कर देती हैं, जिनसे समझौता आमतौर पर मुश्किल होता है।

लड़का चाहिए खुद से सुपीरियर

मशहूर दार्शनिक फ्रायड ने कहा था कि उन्हें इस बात का जवाब कभी नहीं मिला कि एक औरत अपनी जिंदगी से क्या चाहती है। कुछ ऐसी ही उधेड़बुन से आपको आज की ज्यादातर महिलाएं भी जूझती दिख जाएंगी। बेशक, इस कन्फ्यूजन के केंद्र में शादी और उससे जुड़े सवाल ही अहम रहते हैं। ऐसे में यह सोचना कि महिलाएं फाइनैंशियल तौर पर पुरुषों पर निर्भर नहीं होना चाहतीं, पूरी तरह से सच नहीं है। आज की महिलाएं भी बेहतर कैरियर से ज्यादा खुशहाल परिवार का सपना देखती हैं। हालांकि, इस बात को खुले तौर पर मानने में उन्हें थोड़ी हिचक होती है। जी हां, तमाम स्टडी से यह बात साबित हुई है। अक्सर देखा भी गया है कि लड़कियां बॉयफ्रेंड को शादी के लिए मना कर देती हैं। उनका कहना होता है कि वे अपने कैरियर में आगे बढ़ना चाहती हैं और अभी सेटल होने के बारे में नहीं सोच रही हैं। लेकिन, हायर डिग्री वाले या फिर हाई इनकम वाले वेल-सेटल्ड लड़के के साथ उनका रवैया ऐसा नहीं रहता। ऐसे पुरुष के साथ शादी के प्रपोजल को वे झट मान जाती हैं। इसी तरह की एक रिसर्च से जुड़ीं लंदन स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स की रिसर्चर कैथरिन हाकिम बताती हैं, 'दुनिया भर में विमिन इम्पॉवरमेंट की बातें लगभग 40 साल से चल रही हैं। ऐसे में बस हाउसवाइफ बनने की बात को महिलाएं स्वीकार नहीं पातीं। अगर यह बात उनके मन में होगी, तो भी वे दकियानूसी कहलाए जाने के डर से यह बात नहीं कहेंगी। हालांकि, हमारे आसपास ऐसी तमाम महिलाएं हैं, जो फाइनैंशल मैटर्स के लिए अपने पार्टनर पर डिपेंड रहना चाहती हैं।' गौर करने वाली बात यह है कि उम्र ज्यादा होने पर भी महिलाएं ऐसे साथी के सपने संजोए रहती हैं, जो हर लिहाज से उनसे आगे हो। रिसर्च के दौरान देखा गया कि कई यूरोपियन देशों की उम्रदराज महिलाएं भी शादी के लिए तभी तैयार हुईं, जब उन्हें अपने से ज्यादा धनवान और पढ़े-लिखे पुरुष मिले। ब्रिटेन में लगभग 50 साल पहले हुई एक रिसर्च में 20 फीसदी महिलाएं अपने से ज्यादा पढ़े-लिखे पुरुष से शादी करना चाहती थीं, वहीं पिछले दशक में ये आंकड़े 38 फीसदी तक पहुंच चुके हैं। यही पैटर्न पूरे यूरोप, यूएस और ऑस्ट्रेलिया में भी नोट किया गया। जाहिर है, तेजी से वेस्टर्न कल्चर में ढल रहीं इंडियन मेट्रोज की महिलाएं भी इस राह पर हैं।

सोच का रहता है असर

हालांकि इस रिसर्च को लेकर महिलाओं की राय अलग-अलग है। जहां, कुछ इससे सहमत नजर आती हैं, वहीं कुछ को इसमें दम नजर नहीं आता। एक एचआर फर्म में बतौर हेड काम कर चुकीं श्रुति सिंह कहती हैं। 'मैंने लव मैरिज की और हाल में अपनी जॉब से रिजाइन दिया है। दरअसल, मेरे पति को पांच साल के लिए लंदन की एक आईटी कंपनी में जॉब मिली है और मैं उनके साथ जाना चाहती हूं। मेरा फैसला इमोशंस और जिम्मेदारी से लिया गया है। इसमें उनके पैकेज की बात कहीं नहीं है। फिर वहां जाने पर भी मैं पढ़ाई या जॉब कर सकती हूं।' वैसे, बैंक प्रोफेशनल निहारिका जोशी ऐसे मैच को बेस्ट ऑप्शन मानती हैं। उनका कहना है, 'जिंदगी में घर और ऑफिस की दुधारी तलवार पर लटकने से क्या मिलेगा? आपको घर की जिम्मेदारी तो निभानी ही होगी, तो अच्छा है कि ज्यादा पैकेज वाले पुरुष से शादी की जाए। इस तरह न तो बॉस की धौंस सहनी पड़ेगी और एक स्टैंडर्ड के घर का आराम भी मिलेगा।' इस बात का एक और पहलू मीडिया प्रोफेशनल गौरी कपूर सामने रखती हैं। वह कहती हैं, 'हर सफल पुरुष ऐसी बीवी चाहता है, जो अपने लेवल पर सफल हो। इसलिए महिलाओं से जुड़ी इस रिसर्च में मुझे खास दम नहीं लग रहा है।' गुड़गांव की एक फूड बेवरेज फर्म में काम करने वाले गौरव कपूर की बात से यंग जेनरेशन की अप्रोच एकदम क्लीयर हो जाती है। बकौल गौरव, 'मैंने अपनी गर्लफ्रेंड से साफ कह दिया है कि जब तक मैं सीनियर मैनेजर की पोस्ट पर नहीं आ जाता, सेटल होने का सवाल ही नहीं उठता है। इससे उसे भी कोई ऐतराज नहीं है, क्योंकि उसकी फैमिली को भी तो ऊंची पोस्ट का दामाद पसंद आएगा।' उनका कहना है कि हाई सोसाइटी की तमाम महिलाएं अपने पार्टनर के एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर तक को इसी वजह से इग्नोर कर देती हैं।

....अब तो बदल जाओ

कालांतर से वर्तमान तक मानों आरोप-प्रत्यारोप ही इसकी जीवनी हो। सबने इसके आचरण पर दाग लगाए, यहां तो एक सामान्य स्त्री क्या सीता को भी नहीं बख्शा गया। वाह रे दुनिया! इसकी नियति में क्या है, यह एक प्रश्न ही रहेगा? इसने सबको इज्जत दिया, सम्मान दिया और बदले में इसे मिला क्या सिर्फ और सिर्फ बदनामी, अपमान, द्वेष, ईर्ष्या। आखिर ऐसा इसी के साथ ही क्यों? अपवाद को छोड़ दिया जाए, तो असल जिंदगी में लोग बेस्ट हाफ बनाना तो चाहते हैं पर बनना नहीं चाहते। चाहे लव मैरिज हो या अरेंज मैरिज। अरेंज मैरिज में लड़की अपने ससुराल वालों की शर्तों पर जिंदगी गुजारती होती है। बहू पढ़ी-लिखी और नौकरी वाली चाहिए, पर जिंदगी वह जीए ससुराल वालों के मुताबिक।

काम को आसान बना देंगे ये स्मार्ट ट्रिक्स

हाउस वाइफ ही नहीं बल्कि वर्किंग वुमन्स का भी किचन के साथ गहरा रिश्ता होता है। वैसे तो गृहणीयां खाना बनाने से लेकर किचन में हर में माहिर होती है लेकिन इसके बावजूद भी कई बार उन्हें काम करते समय कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ता है, जिसके कारण काम में देरी हो जाती है। किचन से जुड़ी छोटी-मोटी बातों के बारे में हर औरत को पता होना चाहिए, ताकि वो अपने काम को और भी आसान बना सके। आज हम आपको ऐसे ही कुछ टिप्स बताने जा रहें है, जिनकी मदद से आप अपने काम को और भी आसान बना सकते है। ये शानदार किचन ट्रिक्स आपका काम आसान करने के साथ-साथ खाने का स्वाद भी बढ़ जाएगा।

- बादाम या टमाटर छिलने के लिए पहले उन्हें 5-10 मिनट तक पानी में उबाले। इससे इनके छिलके आसानी से निकल जाएंगे।
- प्याज को काटने और लहसुन को छिलने से पहले उसे 10 मिनट के लिए पानी में भिगो दें। इससे प्याज काटते समय आंसू नहीं आएंगे और लहसुन के छिलके भी आराम से उतर जाएंगे।
- सूखे मेवे या ड्राईफ्रूट्स को काटने से पहले 1 घंटे के लिए फ्रिज में रख दें। इससे यह सॉफ्ट हो जाएंगे और आप इन्हें आसानी से काट सकेंगी।
- मशरूम को कभी भी पानी से न धाएं। क्योंकि यह पानी को सोख लेते है और कपाते समय पानी छोड़ देते है, जिससे सब्जी का टेस्ट खराब हो जाता है। इसकी बजाए आप मशरूम को गीले कपड़े से साफ करें।
- अगर आप पनीर बना रही है तो उसमें थोड़ा-सा ऑयल लगा दें। इससे यह बर्तन के साथ चिपकेंगे नहीं।
- शहद की शुद्धता पता लगाने के लिए उसकी कुछ बूंदें कांच की बोतल या गिलास में डालें। अगर शहद तले पर बैठ जाए तो शुद्ध है और अगर वो पानी में मिक्स हो जाए तो मिलावटी है।
- अगर आप बिरयानी या कोई ग्रेवी वाली डिश बना रही है तो उसमें दही डालने से पहले अच्छी तरह फेंट लें। इससे खाने का स्वाद बढ़ जाएगा। इसके अलावा सब्जियां उबालने के बाद इसके पानी को दाल बनाने में इस्तेमाल करें। इससे दाल का स्वाद दोगुना हो जाएगा।
- चावल पकाने से पहले उससे अच्छी तरह से धो लें। इससे चावल में मौजूद स्टार्च निकाल जाएगा और चावल पकने के बाद चिपचिपा नहीं होगा। इसके अलावा चावल की खीर बनाते समय बर्तन में पहले थोड़ा-सा पानी डाल दें। इससे दूध बर्तन के तले पर नहीं चिपकेगा।
- फलों को काटने के बाद उसके उपर अच्छी तरह से नींबू छिड़ककर फ्रिज में स्टोर करें। इससे फल पूरा दिन ताजे रहेंगे और इनका रंग भी खराब नहीं होगा।

अगर आप भी अभी नया-नया रिश्ता बना रहे है...

जब कोई लड़का या लड़की नए-नए रिलेशन में पड़ते है तो वह हर वक्त एक-दूसरे से बातें करने का बहाना ढूंढते रहते है। हर वक्त मैसेज के जरिए एक-दूसरे से बातें करने लगते है लेकिन नए रिश्ते में लड़की को अधिक मैसेज करने से आपका बना हुआ रिश्ता टूट भी सकता है क्योंकि कोई भी लड़की शुरूआत में अपनी लाइफ में किसी दूसरे की दखलअंदाजी पसंद नहीं करती। इसलिए ऐसे में लड़कों को थोड़ा सावधानी बरत कर लड़की को मैसेज करने चाहिए।

अधिक मैसेज न करें

पहली डेट के बाद लड़की के साथ बातचीत बढ़ाना अच्छी बात है लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि उसके बार-बार मैसेज करके टंग करते रहे। अधिक मैसेज करने से भी रिश्ता जुड़ने से पहले ही टूट सकता है। इसलिए मैसेज करने पहले इस बात का खास ध्यान रखें।

देर रात मैसेज न करें

दिन के समय मैसेज करके थोड़ी-बहुत बात करना तो ठीक है लेकिन देर रात तक लड़की को कभी मैसेज न करें। इससे लड़की नाराज भी हो सकती है और आपसे दूरिया भी बना सकती है।

शराब पीने के बाद

नया रिश्ता जोड़ रहे है तो कोई भी गलती करने से पहले दस बार जरूर सोचें। इसके अलावा अगर आप ड्रिंक भी करते है तो शराब पीने के बाद लड़की को कभी मैसेज न करें क्योंकि ड्रिंक करने के बाद कोई भी अपनी भावनाओं पर काबू नहीं रख पाता और कोई न कोई गलती कर बैठता है।

क्रोधित होने भी न करें मैसेज

कहते है कि गुस्सा बहुत बुरी चीज है। गुस्सा आने पर इंसान कोई होश नहीं रहता है कि वह किसे क्या बोल रहा है। इसलिए बेहतर होगा कि जब आप गुस्से में हो तो किसी लड़की को मैसेज न करें। क्योंकि उस वक्त आपको खुद नहीं पता होता है कि आप क्या बोल रहे है।

मैसेज में सवाल-जवाब कम करें

पहली डेट के साथ अगर लड़की के साथ मैसेज पर बात कर भी रहे है तो उसके साथ ज्यादा सवाल न करें क्योंकि इससे उसे गुस्सा भी आ सकता है और वह आपसे चिड़ भी सकती है।

पहली बार साथ आएंगे
टाइगर और सुनील

बॉलीवुड के एक्शन हीरो और दिग्गज अभिनेता एक साथ एक फिल्म में नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों एक नई हाई-ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर फिल्म में नजर आएंगे, जिसे लेकर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह है।
वैरायटी इंडिया के मुताबिक पहली बार टाइगर श्रॉफ और सुनील शेट्टी नई हाई-ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर फिल्म में नजर आएंगे। दोनों अपने-अपने अंदाज के लिए जाने जाते हैं। टाइगर जहां अपनी फिटनेस और स्टाइलिश एक्शन के लिए मशहूर हैं, वहीं सुनील शेट्टी अपने दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और रफ-टफ इमेज के लिए पसंद किए जाते हैं। इस प्रोजेक्ट को और भी खास बनाता है इसका एक इमोशनल कनेक्शन। सुनील शेट्टी पहले टाइगर श्रॉफ के पिता जैकी श्रॉफ के साथ कई फिल्मों में काम कर चुके हैं। अब वह उनके बेटे के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे, जो फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। रिपोर्ट्स के अनुसार मेकर्स इसे बड़े स्तर पर बनाने की तैयारी में हैं, ताकि दर्शकों को एक शानदार सिनेमैटिक अनुभव मिल सके।
फिल्म को एक फुल-ऑन एक्शन एंटरटेनर बताया जा रहा है, जिसमें जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस, स्टाइलिश फाइट्स और मसाला एंटरटेनमेंट का तड़का देखने को मिलेगा। कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इसे बड़े पैमाने पर तैयार किया जा रहा है। अब फैंस को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है, क्योंकि पहली बार यह जोड़ी बड़े पर्दे पर एक साथ नजर आने वाली है और उम्मीद की जा रही है कि यह फिल्म एक्शन लवर्स के लिए खास साबित होगी।

भूत बंगला फिल्म का हिस्सा होना मेरे लिए कितना अहम रहा

अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म भूत बंगला का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। ट्रेलर में हॉरर-कॉमेडी का दमदार बेलेंस देखने को मिल रहा है। साथ ही ट्रेलर में एक्ट्रेस मिथिला पालकर भी दिखाईं दीं। अब उन्होंने हाल ही में खुलासा किया कि उन्हें प्रियदर्शन की इस फिल्म में रोल कैसे मिला।

इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर किया खुलासा
दरअसल, मिथिला पालकर ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर एक डायरेक्टर प्रियदर्शन के साथ एक पोस्ट शेयर की। साथ ही उन्होंने खुलासा किया कि वो कल्याणी प्रियदर्शन थीं, जिन्होंने अपने पिता प्रियदर्शन को मिथिला के बारे में बताया।

मैंने कभी सोचा भी नहीं था

उन्होंने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'एक अपॉर्चुनिटी, जो कभी मैंने सोची भी नहीं थी। कल्याणी की बहुत आभारी, जिनके बिना ये आइडिया पहुंच भी नहीं पाता। और प्रियन सर, आपका भरोसा करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।' उन्होंने आगे लिखा, 'मैं आपको बता नहीं सकती कि इस फिल्म का हिस्सा होना मेरे लिए कितना अहम रहा। बहुत-बहुत आभारी। दर्शकों का बहुत शुक्रिया, जिन्होंने ट्रेलर को इतना प्यार दिया। मैं इंतजार नहीं कर सकती आप लोगों का फिल्म देखने के लिए। मिथिला की इस पोस्ट पर कल्याणी प्रियदर्शन ने कमेंट किया और कहा कि उन्होंने बस अपने पिता को बताया कि वे मिथिला की फैन हैं, और उससे ज्यादा कुछ नहीं किया। बता दें कि कल्याणी प्रियदर्शन भी एक्ट्रेस हैं, और साउथ की कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

कब रिलीज होगी भूत बंगला?

बता दें कि फिल्म भूत बंगला 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म के साथ डायरेक्टर प्रियदर्शन और एक्टर अक्षय कुमार की जोड़ी 14 साल बाद फिर से साथ आने वाली है। अक्षय के अलावा इसमें वामिका गब्बी, परेश रावल, राजपाल यादव, तब्बू और असरानी अहम किरदार में नजर आएंगे।

'धुरंधर 2' पर चुप्पी को लेकर ट्रोल हो रहीं दीपिका पादुकोण ने दिया जवाब

दीपिका ने खुद किया कमेंट

जब ये रील दीपिका तक पहुंची, तो उन्होंने खुद कमेंट कर जवाब दिया। उन्होंने लिखा, 'दूसरी वाली बात सही है मेरे दोस्त... और हां, मैंने ये फिल्म आप सबसे पहले ही देख ली थी। अब बताओ, मजाक किसका बन रहा है?'

'धुरंधर द रिवेंज' बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई कर रही है। फिल्म ने अपनी सफलता के जरिए कई रिकॉर्ड बनाए हैं। हाल ही में इसने 1 हजार का आंकड़ा पार किया था। फिल्म के लिए रणवीर सिंह को भी लोगों से खूब प्यार मिल रहा है। लेकिन इन सब के बीच रणवीर सिंह की पत्नी और बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण की तरफ से फिल्म को लेकर कोई रिएक्शन सामने नहीं आया। इसके लिए फैंस उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल कर रहे थे। अब इस पर एक्ट्रेस ने करारा जवाब दिया है।

सोशल मीडिया पर किया जा रहा था ट्रोल

दरअसल, एक इंस्टाग्राम रील के कैप्शन में लिखा था- 'दीपिका ने 500 करोड़ बजट फिल्म को साइलेंट ट्रीटमेंट दिया है। जब फिल्म ग्लोबल रिकॉर्ड बना रही थी, तब वे अपने ससुराल वालों के साथ सितार का कॉन्सर्ट देखने पहुंच गईं। ना कोई पोस्ट, ना कोई तारीफ...बस चुप्पी। क्या वो डायरेक्टर को कोई स्टेटमेंट देना जाहती हैं या फिर इंटरनेट ड्रामा से दूर हैं।

फैंस ने किया दीपिका का समर्थन

उनके इस जवाब के बाद फैंस भी उनके समर्थन में आगे आ गए। एक ने कमेंट किया- 'शायद वो प्रीमियर के दिन अपने पति की लाइमलाइट नहीं लेना चाहती थीं।' वहीं दूसरे ने लिखा- 'वे अपने बच्चे की देखभाल में व्यस्त हैं, उन्हें अकेला छोड़ दो।' वहीं एक यूजर ने लिखा- 'उन्हें लोगों से अपने रिलेशनशिप और पति को लेकर वैलिडेशन की जरूरत नहीं।'

भाषा की बाधा अब खत्म हो रही है

हिंदी फिल्मों और वेब सीरीज में अपने अभिनय से अपनी अलग पहचान बनाने वाले अपारशक्ति खुराना अब साउथ में अपने डेब्यू के लिए तैयार हैं। अपारशक्ति साई-फाई थ्रिलर फिल्म 'रूट्स - रनिंग आउट ऑफ टाइम' से तमिल सिनेमा में अपनी शुरुआत करने वाले हैं। इससे पहले अभिनेता ने भाषा की बाधा की खत्म होती धारणा और क्षेत्रीय सिनेमा के बढ़ते स्तर को लेकर बात की। बातचीत में अपारशक्ति खुराना ने अपनी फिल्म की कहानी और भाषा की सीमाओं को लेकर कहा कि जैसे-जैसे ज्यादा कलाकार हिंदी सिनेमा से हटकर क्षेत्रीय सिनेमा में काम करने की ओर बढ़ रहे हैं, भाषा को एक बाधा मानने की धारणा धीरे-धीरे खत्म हो रही है। मुझे लगता है कि कहानी ने मुझे स्वाभाविक रूप से अपनी ओर खींच लिया। भाषाओं की सीमाओं को पार करना बहुत जरूरी है, खासकर तब जब क्षेत्रीय सिनेमा हमारे देश में इतना प्रासंगिक हो गया है। हिंदी भाषी दर्शकों का तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों की ओर रुख करना वाकई कमाल है।
एस. सूर्यप्रताप द्वारा निर्देशित साइ-फाइ थ्रिलर फिल्म 'रूट्स - रनिंग आउट ऑफ टाइम' से अपारशक्ति तमिल सिनेमा में अपना डेब्यू करने के लिए तैयार है।

सोना महापात्रा ने बताई बॉलीवुड अवॉर्ड शो की काली सच्चाई

'चेतक स्क्रीन अवॉर्ड' में आलिया भट्ट ने सुनील सिंह ग्रोवर के साथ मिलकर महफिल सजाने की कोशिश की, लेकिन अब सोशल मीडिया पर उनके होस्टिंग के वीडियो को वायरल कर ट्रोल किया जा रहा है। यूजर्स का कहना है कि अभिनेत्री को कॉमेडी करनी नहीं आती और वे प्रियंका चोपड़ा को कॉपी करने की कोशिश कर रही हैं।
अब सिंगर सोना महापात्रा ने आलिया भट्ट को सपोर्ट करते हुए वीडियो पोस्ट किया है और बॉलीवुड में काम करने वालों की एकता पर भी सवाल किए हैं। सिंगर का कहना है कि जब कोई शो लाइव चलता है तो रीटेक का ऑप्शन नहीं होता है और स्टेज पर आकर लोगों को हंसाना बहुत मुश्किल काम है और बॉलीवुड में लाइव शो करना ही अपने आप में बहुत बड़ा स्टंट है। सिंगर का यह भी कहना है कि अभिनेत्री को सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा रहा है, लेकिन उस दौरान ऑडियंस में बैठे स्टार्स ने भी उनकी होस्टिंग पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया था, जो गलत था और अब ट्रोलिंग होने पर भी कोई सामने नहीं आ रहा है।
सोना महापात्रा ने यह भी साफ किया कि सिर्फ मंच से होस्टिंग काफी नहीं होती है, बल्कि ऑडियंस में बैठे लोगों को भी मंच पर खड़े होस्ट का हौसला बढ़ाना होता है, लेकिन उस दिन सबकी एनर्जी और रिएक्शन मरा हुआ था। उन्होंने खुद का एक किस्सा शेयर करते हुए बताया कि शबाना आजमी मिजवान फैशन शो होस्ट करती हैं और वहां रैंप पर चलने वालों की एनर्जी हाई होती है और ऑडियंस में बैठे बॉलीवुड स्टार्स की एनर्जी जीरो होती है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लोगों से अपील की कि वे आलिया भट्ट को ट्रोल न करें।
सिंगर सोना ने कहा, 'मुंबई फिल्म उद्योग सफलता और संघर्ष की मानसिकता को दूर नहीं करती। हम जितने अधिक 'सफल' होते जाते हैं, उतने ही कम उदार होते जाते हैं? तालियों की जगह हिसाब-किताब ले लेता है। प्रोत्साहन की जगह खामोश प्रतिस्पर्धा ले लेती है। सितारों और कामयाब लोगों से भरा कमरा, लेकिन फिर भी, कोई एक-दूसरे का साथ नहीं देता।'
सिंगर ने आलिया को सपोर्ट करते हुए लंबा चौड़ा पोस्ट लिखा है और यूजर्स भी उनका बराबर साथ दे रहे हैं। बता दें कि यह पहली बार नहीं है, जब आलिया को ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा हो। इससे पहले उनके और रणबीर कपूर के रिश्ते को लेकर भी उन्हें ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था।

मजबूरी में लेखक-डायरेक्टर बना
इमरान सर के गानों पर स्कूल में नाचा हूं

'गुडाचारी', 'मेजर' और 'हिट द सेकंड केस' जैसी कामयाब फिल्मों के लिए मशहूर साउथ सिनेमा के युवा स्टार अदिवि शेष अब एक और ऐक्शन-रोमांस से भरपूर फिल्म 'डकैत' लेकर आए हैं। इसी सिलसिले में उनसे खास बातचीत:

'कर्मा' और 'किस' जैसी शुरुआती फिल्मों में आप ऐक्टर के साथ राइटर-डायरेक्टर भी रहे। अभी डायरेक्शन से दूरी बना रखी है। क्या वापस यह डबल रोल निभाने का इरादा है?

'कर्मा' बनाने के बाद ही मुझे अहसास हुआ कि मैं अच्छा डायरेक्टर नहीं हूं। असल में, लेखन और निर्देशन मेरी मजबूरी थी क्योंकि बतौर ऐक्टर ऐसे रोल नहीं मिल रहे थे, जैसा मैं करना चाहता था। जिस तरह की स्क्रिप्ट्स मुझे पसंद थी, वे मिल नहीं रही थी। मुझे यह भी नहीं पता था कि इंडस्ट्री के अंदर कैसे आना है? वह विश्वसनीयता और सम्मान कैसे कमाऊं? तो मैंने खुद फिल्में लिखीं और बनाई। वो मेरी जरूरत थी। फिर, बाद में जब वो जगह बन गई तो मैं वो (ऐक्टिंग) कर रहा हूं, जो हमेशा से करना चाहता था। राइटिंग भी मेरी ऐक्टिंग को ही मजबूत करने का जरिया है।

'डकैत' में आप अपने फैंस के पसंदीदा ऐक्शन अवतार में हैं। इन दिनों ऐक्शन का दौर चल भी खूब रहा है। हालांकि, उसमें हिंसा और वीभत्स सीन पर भी काफी जोर दिख रहा है। आप इसकी क्या वजह मानते हैं?

'डकैत' ऐक्शन फिल्म नहीं है। यह लव स्टोरी में ऐक्शन है। इसमें दो पूर्व प्रेमी हैं, जो कभी एक दूसरे से प्यार करते थे। अब ऐसे माहौल में मिले हैं जहां डकैती हो रही है। गोलियां चल रही हैं। इन सबके बीच उनके पुराने प्यार का क्या होता है, ये कहानी है। रही हिंसा की बात तो अभी जमाना ही ऐसा है। दुनिया में जिस बेरहमी से मिसाइलें दागी जा रही है, वो हम सब देख रहे हैं। मुझे लगता है कि फिल्मों से ज्यादा हिंसा अभी असल दुनिया में है। रही बात ट्रेंड की, तो मुझे लगता है कि कोई भी ट्रेंड तब तक रहता है, जब तक दूसरा उसे तोड़ नहीं देता है। मैंने यश चोपड़ा जी का एक इंटरव्यू पढ़ा था जिसमें वे कह रहे थे कि एक दिन मरीन ड्राइव पर उन्होंने देखा कि हर होर्डिंग पर 4-4 हीरो बंदूकों के साथ दिख रहे थे। ऐसे वक्त में उन्होंने 'चांदनी' बनाने की सोची, जो क्लासिक बनी। जब रोमांस अपने चरम पर था, उस दौर में 'गदर' जैसी ऐक्शन और 'लगान' जैसी देसी फिल्म सुपरहिट हुई थी।

'डकैत' में आपके खिलाफ अनुराग कश्यप विलन की भूमिका में हैं। उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

हम बहुत लकी हैं क्योंकि वह बहुत विनम्र और निष्ठावान इंसान हैं। वह इतने मशहूर राइटर-डायरेक्टर हैं, पर जितने सामान्य तरीके से काम कर रहे थे, जैसे हमसे बात कर रहे थे, मानो खुद एक स्टूडेंट हों तो बहुत अच्छा अनुभव रहा। हमने 'डकैत' को अलग अलग भाषाओं में शूट किया है। इसके हिंदी वर्जन के डायलॉग में उन्होंने काफी गाइडेंस दिया तो इंडिया के बेस्ट डायलॉग लेखक हमें फ्री में मिल गए। उनके स्किल्स से हमें बहुत मदद मिली। 145 दिनों के शूट में उन्होंने एक बार पूछा कि क्या मैं एक शॉट में आपको डायरेक्ट कर सकता हूं, वो भी बहुत ही प्यार से और उस छोटे से सीन को उन्होंने जैसे शूट किया, वो एक किस्म का मास्टर क्लास था। मैंने स्कूल में था, जब उनकी फिल्म ब्लैक फ्राइडे देखी थी, तबसे उनका फैन हूं।

आप 'डकैत' के साथ 'गुडाचारी' का सीक्वल 'जी 2' भी शूट कर रहे हैं। दोनों के बीच में तालमेल बिठाने में कोई चुनौती आई?

'जी 2' हमने थोड़ा ही शूट किया है। अभी ज्यादा ध्यान 'डकैत' पर है क्योंकि यह पहले रिलीज है। इसके बाद मैं, वामिका गब्बी, इमरान खान सर, सब फिर से उस फिल्म पर काम करना शुरू करेंगे। इन दोनों के साथ काम करने में भी बड़ा मजा आ रहा है। इमरान सर कमाल के ऐक्टर हैं। वो लेजेंड हैं। मैंने स्कूल में उनके गानों पर डांस किया है। मेरे लिए, अक्खा बॉलिवुड एक तरफ और इमरान सर के गाने एक तरफ जैसा आलम था। वहीं, वामिका को हाल ही में मैं चिढ़ा रहा था कि तुम मेरी फिल्म 'डकैत' के खिलाफ अपनी 'भूत बंगला' रिलीज कर रही हो।

हार के डर से एसआईआर को मुददा बना रही ममता : मिथुन चक्रवर्ती

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और बालीवुड अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने कहा कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार हुआ था, और उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर विधानसभा चुनावों में हार के डर से प्रक्रिया को मुद्दा बनाने का आरोप लगाया। बीजेपी नेता चक्रवर्ती ने कहा कि एसआईआर किसी के अधिकारों का उल्लंघन नहीं करता है। उन्होंने पश्चिम मेदिनीपुर जिले में एक रोड शो के दौरान बताया, किसी अन्य राज्य में एसआईआर कोई मुद्दा नहीं है। इस संविधान के अनुसार निर्वाचन आयोग द्वारा कराया गया है। तमिलनाडु में यह सुचारू रूप से संपन्न हुआ। पश्चिम बंगाल को छोड़कर कहीं और कोई समस्या नहीं आई थी। बीजेपी नेता चक्रवर्ती ने दावा किया, पश्चिम बंगाल में तृणमूल सरकार एसआईआर को लेकर हंगामा कर रही है, क्योंकि उन्हें (पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को) हार का डर सता रहा है।

हाईकोर्ट के फैसले को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंची असम सरकार, पवन खेड़ा की बढ़ेंगी मुश्किलें

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की मुश्किलें फिर बढ़ती नजर आ रही हैं। असम सरकार ने तेलंगाना हाईकोर्ट के उस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है, जिसमें पवन खेड़ा को एक हफ्ते की ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी गई थी। असम सरकार की इस याचिका ने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। पूरा मामला तेलंगाना हाईकोर्ट के उस आदेश से जुड़ा है, जिसमें कोर्ट ने पवन खेड़ा को राहत देते हुए एक हफ्ते की ट्रांजिट अग्रिम जमानत मंजूर की थी। हाईकोर्ट का उद्देश्य खेड़ा को इतना समय देना था कि वह संबंधित निचली कोर्ट में जाकर अपनी नियमित जमानत याचिका दायर कर सकें। रिपोर्ट के मुताबिक असम सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में तेलंगाना हाईकोर्ट के उस आदेश के खिलाफ अपील की है जिसमें सीएम हिमंत बिस्वा सरमा की पत्नी रिंकी शर्मा के खिलाफ लगाए गए आरोपों को लेकर असम में दर्ज एक मामले के सिलसिले में पवन खेड़ा को एक हफ्ते की ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी गई थी। असम सरकार का तर्क है कि पवन खेड़ा के खिलाफ लगाए गए आरोप गंभीर हैं और उन्हें इस तरह की राहत नहीं मिलनी चाहिए।

ईरान में फंसे 71 भारतीय मछुआरे सुरक्षित वतन लौटे, उमरगाम में जश्न का माहौल

वलसाड (एजेंसी)। गुजरात के वलसाड जिले के उमरगाम तालुका स्थित मरोली गांव और आसपास के इलाकों के लिए बड़ी राहत की खबर सामने आई है। लंबे समय से ईरान में फंसे करीब 71 भारतीय मछुआरे अब सुरक्षित भारत लौट आए हैं। यह संभव हो पाया है भारत सरकार के सफल कूटनीतिक प्रयासों के चलते। जानकारी के अनुसार, ये सभी मछुआरे रोजगार के सिलसिले में मछली पकड़ने के लिए ईरान गए थे। इसी दौरान ईरान और आसपास के क्षेत्रों में उत्पन्न युद्ध जैसे हालात और बिगड़ती भू-राजनीतिक स्थिति के कारण वे वहां फंस गए थे। इस घटना से उनके परिवारों में गहरी चिंता और बेचैनी का माहौल था। मछुआरों ने वीडियो संदेश के जरिए भारत सरकार और गुजरात सरकार से मदद की गुहार लगाई थी। इसके बाद वलसाड के सांसद और विदेश मंत्रालय की सक्रिय पहल पर ईरान स्थित भारतीय दूतावास ने राहत अभियान चलाकर सभी मछुआरों को सुरक्षित बाहर निकाला। सभी 71 मछुआरे भारत लौट चुके हैं और तय कार्यक्रम के अनुसार वे कल उमरगाम रेलवे स्टेशन पहुंचेंगे। उनकी वापसी की खबर मिलते ही मरोली गांव में खुशी का माहौल छा गया है। लंबे समय के इंतजार के बाद अपने प्रियजनों से मिलने को परिवार उत्सुक हैं। वतन लौटने के बाद मछुआरों ने भारत सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वहां की स्थिति बेहद गंभीर थी, लेकिन समय पर मिली मदद ने उनकी जान बचा ली। वहीं, गांव के लोगों द्वारा उनके स्वागत की भव्य तैयारियां भी की जा रही हैं।

जोधपुर रेल मंडल की उपलब्धि : कबाड़ से कमाए 58 करोड़, राजस्व में 300 प्रतिशत की रिकॉर्ड वृद्धि

जोधपुर (एजेंसी)। उत्तर पश्चिम रेलवे के जोधपुर रेल मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 में एक अभूतपूर्व उपलब्धि हासिल की है। मंडल ने कबाड़ (स्क्रैप) निस्तारण के माध्यम से 58 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड राजस्व अर्जित किया है, जो न केवल आर्थिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि रेलवे की सुरक्षा और स्वच्छता के मानकों को भी नए स्तर पर ले गया है। यह सफलता इसलिए भी उल्लेखनीय है क्योंकि पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले मंडल ने लगभग 300 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की है। पिछले वर्ष की तुलना में इस बार रेलवे के खजाने में करीब 43.48 करोड़ रुपये अधिक जमा हुए हैं। मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) अनुराग त्रिपाठी के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 के लिए रेलवे ने 15 हजार मीट्रिक टन स्क्रैप निस्तारण का लक्ष्य निर्धारित किया था। जोधपुर मंडल की टीम ने इस चुनौती को स्वीकार करते हुए न केवल लक्ष्य को समय रहते हासिल किया, बल्कि कुल 16,500 मीट्रिक टन कबाड़ का सफल निष्पादन कर लक्ष्य को भी पार कर लिया। डीआरएम ने स्पष्ट किया कि कबाड़ हटाना केवल राजस्व बढ़ाना नहीं है, बल्कि यह रेलवे के नॉन फेयर रेवेन्यू को मजबूती प्रदान करने का एक जरिया है, जिससे प्राप्त संसाधनों का उपयोग यात्री सुविधाओं को आधुनिक बनाने में किया जाता है। इस अभियान का सबसे बड़ा लाभ रेलवे की सुरक्षा और स्वच्छता में देखने को मिला है। रेल पटरियों, यार्डों और वर्कशॉप में वर्षों से पड़े अनुपयोगी लोहे, पुराने रेल ट्रैक और जंग लगे उपकरणों को हटाने से परिचालन अधिक सुरक्षित हो गया है। पुराने केबल और बेकार पड़े सामान हटने से शॉर्ट सर्किट और आग लगने जैसी घटनाओं का खतरा न्यूनतम हो गया है। साथ ही, यार्ड और स्टेशन क्षेत्रों में कबाड़ के ढेर हटने से विजिबिलिटी बढ़ी है, जिससे सुरक्षा निगरानी अधिक प्रभावी हो गई है। परिसर में खाली हुई जगह के कारण अब असामाजिक तत्वों की गतिविधियों पर भी लगाम कसना आसान हो गया है।

सोनिया गांधी ने महिला आरक्षण पर सवाल उठाते हुए कहा परिसीमन असली मुद्दा

चुनाव के बीच विशेष सत्र पर भी किए सवाल

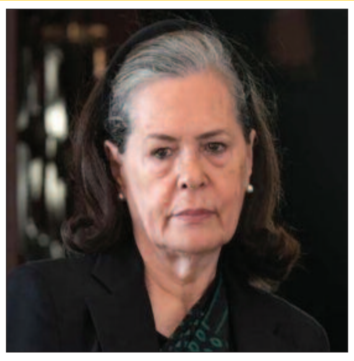

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनियां गांधी ने महिला आरक्षण को लेकर केंद्र सरकार की मंशा पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने दावा किया कि महिला आरक्षण के बहाने सरकार का असली एजेंडा परिसीमन है, जिस पर अब तक स्पष्ट जानकारी नहीं दी गई है। कांग्रेस नेत्री सोनियां गांधी ने अपने एक लेख में कहा, कि प्रधानमंत्री विपक्ष से उन विधेयकों का समर्थन मांग रहे हैं, जिन्हें संसद के विशेष सत्र में जल्दबाजी में पारित कराने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने इस बात पर भी सवाल उठाया कि जब तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल में चुनाव प्रचार अपने चरम पर है, तब इस विशेष सत्र को बुलाने की क्या आवश्यकता थी?

सोनिया गांधी ने कहा, यह पूरा कदम राजनीतिक लाभ हासिल करने के उद्देश्य से उठाया गया है। उन्होंने याद दिलाया कि सरकार 2023 में ही 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पारित कर चुकी है, लेकिन इसे लागू करने की शर्त अगली जनगणना और परिसीमन से जोड़ी गई है। ऐसे में उन्होंने कहा कि वर्तमान सत्र में महिला आरक्षण नहीं, बल्कि परिसीमन असली मुद्दा है, जो संविधान के लिए चिंताजनक हो सकता है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि विपक्ष पहले ही मांग कर चुका है कि महिला आरक्षण को 2024 के आम चुनाव से लागू किया जाए। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी साल 2024 में इस संबंध में सरकार से आग्रह किया था, लेकिन इसे स्वीकार नहीं किया गया। अब सरकार अनुच्छेद 334-ए में संशोधन कर इसे 2029 से लागू करने की तैयारी कर रही है।

सोनिया गांधी ने सवाल उठाया है, कि इस फैसले पर सरकार को यू-टर्न लेने में 30 महीने क्यों लगे और पांच राज्यों के चुनाव खत्म होने तक इंतजार क्यों नहीं किया गया? उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष तीन बार पत्र लिखकर 29 अप्रैल को सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग कर चुका है, लेकिन उस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया।

खड़गे ने विशेष सत्र की टाइमिंग को लेकर की आपत्ति

इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर विशेष सत्र की टाइमिंग पर आपत्ति जताई है। उन्होंने कहा कि चुनावों के बीच इस तरह का कदम यह दर्शाता है कि सरकार इस कानून को राजनीतिक लाभ के लिए जल्दबाजी में लागू करना चाहती है। साथ ही, उन्होंने परिसीमन से जुड़े मुद्दों पर विस्तृत चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग दोहराई है।

सुप्रीम कोर्ट ने लालू को दिया झटका, एफआईआर रद्द करने वाली याचिका की खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव को लैंड फॉर जॉब मामले में सुप्रीम कोर्ट ने झटका दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने उनके खिलाफ दर्ज एफआईआर रद्द करने वाली याचिका खारिज कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने लालू यादव को एक राहत भी दी है। उन्हें अधीनस्थ कोर्ट की कार्यवाही में पेशी से छूट दी गई है। बता दें लालू प्रसाद यादव ने जमीन के बदले नौकरी मामले में सीबीआई द्वारा दर्ज की गई एफआईआर और चार्जशीट दोनों रद्द करने की मांग की थी। हालांकि कोर्ट ने उनकी याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एन कोटिश्वर की बेंच ने कहा कि लालू यादव को ट्रायल कोर्ट में पेश होने की जरूरत नहीं। लालू यादव की तरफ से तर्क देते हुए कहा गया था कि सीबीआई ने मुकदमा चलाने के लिए कोई कानूनी मंजूरी नहीं ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले को वह निचली अदालत में भी उठा सकते हैं। आरजेडी नेता लालू यादव ने कहा था कि उनके परिवार के कई सदस्यों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है जो कि रद्द होनी चाहिए। इस मामले में उन्हें दिल्ली हाईकोर्ट से पहले भी झटका लग चुका है।

बिहार में 15 को हो सकता है नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण, पीएम के शामिल होने की संभावना

पटना (एजेंसी)। बिहार की सियासत में बड़े बदलाव की पटकथा लिखी जा चुकी है। राज्य में नए मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा के लिए 14 अप्रैल का दिन बेहद महत्वपूर्ण होने वाला है, जब औपचारिक रूप से विधायक दल के नेता का चुनाव किया जाएगा। सूत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार, 15 अप्रैल को आयोजित होने वाले भव्य शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयं शामिल हो सकते हैं। इस कार्यक्रम में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा के अन्य वरिष्ठ नेताओं के भी मौजूद रहने की उम्मीद है।

सत्ता हस्तांतरण की इस प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान 14 अप्रैल को बतौर पर्यवेक्षक पटना पहुंच रहे हैं। उनकी मौजूदगी में भाजपा विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें मुख्यमंत्री के नाम पर अंतिम मुहर लगाई जाएगी। इसी दिन मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कैबिनेट की आखिरी बैठक बुलाई गई है, जिसके बाद उनके पद से इस्तीफा देने की पूरी संभावना है। प्रशासनिक गलियारों में चर्चा है कि प्रधानमंत्री 14 अप्रैल की शाम ही पटना पहुंच सकते हैं और राजभवन या सुरक्षित स्थान पर रात्रि विश्राम के बाद अगले दिन यानी 15 अप्रैल को समारोह में शिरकत करेंगे।

हालांकि, नए मुख्यमंत्री के चेहरे को लेकर सस्पेंस अभी भी बरकरार है। राजनीतिक गलियारों में उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का नाम सबसे मजबूती से उभरा है, लेकिन केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय समेत कुछ अन्य नामों पर भी कयास लगाए जा रहे हैं। भाजपा आलाकमान राज्य के जातीय समीकरणों और आगामी राजनीतिक चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए किसी ऐसे नाम पर दांव लगाना चाहता है, जो सर्वमान्य हो। विधायक दल की बैठक के बाद एनडीए के घटक दलों के साथ संयुक्त चर्चा होगी, जिसके बाद नेता के नाम का आधिकारिक ऐलान कर दिया जाएगा। शपथ ग्रहण समारोह के लिए पटना के बापू सभागार और लोकभवन को विकल्प के तौर पर तैयार रखा जा रहा है। माना जा रहा है कि पहले चरण में मुख्यमंत्री के साथ केवल उपमुख्यमंत्री और कुछ बेहद महत्वपूर्ण विभागों के मंत्रियों को ही शपथ दिलाई जाएगी, जबकि मंत्रिमंडल का पूर्ण विस्तार बाद के चरणों में किया जाएगा। फिलहाल पूरी राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है और बिहार की जनता की निगाहें 14 और 15 अप्रैल की गतिविधियों पर टिकी हैं।

कांग्रेस को जीत नहीं दिला पा रहे राहुल गांधी, पार्टी में उन्हें हटाने का माहौल: फडणवीस

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस ने राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया है कि कांग्रेस में उन्हें हटाने का माहौल बन रहा है, क्योंकि वह पार्टी को चुनाव में जीत नहीं दिला पा रहे हैं। फडणवीस ने यह बात एक कार्यक्रम में पत्रकारों से कही। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी केवल अपने अस्तित्व के लिए लड़ रहे हैं और अपने नेतृत्व को लगातार मिल रही हार से बचाने की कोशिश कर रहे हैं। फडणवीस ने दावा किया कि राहुल पार्टी के लिए चुनावी जीत सुनिश्चित करने में असमर्थ हैं। वह अपनी पार्टी के भीतर जारी संघर्ष से ध्यान हटाने के लिए ऐसे बयान देते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम फडणवीस ने कहा कि राहुल गांधी आरोप लगाए थे कि बीजेपी और आरएसएस का उद्देश्य संविधान को खत्म करना है क्योंकि वे नहीं चाहते कि भारत में सभी को समान माना जाए। उन्होंने मंडी हाउस से 14 अप्रैल को भीमराव आंबेडकर की जयंती से पहले यहां रन फॉर आंबेडकर, रन फॉर कॉन्स्टीट्यूशन मैराथन शुरू होने से पहले एकत्रित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आंबेडकर का मुख्य संदेश संविधान का था। संविधान के बिना जिसे हम भारत कहते हैं, वह नहीं होता। उन्होंने कहा था आज जो लोग आरएसएस-बीजेपी की सोच के हैं, वे संविधान को खत्म करना चाहते हैं। वे कुछ भी कहें, उनका असली उद्देश्य संविधान को मिटाना है क्योंकि वे नहीं चाहते कि भारत में सभी को समान माना जाए।

बता दें शनिवार को समाज सुधारक ज्योतिराव फुले की स्मृति में आयोजित समारोह में पीएम मोदी और राहुल गांधी की मुलाकात हुई थी। यह बातचीत इसलिए खास है क्योंकि सार्वजनिक कार्यक्रमों में दोनों नेताओं को शिष्टाचार का आदान-प्रदान करने के अलावा शायद ही कभी एक-दूसरे से बात करते देखा जाता है। पीएम जब फुले की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने पहुंचे, तो लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी समेत कई गणमान्य व्यक्ति एक पंक्ति में खड़े थे। सभी का हाथ जोड़कर अभिवादन करने के बाद पीएम मोदी, राहुल गांधी के पास रुके और उनसे बातचीत करने लगे। यह पता नहीं चल पाया कि एक मिनट की इस बातचीत में उन्होंने किस बारे में बात की।

खरगे के बयान पर सिंघवी का पलटवार गुजरातियों को मूर्ख समझने वालों को करार जबाव मिलेगा

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में लोकल निकाय चुनावों का बिगुल बज चुका है और इसके साथ ही राजनीतिक बयानबाजी शुरु हो गई है। वडोदरा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नगर निगम चुनाव अभियान का आगाज करते हुए गृह मंत्री (उपमुख्यमंत्री स्तर के नेता) हर्ष संघवी ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि गुजरात की जनता का अपमान करने वालों को आने वाले चुनावों में करारा सबक मिलेगा। दरअसल कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कुछ दिन पहले गुजरात के लोगों को ''अशिक्षित'' कहकर दावा किया था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उन्हें ''बेवकूफ'' बना रहे हैं। राज्य के गृह मंत्री संघवी ने कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के बयान के एक सप्ताह के बाद यह बात कही है। गुजरात में 34 जिला पंचायतों, 260 तालुका पंचायतों, 84 नगरपालिकाओं और 15 नगर निगमों (जिनमें अहमदाबाद, सूरत और वडोदरा शामिल हैं) के लिए चुनाव 26 अप्रैल को होगा। मतगणना 28 अप्रैल को होगी। संघवी ने कहा, ''गुजरात से नफरत करने वाले और गुजरातियों को मूर्ख समझने वालों को हर जिले में करारा जवाब मिलेगा। उन्होंने कहा कि गुजरात की जनता और भाजपा एक बड़ा परिवार है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जगदीश विश्वकर्मा, मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और गुजरात की जनता सामूहिक रूप से 2026 के स्थानीय निकाय चुनाव में नया इतिहास रचने के उद्देश्य से आगे बढ़ रही है।

बाबा खरात के 11 ठिकानों पर ईडी का छापा, हो सकता है बड़े नेटवर्क का खुलासा

-अजीब और गोलमोल जवाब देकर जांच एजेंसियों को उलझा रहा, पत्नी है फरार

नासिक (एजेंसी)। नासिक का फर्जी बाबा अशोक खरात मामले अब और गहराता जा रहा है, जिस शख्स पर लोगों को धोखा देने, दुष्कर्म और करोड़ों की ठगी के आरोप हैं, अब उसकी संपत्तियों पर ईडी की छापेमारी ने पूरे मामले को नई दिशा दे दी है। 11 जगहों पर एक साथ छापेमारी ने साफ कर दिया है कि मामला सिर्फ बाबा तक सीमित नहीं है, इसके पीछे बड़ा नेटवर्क हो सकता है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि पूछताछ में बाबा अशोक खरात बार-बार अजीब और गोलमोल जवाब देकर जांच एजेंसियों को उलझा रहा है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या वह सच्चाई छिपा रहा है या सच में उसके सीने में बड़ा राज दफन है?

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईडी की इस कार्रवाई ने मामले को सिर्फ आपराधिक ही नहीं, बल्कि आर्थिक अपराध के दायरे में ला दिया है। बाबा खरात के घर, ऑफिस, फार्महाउस और मंदिर तक पर छापा मारा गया है जिससे पता चलता है कि जांच एजेंसियां हर पहलू को खंगाल रही हैं। इस बीच उसकी फरार पत्नी कल्पना खरात का रहस्य भी मामले को उलझा रहा है। पुलिस पिछले कई दिनों से उनकी तलाश कर रही है, लेकिन अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। खुद बाबा अशोक खरात का यह कहना कि 'मेरी पत्नी कहां है, यह सिर्फ भगवान जानते हैं' जांच को और पेचीदा बना देता है।

ईडी ने नासिक में बाबा खरात से जुड़े 11 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की है। इनमें उसका घर, ऑफिस, फार्महाउस और ईशान्यश्वर मंदिर जैसी संपत्तियां शामिल हैं। जांच एजेंसियों को उम्मीद है कि इन ठिकानों से कई अहम दस्तावेज और डिजिटल सबूत मिल सकते हैं। यह छापेमारी इस बात का संकेत है कि मामला अब बड़े आर्थिक घोटाले की ओर बढ़ रहा है और आने वाले दिनों में और बड़े खुलासे हो सकते हैं। पूछताछ में बाबा अशोक खरात का रवैया जांच एजेंसियों के लिए चुनौती बना हुआ है।

इस बीच पुलिस और एसआईटी बाबा की पत्नी कल्पना खरात की तलाश कर रही हैं। उसके खिलाफ नोटिस जारी किया है ताकि वे देश छोड़कर भाग न सकें। कल्पना ने अग्रिम जमानत के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है, लेकिन अभी तक उन्हें राहत नहीं मिली है। जांच एजेंसियां मान रही हैं कि उसकी गिरफ्तारी से मामले में कई अहम कड़ियां जुड़ सकती हैं। बाबा अशोक खरात को सोमवार को नासिक की कोर्ट में पेश किया क्योंकि उसकी पुलिस हिरासत खत्म हो रही है। एसआईटी इस मामले में उसे एक और केस में हिरासत में लेने की तैयारी कर रही है। अब तक हुई जांच और बरामद सबूतों की पूरी जानकारी अदालत को दी जाएगी। संभावना है कि आगे की जांच में और बड़े नाम सामने आ सकते हैं और मामले की दिशा बदल सकती है।

कर्नाटक : कैबिनेट में फेरबदल या मुख्यमंत्री बदलने की कवायद को लेकर दिल्ली में डाला ढेरा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है। राज्य की सत्ताधारी कांग्रेस पार्टी के भीतर कैबिनेट विस्तार और फेरबदल की मांग को लेकर असंतोष के स्वर उभरने लगे हैं। ताजा घटनाक्रम में करीब 30 वरिष्ठ कांग्रेस विधायक दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं, जिससे मुख्यमंत्री सिद्धारमैया सरकार पर दबाव बढ़ता दिख रहा है। ये विधायक दिल्ली में आलाकमान, विशेषकर राहुल गांधी से मुलाकात कर कैबिनेट में जगह देने की गुहार लगा सकते हैं। या फिर मुख्यमंत्री बदलने की प्रक्रिया का हिस्सा होने की भी आशंका जताई जा रही है।

विधायकों के इस कदम का मुख्य उद्देश्य कैबिनेट में नए चेहरों को शामिल करवाना है। कांग्रेस विधायक बेलूर गोपालकृष्ण ने इस गुट की मंशा स्पष्ट करते हुए कहा कि कई ऐसे नेता हैं जिन्हें तीन से पांच बार मंत्री बनने का मौका मिला है। अब समय आ गया है कि उन वरिष्ठ सदस्यों को अवसर दिया जाए जो अब तक वंचित रहे हैं। वहीं, विधायक अशोक पाटन ने याद दिलाया कि मुख्यमंत्री ने पहले दो साल बाद बदलाव के संकेत दिए थे, लेकिन अब तीन साल बीत जाने के बाद भी फेरबदल का इंतजार बना हुआ है। हैरानी की बात यह है कि केवल अनुभवी नेता ही नहीं, बल्कि पहली बार जीतकर आए विधायक भी मंत्री पद के लिए अपनी दावेदारी मजबूती से पेश कर रहे हैं। मांड्या से विधायक रविकुमार गौड़ा ने बताया कि लगभग 38 नए विधायकों ने नेतृत्व को पत्र लिखकर मांग की है कि प्रस्तावित फेरबदल में उनमें से कम से कम पांच को मंत्री बनाया जाए। उनका तर्क है कि राज्य की सेवा के लिए नए दृष्टिकोण की भी आवश्यकता है। वरिष्ठ विधायकों की मांग है कि कम से कम 20 नए चेहरों को कैबिनेट में स्थान मिले। इस बीच, विपक्ष ने सत्तारूढ़ दल की इस आंतरिक खींचतान पर निशाना साधा है। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने दावा किया कि यह दिल्ली यात्रा केवल मंत्री पद के लिए नहीं, बल्कि नेतृत्व परिवर्तन के दबाव का हिस्सा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विधायकों का एक गुट उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की पैरवी कर रहा है, जबकि दूसरा गुट सिद्धारमैया को बनाए रखना चाहता है। हालांकि, दिल्ली गए विधायकों ने इसे केवल कैबिनेट में उचित प्रतिनिधित्व की मांग बताया है। अब सारा फैसला कांग्रेस आलाकमान और मुख्यमंत्री के हाथ में है कि वे इस असंतोष को कैसे शांत करते हैं।

आधी आबादी ही है जो ममता दीदी की ताकत बनी हुई है, भाजपा नहीं दे पा रही मात !

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की राजनीति और विधानसभा चुनावों का विश्लेषण करने वाले विशेषज्ञों के लिए ममता बनर्जी की सत्ता में निरंतरता एक शोध का विषय रही है। देश की सबसे शक्तिशाली पार्टी भाजपा की तमाम कोशिशों के बावजूद, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस का दुर्ग अभेद्य बना हुआ है। इस राजनीतिक मजबूती के पीछे की सबसे बड़ी ताकत ममता बनर्जी की महिला ब्रिगेड है, जो न केवल पार्टी के शीर्ष पदों पर आसीन है, बल्कि जमीनी स्तर पर संगठन की रीढ़ बनकर उभरी है।

71 वर्षीया ममता बनर्जी, जिन्हें उनके समर्थक दीदी कहकर पुकारते हैं, ने अपनी सादगीपूर्ण छवि और संघर्षशील व्यक्तित्व के साथ महिलाओं को अपनी राजनीति के केंद्र में रखा है। कन्याश्री, लक्ष्मी भंडार और स्वास्थ्य साथी जैसी कल्याणकारी योजनाओं ने राज्य में एक वफादार महिला वोट बैंक तैयार किया है। लेकिन ममता की शक्ति केवल वोट बैंक तक सीमित नहीं है; उन्होंने महिलाओं का एक ऐसा नेतृत्व ढांचा तैयार किया है जो संगठन और सरकार दोनों को मजबूती प्रदान करता है। तृणमूल कांग्रेस चुनावों में लगभग 40 प्रतिशत टिकट महिलाओं को देती है, जो अन्य राष्ट्रीय दलों की तुलना में कहीं अधिक है।

इस महिला ब्रिगेड में सबसे अनुभवी चेहरों में 70 वर्षीया चंडीमा भट्टाचार्य शामिल हैं। राज्य के वित्त और भूमि जैसे महत्वपूर्ण विभागों की मंत्री चंडीमा, सिंगुर-नंदीग्राम आंदोलन के समय से ममता की भरोसेमंद सहयोगी रही हैं। पेशे से वकील चंडीमा पर नेतृत्व का अटूट विश्वास ही है कि 2016 में चुनाव हारने के बावजूद उन्हें उपचुनाव के जरिए वापस लाया गया और मंत्री पद सौंपा गया। वहीं, 63 वर्षीया डॉ. शशि पांजा, जो महिला एवं बाल विकास मंत्रालय संभाल रही हैं, ने कन्याश्री जैसी योजनाओं को जमीनी स्तर पर सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई है। संसदीय राजनीति में बारासात से सांसद डॉ. काकोली घोष दस्तीदार और राज्यसभा में पार्टी की मुखर आवाज डोला सेन जैसे नाम ममता बनर्जी के पुराने और संघर्ष के दिनों के साथी हैं। युवा नेतृत्व में संथाली फिल्मों से राजनीति में आईं बिरबाहा हांसदा जनजातीय क्षेत्रों में पार्टी का प्रमुख चेहरा हैं। इसके अलावा, कृष्णा चक्रवर्ती जैसी नेता पिछले चार दशकों से ममता बनर्जी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी हैं। अब जब ममता बनर्जी चौथी बार सत्ता में लौटने की तैयारी कर रही हैं, तो उनकी यह सशक्त महिला ब्रिगेड कोलकाता की सड़कों से लेकर दिल्ली के गलियारों तक चुनावी बिसात बिछाने में जुट गई है। यह नेतृत्व ही टीएमसी को बंगाल की राजनीति में अन्य दलों से अलग और मजबूत बनाता है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)